DELHI CRIME 22 apr 2022:Layout 1 4/21/2022 6:19 AM Page 1

निष्पक्ष, निर्भीक, स्वतंत्र विचार व अपराध निरोधक मुख्य हिन्दी राष्ट्रीय समाचार पत्र

दिल्ली क्राईम व भ्रष्टाचार विरोधी मोर्चा

DELHI CRIME WA BHRASHTACHAR VIRODHI MORCHA

Website- Delhicrimepress.in
Email-info@delhicrimepress.in

RNI No. DELHIN/2005/15378 | DCP Lic. No. F-2(D-9)PRESS/2005 | वर्ष-01 | शुक्रवार 22 अप्रैल 2022 | पीडीएफ अंक-02 | पृष्ठ-8 | मूल्य-नि:शुल्क

न्यूज फ्लैश

सिग्नल सिस्टम फेल होने से मेट्रो सेवा प्रभावित, यात्री हुए परेशान

नई दिल्ली। दिल्ली मेट्रो की ब्लू लाइन पर गुरुवार सुबह करीब एक घंटे तक यात्री परेशान रहे। ब्लू लाइन पर मेट्रो ट्रेन को सिग्नल न मिलने की वजह से इसे मैनुअल और बेहद धीमी रफ्तार से चलाना पड़ा। इसकी वजह से हजारों यात्रियों को परेशानी का सामना करना पड़ा। हालांकि डीएमआरसी ने करीब एक घंटे में इस समस्या का समाधान कर लिया, जिसके बाद ट्रेनों का परिचालन सामान्य हो गया। डीएमआरसी के मुताबिक ब्लू लाइन पर सुबह के समय द्वारका सेक्टर 21 से नोएडा इलेक्ट्रॉनिक सिटी और वैशाली जाने वाली ब्लू लाइन पर सेवा प्रभावित रही। यह सेवा सुबह 9.10 से लेकर 10:00 तक प्रभावित रही। इसका मुख्य कारण सिग्नल सिस्टम का फेल होना था। सिग्नल सिस्टम फेल होने की वजह से ट्रेन की आईडी नहीं मिल रही थी। मेट्रो ट्रेन को सिग्नल नहीं मिल पा रहे थे। इसकी वजह से ट्रेन को सीमित गति से चलाया गया। इस दौरान पूरी सावधानी बरती गई। इस वजह से ब्लू लाइन पर सफर कर रहे मेट्रो यात्रियों को परेशानी का सामना करना पड़ा। डीएमआरसी के मुताबिक इसकी वजह से एक के बाद एक कई ट्रेनें धीमी होती चली गईं। मेट्रो की रफ्तार सुस्त होने से यात्री काफी देर तक फंसे रहे। सुबह 10 बजे तक सिग्नल की यह खामी डीएमआरसी के इंजीनियरों ने दुरुस्त कर ली। उसके बाद मेट्रो ट्रेनों का परिचालन सामान्य हो गया।

मरीज की मौत को तथ्यों के जाने बिना चिकित्सकीय लापरवाही नहीं कहा जा सकता: सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि किसी मरीज की मौत को सभी प्रासंगिक तथ्यों को जाने बिना चिकित्सकीय लापरवाही नहीं माना जा सकता। कोर्ट ने कहा कि कानून की व्याख्या से यह स्पष्ट रूप से सामने आता है कि एक डॉक्टर को केवल इसलिए उत्तरदायी नहीं ठहराया जाना चाहिए क्योंकि गलती या दुस्साहस से या निर्णय में कमी के चलते इलाज के एक उचित तरीके को दूसरे तरीके पर वरीयता देने के कारण चीजें गलत हो गईं। कोर्ट ने कहा, 'डॉक्टरों से उचित देखभाल की उम्मीद की जाती है, लेकिन कोई भी पेशेवर यह आश्वासन नहीं दे सकता है कि संकट का हल करने के बाद मरीज घर वापस चला ही जाएगा।' जस्टिस अजय रस्तोगी और न्यायमूर्ति अभय एस ओका की पीठ ने कहा, 'हालांकि, दुर्भाग्यपूर्ण स्थिति में मौत हो सकती है। यह आवश्यक होगा कि मृत्यु चिकित्सकीय लापरवाही के कारण होने के निष्कर्ष पर न्याय करने वाले प्राधिकारी के पहुंचने से पहले चिकित्सा साक्ष्य पर पर्याप्त सामग्री उपलब्ध होनी चाहिए। किसी भी मरीज की मौत को बिना प्रासंगिक तथ्यों को जाने चिकित्सकीय लापरवाही नहीं माना जा सकता।' पीठ ने कहा, 'चिकित्सा में, उपचार के लिए अलग-अलग दृष्टिकोण हो सकते हैं। विचारों में वास्तविक मतभेद हो सकता है। हालांकि, उपचार के एक तरीके को अपनाने के दौरान, चिकित्सक का यह कर्तव्य होता है कि उसे यह सुनिश्चित करना चाहिए कि उसके द्वारा अपनाया जा रहा चिकित्सा नियम उसके सर्वोत्तम कौशल और उसकी दक्षता के अनुरूप है।

भाजपा मुख्यालय पर हमले के लिए लोगों को उकसा रही है आप: बिधूड़ी

नई दिल्ली। दिल्ली विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष रामवीर सिंह बिधूड़ी ने कहा कि आम आदमी पार्टी (आप) के नेता लोगों को भाजपा मुख्यालय पर हमले के लिए उकसा रहे हैं। बिधूड़ी ने गुरुवार को एक बयान जारी कर कहा कि आप नेता लोगों को भाजपा मुख्यालय और केन्द्रीय गृहमंत्री अमित शाह के निवास पर बुलडोजर से हमला करने के लिए उकसा रहे हैं। यह गैरकानूनी है। आप नेताओं को इस हरकत के लिए देश से माफी मांगनी चाहिए। बिधूड़ी ने कहा कि आप सरकार बांग्लादेशी घुसपैठियों और रोहिंग्या को दिल्ली में मुफ्त बिजली-पानी, बस यात्रा, पेंशन जैसी सभी सुविधाएं मुहैया कराती है। वह हनुमान भक्तों पर गोली और तलवार चलाते हैं तो आप नेताओं के मुख से निंदा का एक शब्द भी नहीं निकलता, लेकिन जब उनके खिलाफ कानून सम्मत कार्रवाई होती है तो उनको बुरा लगता है। उल्लेखनीय है कि जहांगीरपुरी इलाके में बुधवार को नगर निगम के अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई का आप नेताओं ने विरोध किया था। इस कार्रवाई के लिए भाजपा को जिम्मेदार बताते हुए एक दिन पूर्व दिल्ली के उपमुख्यमंत्री ने कहा था कि सबसे पहले भाजपा मुख्यालय और केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह के आवास पर बुलडोजर चलाना चाहिए।

अबू सलेम की याचिका पर केंद्र सरकार के जवाब से सुप्रीम कोर्ट असंतुष्ट

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने अबू सलेम की याचिका पर केंद्र सरकार के जवाब पर असंतोष जताया है। इस मामले की अगली सुनवाई 5 मई को होगी। गुरुवार को जस्टिस संजय किशन कौल की अध्यक्षता वाली बेंच में अबू सलेम की याचिका पर सुनवाई हुई। सुनवाई के दौरान कोर्ट ने कहा कि गृह सचिव के हलफनामे की सराहना नहीं की जा सकती है। केंद्र सरकार ने अपने हलफनामा में कहा है कि पुर्तगाल सरकार से वादा किया गया है कि सलेम को 25 साल से ज्यादा की सजा नहीं दी जाएगी। यह दो देशों के बीच का मामला है, कोर्ट कानून के मुताबिक फैसला करे। कोर्ट ने कहा कि कोर्ट को जो फैसला करना है वो तो कोर्ट करेगी ही। कोर्ट ने कहा कि केंद्र सरकार का यह कहना सही नहीं है कि सलेम की याचिका प्री-मैच्योर है। दरअसल, केंद्रीय गृह सचिव अजय भल्ला ने सुप्रीम कोर्ट में दाखिल जवाब में कहा है कि सलेम का प्रत्यर्पण 2005 में हुआ था। उसकी रिहाई पर विचार करने का समय 2030 में आएगा, तब सरकार तय करेगी कि क्या करना है। भल्ला ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट को अबू सलेम की याचिका पर विचार नहीं करना चाहिए। इससे पहले 12 अप्रैल को सुप्रीम कोर्ट ने अबू सलेम की याचिका पर केंद्रीय गृह सचिव की ओर से जवाब दाखिल नहीं करने पर एतराज जताया था। कोर्ट ने अंतिम अवसर देते हुए 18 अप्रैल तक केन्द्र सरकार को जवाब दाखिल करने का निर्देश दिया था। इस मामले में अगली सुनवाई 5 मई को होगी।

देश की अखंडता और एकता से कोई समझौता नहीं : मोदी

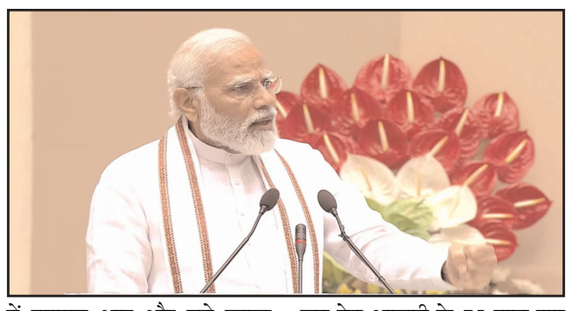

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने गुरूवार को सिविल सेवा दिवस पर राष्ट्र प्रथम के मंत्र को दोहराते हुए कहा कि हम देश की अखंडता और एकता से कोई समझौता नहीं कर सकते। प्रधानमंत्री मोदी विज्ञान भवन में लोक प्रशासन में उत्कृष्टता के लिए 16 अधिकारियों को प्रधानमंत्री पुरस्कार प्रदान करने के बाद संबोधित कर रहे थे। प्रधानमंत्री ने कहा कि लोकतंत्र में विभिन्न विचारधाराएं हो सकती हैं लेकिन हमें हमेशा देश की एकता और अखंडता को मजबूत करना चाहिए। देश की एकता को ध्यान में रखते हुए हर फैसला लेना चाहिए। उन्होंने कहा कि राष्ट्र प्रथम के मंत्र के साथ राष्ट्र का सद्भाव और अखंडता बनाए रखें। हमारे सभी प्रयास राष्ट्र प्रथम, भारत प्रथम से जुड़े होने चाहिए। सिविल सेवकों को लोकतांत्रिक व्यवस्थाओं के लिए तीन लक्ष्य देते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि हम एक लोकतांत्रिक व्यवस्था में है और हमारे सामने तीन लक्ष्य साफ-साफ होने चाहिए। पहला लक्ष्य है कि देश में सामान्य से सामान्य मानवी के जीवन में बदलाव आए, उसके जीवन में सुगमता आए और उसे इसका एहसास भी हो। उन्होंने कहा कि दूसरे लक्ष्य है कि आज हम कुछ भी करें, उसको वैश्विक सन्दर्भ में करना समय की मांग है। प्रधानमंत्री ने तीसरे लक्ष्य को लेकर कहा कि व्यवस्था में हम कहीं पर भी हों, लेकिन जिस व्यवस्था से हम निकले हैं, उसमें हमारी मुख्य जिम्मेदारी देश की एकता और अखंडता है। प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत की महान संस्कृति की ये विशेषता है कि हमारा देश राज व्यवस्थाओं और राज सिंहासनों से नहीं बना है। उन्होंने कहा कि जन सामान्य के सामर्थ्य को लेकर चलने की हमारी हजारों साल की परंपरा रही है। आजादी के अमृत महोत्सव में जब देश आजादी के 75 साल मना रहा है ऐसे में यह आयोजन विशेष है। प्रधानमंत्री ने पुरस्कार विजेताओं से कहा कि वे विदेश मंत्रालय और पुलिस विभाग सहित देशभर में स्थित सिविल सेवा से जुड़े तमाम प्रशिक्षण संस्थानों में ट्रेनिंग ले रहे प्रशिक्षुओं को हर सप्ताह एक से डेढ़ घंटे का समय निकालकर वर्चुअल माध्यम से अपने अनुभव साझा करें।

उन्होंने कहा कि यदि प्रत्येक सप्ताह ऐसे दो पुरस्कृत अधिकारियों से चर्चा होगी तो आने वाली नई पीढ़ी के अधिकारियों को उनके अनुभवों से काफी मदद मिलेगी। प्रधानमंत्री ने कहा कि ऐसा करना अधिकारियों को लिए भी लाभप्रद होगा और वे इससे जुड़े रहेंगे। प्रधानमंत्री ने अधिकारियों से कहा कि मैं चाहूंगा कि आजादी के इस अमृत काल में आप अपने डिस्ट्रिक्ट में जो पहले कलेक्टर के रूप में काम करके गए हैं, एक बार अगर हो सके तो उनका मिलने का कार्यक्रम बनाइये। आपके पूरे जिले के लिए वो एक नया अनुभव होगा। इसी तरह राज्यों में जो चीफ सेक्रेटरी के रूप में कार्य करके गए हैं, एक बार राज्य के मुख्यमंत्री उन सबकों बुला लें। देश के प्रधानमंत्री, जितने भी कैबिनेट सेक्रेटरी रहे हैं उनकों बुला लें। हम पिछली शताब्दी की सोच और नीति नियमों से अगली शताब्दी की मजबूती का संकल्प नहीं कर सकते। इसलिए हमारी व्यवस्थाओं, नियमों में, परंपराओं में पहले शायद बदलाव लाने में 30 - 40 साल चले जाते होंगे, तो चलता होगा। लेकिन तेज गति से बदलते हुए विश्व में हमें पल पल के हिसाब से चलना पड़ेगा। प्रधानमंत्री ने कहा कि पिछले 8 साल के दौरान देश में अनेक बड़े काम हुए हैं। इनमें से अनेक अभियान ऐसे हैं जिनके मूल में व्यवहार परिवर्तन है।

प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देना समय की मांग : तोमर

नई दिल्ली। केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर ने कहा है कि जैविक व प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देना समयानुकूल है। जैविक खेती का रकबा व उत्पादन बढ़ाने के उद्देश्य से केंद्र सरकार ने लार्ज एरिया सर्टिफिकेशन की नीति बनाकर सिक्किम, अंडमान-निकोबार, लद्दाख, लक्ष्यदीप जैसे क्षेत्रों के काफी बड़े हिस्से को जैविक क्षेत्र घोषित किया है। यहां योजनाबद्ध कार्य कर 38 लाख हेक्टेयर क्षेत्र को जैविक खेती में कवर किया गया है। तोमर ने गुरुवार को भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद में आयोजित एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि वर्ष 2021-22 में कृषि एवं सम्बद्ध निर्यात लगभग पौने 4 लाख करोड़ रु. का रहा, जो बीते साल से लगभग साढ़े चौबीस प्रतिशत अधिक है। आगे उन्होंने कहा कि किसानों व वैज्ञानिकों के अथक प्रयासों तथा सरकार की किसान हितैषी नीतियों के कारण बंपर उत्पादन हो रहा है और वसुधैव कुटुम्बकम की भावना से अन्य देशों को भी हम अन्न की आपूर्ति कर रहे हैं।

किसी अजनबी को वाईफाई हॉटस्पॉट देने से हो सकती है जेल, पुलिस ने जारी किया अलर्ट

नई दिल्ली। आप किसी अजनबी के कहने पर अपने मोबाइल फोन का हॉटस्पॉट ऑन कर उसे वाईफाई दे देते हैं? अगर आप ऐसा करते हैं तो यह आपको मुसीबत में डाल सकता है। दरअसल श्रीनगर पुलिस ने बुधवार को सभी इंटरनेट यूजर्स से अनुरोध किया कि वे अजनबियों, अराजक तत्वों और अपराधियों को वाईफाई या हॉटस्पॉट न दें। पुलिस ने आगे कहा कि अगर अपराधियों, आतंकवादियों और उनके सहयोगियों द्वारा इस तरह के वाईफाई या हॉटस्पॉट का इस्तेमाल करते पाया गया तो इंटरनेट प्रदान करने वालों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाएगी। सेंटर फॉर सेल्युलर एंड मॉलिक्यूलर बायोलॉजी (सीसीएमबी) के पूर्व निदेशक राकेश मिश्रा ने कहा कि टीके की बड़ी मात्रा में खुराक दिए जाने के बीच, दर्ज की गईं प्रतिकूल घटनाओं की संख्या बेहद कम है। दुनिया भर में इस्तेमाल किए जाने वाले सभी टीके सुरक्षित पाए जाते हैं। वैक्सीन से मौतों के पीछे लोगों का स्वास्थ्य जोखिम या कोई अन्य जटिलता हो सकती है। ट-ीकाकरण विभाग ने अब तक 1,112 प्रतिकूल घटनाओं और 391 मौतों के संबंध में 13 रिपोर्ट जारी की हैं। इनमें से अधिकांश को संयोग के रूप में वर्गीकृत किया गया है। नौ ए1 मौतों के अलावा, कम से कम 45 को "अचानक अस्पष्टीकृत मौत" के रूप में वर्गीकृत किया गया है क्योंकि

●....शेष भाग पेज 3 पर

मेवानी की गिरफ्तारी पर राहुल गांधी ने कहा, शहंशाह घबरा गए

नई दिल्ली। कांग्रेस ने गुजरात के विधायक जिग्नेश मेवानी की असम पुलिस द्वारा की गई गिरफ्तारी को ह्यअलोकतांत्रिक और असंवैधानिक करार देकर आरोप लगाया कि घटनाक्रम से स्पष्ट होता है कि शहंशाह घबरा गए हैं। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने ट्वीट किया, (नरेंद्र) मोदी जी, आप विरोध के स्वर को सरकारी मशीनरी का उपयोग कर कुचलने का प्रयास कर सकते हैं। लेकिन सच को कभी कैद नहीं कर सकते हैं। पार्टी के मुख्य प्रवक्ता रणदीप सुरजेवाला ने कहा, शहंशाह घबरा गए हैं। गुजरात के विधायक जिग्नेश मेवानी को असम की पुलिस रातों-रात गिरफ्तर कर ले जाती है। इस घबराहट का, इस छटपटाहट का संदेश भी है और चिह्न भी है। उन्होंने सवाल किया, क्या देश में अब साम्प्रदायिक सौहार्द की अपील करना और प्रधानमंत्री से धर्म के नाम पर लोगों को न लड़वाने की अपील करना अपराध है? क्या प्रधानमंत्री से यह उम्मीद करना अपराध है कि वह गुजरात आएंगे और महात्मा गांधी की धरती पर शांति की अपील करेंगे? सुरजेवाला ने कहा, साम्प्रदायिक सौहार्द्र, भाईचारे के लिए हमारी जंग जारी रहेगी। न मोदी जी इस हरा सकते हैं, न देश की और कोई ताकत। उन्होंने कहा कि पूरी कांग्रेस पार्टी मेवानी के साथ कंधे से कंधा मिलाकर खड़ी है। कांग्रेस ने अपने ट्विटर हैंडल पर कहा, असम पुलिस ने जिस अलोकतांत्रिक तरीके से गुजरात के विधायक जिग्नेश मेवानी को गिरफ्तार किया है, वह संविधान विरोधी कदम है और उस जनता का अपमान है, जिसने उन्हें विधायक चुना है। कांग्रेस

●....शेष भाग पेज 3 पर

महाराष्ट्र के 18 मंत्रियों के इलाज पर सरकारी खजाने से खर्च हुए 1.40 करोड़ रुपये

मुंबई। कोरोना काल में महाराष्ट्र के 18 मंत्रियों के निजी अस्पतालों में इलाज करवाने पर सरकारी खजाने से एक करोड़ 40 लाख रुपये खर्च किए गए हैं। इनमें से 34 लाख 40 हजार रुपये अकेले स्वास्थ्य मंत्री राजेश टोपे के इलाज पर खर्च किए गए हैं। यह जानकारी भारतीय जनता पार्टी के विधायक अतुल भातखलकर दी है। अतुल भातखलकर ने गुरुवार को पत्रकारों को बताया कि कोरोना के दौरान महाराष्ट्र सरकार ने राज्य की जनता के लिए कोई मदद नहीं की थी। कोरोना के समय जनता सरकारी अस्पतालों में रो रही थी और कोरोना संक्रमित मंत्री सरकारी खर्च पर निजी अस्पतालों में इलाज करवा रहे थे। उन्होंने बताया कि राज्य के 18 मंत्री कोरोना संक्रमित हुए और इन लोगों ने निजी अस्पतालों में इलाज करवाया और उसका भुगतान सरकारी तिजोरी से किया गया। भातखलकर ने बताया कि राजेश टोपे के इलाज पर 34 लाख 40 हजार, नितिन राउत के इलाज पर 17 लाख 63 हजार. हसन मुश्रीफ के इलाज पर 14 लाख 56 हजार, अब्दुल सत्तार पर 12 लाख 56 हजार, जितेंद्र आव्हाड पर 11 लाख 76 हजार, छगन भुजबल पर 9 लाख 3 हजार, सुनील केदार पर 8 लाख 71 हजार, जयंत पाटिल पर 7 लाख 30 हजार, सुभाष देसाई पर 6 लाख 97 हजार, अनिल परब पर 6 लाख 79 हजार सहित अन्य मंत्रियों के इलाज पर सरकारी तिजोरी से खर्च किया गया है।

कांग्रेस को मरने नहीं दिया जा सकता यह केवल देश के साथ ही होगी समाप्त: प्रशांत किशोर

नई दिल्ली। चुनावी रणनीतिकार प्रशांत किशोर ने कहा है कि भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस को मरने नहीं दिया जा सकता। उन्होंने कहा कि यह केवल राष्ट्र के साथ मर सकती है। कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी और पार्टी के अन्य शीर्ष नेताओं के साथ बैठक के बाद पीके ने यह बयान दिया है। 2019 के लोकसभा चुनावों में और फिर इस साल की शुरूआत में हुए विधानसभा चुनावों में कांग्रेस को झटका लगा है। कांग्रेस का लड़खड़ाता जहाज अब अपने खोए हुए गौरव को वापस पाने के लिए ठोस योजना पर निर्भर है। इसके लिए पार्टी नेतृत्व ने प्रशांत किशोर से जानकारी मांगी है। समझा जाता है कि उन्होंने कांग्रेस के पुनरुद्धार का खाका पेश कर दिया है। प्रशांत किशोर ने अपने प्रजेंटेशन में देश के राजनीतिक परिदृश्य में कांग्रेस की वर्तमान स्थिति को उसकी सांख्यिकीय ताकत और कमजोरियों पर विशेष ध्यान दिया। 2024 के लोकसभा चुनाव की तैयारी के लिए खाका बनाने की योजना है। इसमें देश की आबादी, कांग्रेस सांसदों और विधायकों की संख्या, महिलाओं, युवाओं, छोटे व्यापारियों और किसानों के प्रति पार्टी के दृष्टिकोण पर प्रकाश डाला गया। पीके ने 2024 में पहली बार वोट देने वाले 13 करोड़ मतदाताओं के महत्व पर भी ध्यान केंद्रित किया। प्रशांत किशोर ने कांग्रेस नेतृत्व को याद दिलाया कि लोकसभा और राज्यसभा में कांग्रेस के सिर्फ 90 सांसद हैं और देश में 800 विधायक हैं। उन्होंने कहा कि कांग्रेस तीन राज्यों

●....शेष भाग पेज 3 पर

जहांगीरपुरी में अतिक्रमण हटाने पर सुप्रीम रोक बरकरार, सुनवाई दो हफ्ते टली

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली के जहांगीरपुरी में अतिक्रमण हटाने पर रोक के आदेश को बरकरार रखा है। जस्टिस एल नागेश्वर राव की अध्यक्षता वाली बेंच इस मामले पर दो हफ्ते बाद सुनवाई करेगी। कोर्ट ने कहा कि सभी लोग एक दूसरे की दलीलों पर जवाब दें। फिलहाल बुधवार का अंतरिम आदेश जारी रहेगा। कोर्ट ने कहा कि हम सभी याचिकाओं पर नोटिस कर रहे हैं। कोर्ट ने कहा कि अगर हमारे आदेश के बाद भी कार्रवाई चलती रही है तो हम इसे भी गंभीरता से लेते हैं। यथास्थिति का आदेश सिर्फ दिल्ली के लिए है। सुनवाई के दौरान वकील दुष्यंत दवे ने कहा कि यह राष्ट्रीय महत्व का मसला है। पहले कभी दंगे के बाद इस तरह की कार्रवाई नहीं हुई है। एक समुदाय को निशाना बनाया जा रहा है। तब सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कहा कि इनको केस के तथ्यों पर बात करने के लिए कहिए। यह भाषण का मंच नहीं है। तब कोर्ट ने दवे से कहा कि आप केस पर बात करिए। दवे ने कहा कि कानूनन 5 से 15 दिनों का नोटिस मिलना चाहिए था। ऐसे मामलों में कई बार कोर्ट ने नोटिस की मियाद को बढ़ाया है। बीजेपी नेता ने चिट्ठी लिखी और लोगों को बिना मौका दिए कार्रवाई हो गई। दिल्ली में 1731 अनधिकृत कॉलोनी है। लगभग 50 लाख लोग रहते हैं। लेकिन एक ही कॉलोनी को निशाना बनाया जा रहा है। दवे ने कहा कि 30 साल से ज्यादा पुराने निर्माण को अचानक गिराना शुरू कर दिया। यहां जंगलराज जैसा चल रहा है। सैनिक फार्म और जहां मैं रहता हूं, उस गोल्फ लिंक्स में हर दूसरे घर में अवैध निर्माण है। निगम की वहां कार्रवाई करने की हिम्मत नहीं है जबकि जहांगीरपुरी में प्रदेश बीजेपी अध्यक्ष की चिट्ठी पर कार्रवाई हो रही है। सुनवाई के दौरान कपिल सिब्बल ने कहा कि अतिक्रमण और अवैध निर्माण पूरे देश की समस्या है लेकिन इसकी आड़ में एक समुदाय को निशाना बना रहे हैं। मध्य प्रदेश के मंत्री ने कहा कि अगर मुसलमान शांत नहीं रहेंगे, तो उनसे कोई रियायत नहीं होगी। यह समय है कि कोर्ट यह संदेश दे कि देश में कानून का शासन है। तब जस्टिस राव ने कहा कि हम देश भर में अतिक्रमण हटाने का अभियान रोकने का आदेश नहीं दे सकते हैं। सिब्बल ने कहा कि मैं बुलडोजर की बात कर रहा हूं। जिस तरह से सब हो रहा है, यह गलत है। तब कोर्ट ने कहा कि यह काम बुलडोजर से ही होता है। वैसे हम आपकी बात समझ गए। सुनवाई के दौरान दवे, पीवी सुरेंद्रनाथ, संजय हेगड़े और शमशाद ने कहा कि बुधवार को आए सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद भी अभियान चलता रहा। तब तुषार मेहता ने कहा कि इलाके में 19 जनवरी से अभियान चल रहा है। अब एक संगठन (जमीयत उलेमा ए हिंद) मामले में कूद गया है। अभी तक स्थानीय लोग हाई कोर्ट नहीं गए, क्योंकि उन्हें पता है कि कागज दिखाने पड़ेंगे। मेहता ने कहा कि खरगौन में हिंदुओं की भी 88 संपत्ति तोड़ी गई हैं। इसके नोटिस 2021 में दिए गए थे। यह एक पैटर्न बन गया है कि कोई संगठन मामले में कूदता है, फिर इसे राजनीतिक मसला बना लिया जाता है। सीपीएम नेता वृंदा करात ने दिल्ली के जहांगीरपुरी में कोर्ट के आदेश के बावजूद बुलडोजर के जरिए अतिक्रमण की कार्रवाई करते रहने पर सुप्रीम कोर्ट में अवमानना याचिका दायर की है। करात का कहना है कि अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई बिना कानूनी प्रक्रियाओं का पालन किए शुरू कर दिया गया। अतिक्रमण हटाने का नोटिस प्रभावित परिवारों को नहीं दिया गया। याचिका में कहा गया है कि अतिक्रमण हटाने के नाम पर सांप्रदायिक तनाव पैदा करने की कोशिश की जा रही है। याचिका में कहा गया है कि जहांगीरपुरी इलाके में अधिकांश गरीब लोग रहते हैं। वहां मुस्लिमों की तादाद ज्यादा है। अतिक्रमण हटाने के लिए गरीब लोगों को ही टारगेट किया गया। वृंदा करात ने याचिका में कहा है कि वो जहांगीरपुरी में 10 बजकर 45 मिनट पर पहुंची थीं। वहां अतिक्रमण की कार्रवाई पर रोक के सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बावजूद 12 बजकर 25 मिनट तक कार्रवाई की गई, जो कोर्ट के आदेश का उल्लंघन है। जहांगीरपुरी में जूस की दुकान के मालिक गणेश गुप्ता भी सुप्रीम कोर्ट पहुंचे। याचिका में कहा गया है कि उनके पास दुकान के लिए जरूरी लाइसेंस थे। दुकान पूरी तरह से वैध थी। इसके बावजूद उनकी दुकान ढहा दी गई। गणेश गुप्ता ने मांग की है

●....शेष भाग पेज 3 पर

DELHI CRIME 22 apr 2022:Layout 1 4/21/2022 6:19 AM Page 2

सम्पादकीय

विकास के नाम पर बेताब दिखते थे सिंधिया...!

म.प्र. की सियासत में माधवराव सिंधिया 90 के दशक में एक बड़े ताकतवर व लोकप्रिय सियासतदां रहे थे। उनका अक्सर अर्जुन सिंह से टकराव होता रहा था। सिंधिया ने तत्कालीन मुख्यमंत्री मोतीलाल को अपनी रेलगाड़ी का गार्ड बना रखा था 84 से 88 के दौर में पूरा मध्य प्रदेश सिंधिया के गीत गाते सुना व देखा जाता था। कभी भोपाल शताब्दी के चलने की खबरें होती थीं कभी कोई ओवरब्रज के उद्घाटन की या कभी किसी स्टेडियम के लिये कोई योजनायें सिंधिया बनाते देखे जाते थे। सिंधिया की लम्बी फौज में चन्द नौकरशाह भी थे जो उनके दरबार के दरबारी सलाहकार भी थे जिनमें शिवराज सिंह कलेक्टर ग्वालियर, आशिफ इब्राहिम व प्रशांत मेहता खास थे। शिवराज सिंह व आशिफ तो बात-बात पर ध्यान देते थे। सिंधिया के आम जनता के लिये किये गये हुकुम फौरन बचा लाते थे व ये लोग आम जनता में खूब लोकप्रिय भी थे पर प्रशांत मेहता रेल मंत्रालय में उनके साथ जन शिकायत निदेशक थे पर अपने को बड़ा सिंधिया का सलाहकार बताते फिरते थे। भिण्ड, मुरैना, श्योपुर, ग्वालियर, दतिया आदि के तमाम विधाकगण व होने वाले विधायक व बड़े नेताओं को प्रशांत मेहता के दरबार में भी हाजरी लगानी पड़ती थी। मुझे मुरैना के एक गुर्जर विधायक ने प्रशांत के तमाम किस्से बताये थे कैसे वो आम कांग्रेसी कार्यकत्ताओं का शोषण करते थे।

झलकारी पर इनाम देना चाहते - सिंधिया एक तरफ न सिर्फ लोकप्रिय सियासतदां थे वहीं उस दौर की कांग्रेस आला कमान के काफी नजदीक रहे थे। राजीव गांधी सोनिया आदि उनकी बातों को खूब तरजीह देते रहे थे। 90-91 में मैने जब सिंधिया जी से दलित वीरांगना झलकारी बाई के नाम पर पुरस्कार दिये जाने की चर्चा की तो सिंधिया काफी खुश हुए और उन्होंने तत्कालीन एच.आर.एम. मिस्ट्री के संयुक्त सचिव अशोक वाजपेयी को झलकारी बाई के पुरस्कार की नोटशीट भेजी जिस पर वाजपेयी ने मामले को ठंडे बस्ते में डाल दिया। जब मैने इस मामले में प्रशांत मेहता व बिमल जुल्का से मामले में बात की तो मेहता चुप्पी साध गये व जुल्का बोले वाजपेयी नईम कुरेशी तुमसे नाराज हैं क्या वीरांगना का राग अलापते रहते हो। सिंधिया चाहते थे दलित पिछड़ों को कांग्रेस से जोड़ना पर उनके सलाहकार अफसरान उन्हें करने नहीं देते थे। सिंधिया की फौज में जहां सिंधिया स्कूल के अग्निहोत्री व भार्गव सर आदि भी थे जो उनके वफादार भी थे व उनसे खूब प्रेम भी करते थे।

जब प्रशांत मेहता को सिंधिया ने डांटा - सिंधिया 90 के दौर में उत्तर भारत में सर्वाधिक लोकप्रिय नुमाइन्दे भारत सरकार के रहे थे। उन्होंने भा.ज.पा. के केन्द्रीय नेता व प्रधानमंत्री रहे अटल बिहारी वाजपेयी तक को 82 में ग्वालियर से चुनावों में शिकस्त देकर देशभर में तहलका मचा रखा था। उस दौर में अशोक शर्मा, प्रेमी, मेहता व महेन्द्र सिंह कालूखेड़ा, बालेन्दु शुक्ल, अशोक शर्मा, खण्डेलवाल आदि सिंधिया के आगे पीछे खूब घूमते रहे थे। सिंधिया अक्सर मुझसे भी कला संस्कृति के मामलों में खूब चर्चा करते रहे थे। मेरे सुझाव पर उन्होंने भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण के भोपाल वृत्त का उप कार्यालय ग्वालियर फोर्ट पर जरूर बनवा दिया था। वो ग्वालियर की महान नारियों रानी कुंती, दम्यंती, गन्ना बेगम आदि पर भी मेरी कहानी पर फिल्म बनवाना चाहते थे। सिंधिया के कद का नेता इस अंचल व मध्य प्रदेश व उत्तर भारत में कोई दूसरा नहीं देखा, सुना था। उन्हें विकास कार्य कराने का बड़ा भारी जुनून रहा था। वो ग्वालियर व इसके आसपास के लिये कुछ भी कर गुजरने के लिये बेताब देखे जाते थे। उनके मुंह लगे कुछ नौकरशाहों ने जरूर उनकी छवि को कुछ थोड़ा सा धुंधला किया था फिर भी वो बड़े दिल दिमाग वाले भारत के सियासतदां माने जाते हैं। वे अपने आधीन नौकरशाहों प्रशांत मेहता अरविंद जोशी व जुल्का को खूब डांटते फटकारते भी रहते थे। वीर अर्जुन अखबार में जगन्नाथ शास्त्री की नियुक्ति की खबर के मामले में भी सिंधिया ने प्रशांत मेहता को खूब डांटा भी था।

हिमाचल में अपराध-संस्कृति बढ़ने से जनमानस खौफजदा?

लेखक-नरेन्द्र भारती /ईएमएस

विश्व में देवभूमि के नाम से विख्यात हिमाचल में अपराध-संस्कृति बढ़ने से देवभूमि कुख्यात होती जा रही है। प्रतिदिनहो रहे अपराधों से जनमानस खौफजदा होता जा रहा हैं।अपराध बड़े पैमाने पर बढता ही जा रहा है,उना के अंब में 5 अप्रैल 2022 को 15 साल की बेटी प्राची की एक सिरफिरे युवक द्वारा गला रेत कर हत्या करना एक बहुत ही जघन्य व नृशंस अपराध है।अभी हिमाचली 2017 में हुए गुडिया दुष्कर्म व हत्याकांड को नहीं भूले हैं तो फिर से उना में प्राची हत्याकांड ने नई इबारत लिख दी है।ऐसे दरिदों को फांसी की सजा देनी चाहिए। प्रदेश में अपराधों की फेहरिस्त लंबी होती जा रही है।प्रदेश में कभी गुड़िया हत्याकांड,कभी युग अपहरण कांड तो कभी मंडी तेजाब कांड व कभी उना में प्राची हत्याकांड होते जा रहे है।अपराधियों को सजा ए मौत दी जाए ताकि ऐसे हत्याकांडों पर विराम ले सके।प्रदेश के हर जिले में लावारिस लाशें मिल रही है।दुष्कर्म हो रहे हैं,दहेज हत्याएं हो रही है।शहरों से लेकर गांव तक सरेआम हत्याऐं हो रही है।दरिदें दनदना रहे हैं।यह बहुत ही त्रासदी है।बेलगाम हो चुके अपराधी बेखौफ होते जा रहे हैं।अपराधी कानूनों को धता बताकर दरिदंगी कर रहे हैं।आखिर कब तक यह अपराधों की हदें लांघी जाएगी।हिमाचल एक शांत प्रदेश है मगर अपराधों के कारण अंशांत होता जा रहा है।एक समय ऐसा भी था कि यहां महानगरों की तरह अपराध नहीं होते थे पूरे देश में देवभूमि की मिसालें दी जाती थी कि हिमाचल सचमुच देवभूमि है मगर बढ़ते अपराधों के कारण दैत्यभूमि बनती जा रही है। देवभूमि में ऐसे दानव प्रवेश कर रहे है जो इस प्रदेश को अपराधों की शरणस्थली बनाने पर तुले है मगर उनके यह मकसद कभी कामयाब नहीं हो सकते। प्रतिदिन घटित हो रहे अपराधों से हिमाचल बदनाम होता जा रहा है इसकी साख पर दाग लगते जा रहे हैं।इन अपराधों के कारण बेटियों की सुरक्षा पर प्रशनचिन्ह लगता जा रहा है।उना में हुए छात्रा हत्याकांड से हर सवेदनशील हिमाचली उद्वेलित हुआ है। प्रदेश के इतिहास में यह कोई प्रथम घटना नहीं है इससे पहले ऐसी वारदातें हो चुकी हैं। अगर बीती घटनाओ से सबक सीखा होता तो आज ऐसा हादसा नहीं होता अगर पहले हुए हादसों में अपराधियों केा सख्त सजा मिली होती तो अपराधियों के मन में एक डर होता। पुलिस को ऐसे अपराधियों को सरेआम चैराहों पर सबक सीखाना चाहिए ताकि ऐसे जहरीले नागों का फन कुचला जा सके जो समाज के लिए घातक साबित हो रहे हैं।सरकार को ऐसे मामलों पर संज्ञान लेना होगा। प्रदेश में लाखों के हिसाब से प्रवासी लोग रोजी रोटी के आते रहतें है मगर इनका कोई पंजीकरण तक नहीं होता यदि समय पर इनका रिकार्ड जांच किया जाता रहे तो ऐसें हादसे रुक सकते हैं।प्रवासी लोगों की इन घटनाओं से हिमाचल के लोग खौफ के साए में जीने को मजबूर हैं। प्रवासी लोग प्रदेश की शांति को ग्रहण लगा रहे हैं। आज पता नहीं कितने लोग बिना पंजीकरण के रह रहे है इनका साया प्रदेश के प्रत्येक गांव शहर में फैलता जा रहा है।आजिविका के नाम पर यह लोग आते है मगर समय की नजाकत देखकर घिनौनी वारदातों को करते हैं। यह प्रदेश के लिए अशुभ संकेत हैं कि देवभूमि के लिए विख्यात हिमाचल प्रवासी लोगों की वजह से बदनाम हो रहा है।कुछ समय पहले मंडी जिला के सलापड़ में एक प्रवासी युवक एक लडकी को भगाकर ले गया था जिसे पुलिस ने बरामद करके परिजनों के हवाले कर दिया था प्रदेश में अपहरण की वारदातें बढने से लोग भयभीत है।आज प्रदेश में नेपाल ,बिहार ,राजस्थान, झारखंड ,जम्मू कश्मीर के लोगों का तादात ज्यादा है। शहरो व गांव में लोग इन्हे बिना जांच पडताल के किराएदार रखते है चंद पैसों के लालच मे लोग जोखिम उठा रहे है। पुलिस प्रशासन को चाहिए कि प्रत्येक प्रवासी का पंजीकरण किया जाए यदि कोई अपराधिक मामलों में संलिप्त पाया जाता है जो उसे सीधे हवालात में डाला जाए। मकान मालिकों को भी आदेश दिए जाएं कि बिना किसी पहचान पत्र के किसी को कमरा न दिया जाए पूरी छानबीन करने के बाद ही किरायेदारों को मकान दिया जाए। प्रशासन को समय समय पर ऐसे लोगों की पहचान करवानी चाहिए। आज औद्यागिक क्षेत्रों में लाखों की संख्या में प्रवासी मजदूरी कर रहे है मगर कितने लोग थानो व पुलिस चैकियों में पंजीकृत है पता नहीं है।प्रशासन को चाहिए कि ऐसी वारदातों को रोकने के लिए टीमें गठित की जाएं जो इन प्रवासी लोगों की हरकतो पर नजर रखे इनके पिछले रिकार्ड की छानबीन करनी होगी। प्रदेश में प्रवासियों के इस सैलाब को रोकना होगा। जनमानस को एकजुट होकर इन लोगों को सबक सिखना होगा। हिमाचली लोगों को इस घटना से सबक लेना होगा। सरकार को भी ऐसे अपराधिक प्रवृति के लोगों को राज्य से बाहर करना चाहिए ताकि भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृति न हो सके।ऐसे लोगों को बख्शना नहीं चाहिए जो प्रदेश में अशांति फैला रहे है। प्रशासन को चाहिए कि इस पर तुरन्त कार्रवाई की जाए ताकि ऐसी वारदातों की पुनरावृति न हो सके।अपराधों का यह संक्रमण पूरे प्रदेश में फैलता जा रहा है जिला चंबा के तीसा में भी एक विवाहिता का अपहरण के बाद गैगरेप से भी देवभूमि के माथे पर एक दाग चंस्पा हो गया है हालांकि महिला को बरामद करके परिजनो के हवाले कर दिया है मगर यह कोई समाधान नहीं है जब तक अपराधी को चैराहे पर सजा नहीं मिलेगी ऐसे हादसे रुकने के बजाए निरंतर बढ़ते ही जाएगें।हिमाचल में सिरफिरों द्वारा समय - समय पर ऐसें अपराधों को अंजाम देते रहते हैं बीते कुछ साल पहले मंडी में भी एक सिरफिरे ने चलती बस में लडकी पर तेजाब फैंक कर बुरी तरह ये घायल कर दिया था इस हादसे में उस लड़की की दोनों आखों की रोशनी चली गई थी।यह घटना हैवानियत व दरिदंगी की इंतहा नहीं तो और क्या है ऐसे हैवानों को सरेआम सजा देनी चाहिए।वर्तमान में समाज विकृतियों के दलदल में धंसता जा रहा है बहू-बेटियां न केवल बियावानों और चैराहों पर असुरक्षित है अपितू घर में भी असुरक्षित महसूस कर रही है।प्रदेश में बढते इन अपराधों से कानून व्यवस्था का जनाजा निकल गया है कि अपराधीयों के मन से कानून का जरा भी डर नहीं है और सरेराह बेंटियो से दुष्कर्म कर रहे है चाकू मार कर मौत के घाट उतार रहे है।

एक समय था कि हिमाचल में ऐसी घटनाओं की कल्पना भी नहीं की जा सकती थी मगर अब हर रोज ऐसें समाचार समाचारपत्रों की सुर्खियां बन रही है ।,पुलिस को भी ऐसे मामलों में संलिप्त अपराधियों पर शिकंजा कसना चाहिए।प्रदेश में बढ़ते अपराधों के इस सैलाब को रोकना हर हिमाचली का नैतिक कर्तव्य है हर हिमाचली को समाज में पनप रहे असामाजिक तत्वो को नेस्तनाबूद करना होगा जो प्रदेश की शांति को अशात कर रहे हैं प्रदेश सरकार व प्रशासन हर बार अपराधों को रोकने के लिए योजनाएं बनाई जाती है मगर नतीजा शून्य ही निकल रहा है । अपराधों के बाद अपराधी जमानतों पर छूट जातें है जबकि ऐसे अपराधियों को आजीवन कारावास देना चाहिए ताकि जेलों में अपने कर्मों का पश्चाताप करके घूट-घूट कर मर सके और मौत की भीख मांगे तभी इन अपराधों पर पूरी तरह अंकुश लगाया जा सकता है।प्रशासन को चाहिए इस प्रकार की दर्दनाक वारदातो को रोकने के लिए कारगर कदम उठाए ताकि फिर किसी सिरफिरें की बजह से किसी की बेटी की हत्या न हो सके। दरिदें हर जगह दरिंदगी की शरणस्थली बना रहे । कुछ बीमार मानसिकता के लोगो ने हिमाचल की छवि को दागदार किया है, जनमानस को अब संकल्प लेना होगा तथा एकजुट होकर ऐसे लोगों का खात्मा करना होगा जो प्रदेश के लिए कंलक हैं। त्वरित कारवाई करके दरिदों का सर्वनाश करना चाहिए। ताकि आने वाले समय में ऐसे अमानवीय कृत्यो पर लगाम लग सके ।यदि अब भी कानूनों में सख्ती न बरती तो ऐसे दरिदें फिर से इन घिनौनी वारदातों को अंजाम देते रहेगें ।इसलिए अब ऐसे लोगों को समाज से बहिष्कृत करना चाहिए। प्रदेश सरकार को चाहिए कि सार्वजनिक स्थलों पर हर समय सुरक्षा व्यवस्था कायम की जाए। सादी वर्दी में महिला पुलिस तैनात करनी चाहिए। सरकार को बिना समय गंवाए इन दरिदों का खात्मा करना चाहिए। ऐसे दरिदें प्रदेश के लिए घातक है ऐसे दरिदें न जाने कैसे वातावरण में रहते होगें ।ऐसे लोगो को समाज की कोई फिक्र नहीं होती कि उनके कृत्यों से पूरा समाज द्रवित होता है।समाज में ऐसे लोग बहुत ही घातक सिद्व हो रहे है ।ऐसी घटनाओं पर रोक के लिए सामूहिक रूप से प्रयास करने होगे।अब समाज को जागना होगा ,दरिदों का खात्मा करना होगा ।कानून के रखवालो को भी समाज में घटित इन हादसों पर गहराई से चितंन करना चाहिए ताकि भविष्य में ऐसे प्रकरणों पर विराम लग सके । ऐसे लोगो को समाज से बहिष्कृत करना चाहिए। अगर यह प्रवृति बढ गई तो हालात बेकाबू हो जाएगें । पुलिस को भी अपने कर्तव्य का निर्वाह करना होगा ताकि पुलिस की छवि बरकरार रहे और समाज में ऐसे हादसे रूक सके।अपराध के बढ़ते हालातों को देखते हुए सरकार को प्राथमिक स्कूलों से लेकर कालेज स्तर तक की लड़कियों को आत्म रक्षा के गुर सिखाने होगें ताकि दरिदों को सबक मिल सके। कुछ महिलाओं ने ऐसे लोगों के खिलाफ साहस का परिचय देकर मिसाले कायम की है ऐसे लोगों को चोराहो पर सरेआम पीटना चाहिए ताकि अन्य लोगों को ऐसा दुस्साहस करने की हिम्मत न पड़े।प्रदेश के नागरिको को महिला के प्रति होने वाले अपराधों को रोकने के लिए एकजुट होना होगा। दहेज हत्या व हिसां के मामलों को रोकना होगा दहेज के लालचीयों को हवालात भिजवाना होगा।सरकारों को चाहिए की महिलाओं को उनके अधिकारों के प्रति जागरुक करने के लिए हर गांव से लेकर शहर तक जागरुकता शिविर लगाने चाहिए।

आज का कार्टून।

हिंसा की जगह नहीं

लेखक-सिद्धार्थ शंकर /ईएमएस

जहांगीरपुरी में बुधवार को दिल्ली नगर निगम ने अवैध निर्माण गिराने की कार्रवाई शुरू की। एक घंटे के भीतर ही सुप्रीम कोर्ट ने इस ऑपरेशन पर रोक लगा दी। सुप्रीम कोर्ट उस याचिका पर सुनवाई के लिए तैयार हो गया है, जिसमें दंगे के आरोपियों के घर गिराने का विरोध किया गया है। यह कार्रवाई तब शुरू की गई, जब हनुमान जन्मोत्सव पर जहांगीरपुरी में शोभायात्रा के दौरान हिंसा भड़क गई थी। अब तक की कार्रवाई में कई ऐसे तत्व सामने आए, जो समाज के लिए खतरा है। ये लोग न हिंदू हैं न मुस्लिम। ये समाज के दुश्मन हैं। इन लोगों पर कार्रवाई के लिए बुलडोजर चलाया गया। आमतौर पर यही माना जाता है कि पर्व-त्योहार या धार्मिक कार्यक्रमों के आयोजन समाज में सौहार्द की भावना को मजबूत करने के मौके होते हैं। ऐसे आयोजनों में शामिल लोग आपसी कड़वाहटों को भी भूल कर इंसानियत के रिश्तों को आगे बढ़ाते हैं। यों भी हर धर्म का मूल तत्व मानवीय मूल्यों का प्रसार करना है और यह सुनिश्चित करना हर धार्मिक आस्था से जुड़े व्यक्ति की जिम्मेदारी भी है। लेकिन पिछले कुछ समय से धर्म और आस्था से जुड़े कार्यक्रमों की प्रकृति में जिस तरह के बदलाव देखे जा रहे हैं, वे बेहद चिंताजनक और दुखद हैं। हालत यह है कि देश की राजधानी होने के बावजूद दिल्ली भी ऐसे विवादों और हिंसा से मुक्त नहीं रह पा रही है। इस साल रामनवमी के बाद हनुमान जयंती पर निकाली गई शोभायात्रा के दौरान जैसे दृश्य में देखने में आए और उसके बाद जिस तरह की हिंसक घटनाएं हुईं, उनसे जाहिर है कि सद्भाव के मौके अब अलग-अलग धार्मिक समूहों के बीच तनाव और टकराव तक में बदल रहे हैं। सवाल है कि दुनिया में किस धर्म के मूल्य इंसानियत के विरुद्ध प्रतिद्वंद्विता और हिंसा का पाठ पढ़ाते हैं? गौरतलब है कि दिल्ली के जहांगीरपुरी इलाके में शनिवार को निकाले गए रामनवमी के जुलूस में दो समुदायों के बीच हिंसक टकराव हो गया। पुलिस ने हस्तक्षेप करके हालात को संभालने की कोशिश की। लेकिन इस बीच सामने आई घटनाओं ने किसी भी संवेदनशील और जिम्मेदार नागरिक को यह सोचने के लिए मजबूर किया कि आस्था और पर्व के आयोजन में नाहक प्रतिद्वंद्विता के लिए कितनी जगह होनी चाहिए और अगर ऐसा होता है तो अन्य पक्षों को ऐसे कितने संयम और समझदारी से काम लेना चाहिए! विडंबना यह है कि जहांगीरपुरी में जो हुआ, उसमें अमूमन सभी पक्षों ने गैरजिम्मेदारी, लापरवाही और उतावलेपन का प्रदर्शन किया। नतीजतन, जुलूस पर पथराव और फिर हिंसा की घटनाओं ने आस्था प्रदर्शन के एक मौके को दुखद स्वरूप दे दिया। सवाल है कि हनुमान जयंती पर निकाले गए जुलूस के आयोजकों को यह ध्यान रखने की जरूरत क्यों नहीं महसूस हुई कि अगर यात्रा में शामिल लोग हथियार प्रदर्शन या किसी स्तर पर कानून की कसौटियों का उल्लंघन कर रहे हैं और उससे उकसावे या उत्तेजना जैसी स्थिति बन रही है तो उसे संभाला जाए! फिर दूसरे पक्ष को अगर जुलूस की कोई गतिविधि आपत्तिजनक लगी, तो उस पर खुद कोई अराजक प्रतिक्रिया करने के बजाय उन्होंने पुलिस की मदद लेने की जरूरत क्यों नहीं समझी! इसके अलावा शोभायात्रा में शामिल लोगों की गतिविधियां आदि देखने के बावजूद पुलिस ने उचित कदम क्यों नहीं उठाए? अब पुलिस की ओर से कहा गया कि उस जुलूस के लिए कोई अनुमति नहीं ली गई थी। हैरानी की बात है कि किसी छोटी घटना पर भी तत्काल प्रतिक्रिया कर हालात संभालने की क्षमता रखने का दावा करने वाली पुलिस की इजाजत के बिना सरेआम ऐसी शोभायात्रा का आयोजन कैसे संभव हो गया? अगर ऐसा था तो पुलिस ने हिंसक माहौल पैदा होने के पहले उसे रोकने की कोशिश क्यों नहीं की? जब देश में सबसे सुरक्षित माने जाने वाले इलाके के रूप में राजधानी दिल्ली में अराजकता और हिंसा का माहौल बनाने में कुछ लोगों को कामयाबी मिल जाती है तो इसे कैसे देखा जाना चाहिए?

मृत्यु का अर्थ

मृत्यु एक शात सत्य है। यह अनुभूति प्रत्यक्ष प्रमाणित है, फिर भी इसके संबंध में कोई दर्शन नहीं है। अब तक जितने ऋषि-महर्षि या संत-महंत हुए हैं, उन्होंने जीवन दर्शन की चर्चा की है। जीवन के बारे में ऐसी अनेक दृष्टियां उपलब्ध हैं जिनसे जीवन को सही रूप में समझा जा सकता है और जिया जा सकता है। किंतु मृत्युक को एक अवश्यंभावी घटना मात्र मानकर उपेक्षित कर दिया गया। मृत्यु के पीछ भी कोई दर्शन है, इस रहस्य को अधिक लोग पकड़ ही नहीं पाए। यही कारण है कि जीवन दर्शन की भांति मृत्यु दर्शन जीवन में उपयोगी नहीं बन सका। जैन दर्शन एक ऐसा दर्शन है जिसने जीवन को जितना महत्व दिया, उतना ही महत्व मृत्यु को दिया। बशत्रे कि वह कलात्मक हो। कलात्मक जीवन जीने वाला व्यक्ति जीवन की सब विसंगतियों के मध्य जीता हुआ भी उसका सार तत्व खींच लेता है। इसी प्रकार मृत्यु की कला समझने वाला व्यक्ति भी मृत्यु से भयभीत न होकर उसे चुनौती देता है। जैन दर्शन में इसका सवार्गीण विवेचन उपलब्ध है।

मृत्यु का अर्थ है- आयुष्य प्राण चुक जाने पर जीव का स्थूल शरीर से वियोग इसके कई प्रकार हैं। उन सबका संक्षिप्त वर्गीकरण किया जाए तो मृत्यु के दो प्रकार होते हैं- बाल मरण और पंडित मरण. असंयम और असमाधिमय मरण बाल मरण है।अकाल मृत्यु, आत्महत्या, अज्ञान मरण आदि सभी प्रकार के मरण बाल मरण में अंतर्निहित हैं। संयम और समाधिमय मृत्यु पंडित मरण है। जीवन के अंतिम क्षणों में भी संयम और समाधि का स्पर्श हो जाए तो वह मरण पंडित मरण की गणना में आ जाता है। कुछ व्यक्ति मौत के नाम से ही घबराते हैं। वे जीवन को महत्व देते हैं। अपना-अपना चिंतन है। मुझे इस संबंध में अपने विचार देने हों तो मैं मृत्यु को वरीयता दूंगा। क्योंकि जीवन की सार्थकता भी मृत्यु पर ही निर्भर करती है। किसी व्यक्ति ने तपस्या की है और जागरुकता के साथ धर्म की आराधना की है, तो उसका फल समाधिमय मृत्यु ही है।

प्रसंगतः

अपना पता

एक बार रामकृष्ण परमहंस के पास एक श्रीमंत आकर बोले, सुना है आपके पास मां आती हैं, आप उनसे बातें भी करते हैं। रामकृष्ण बोले, हां... आती हैं .. जिस तरह से तुम मेरे साथ बातें कर रहे हो, उसी प्रकार मैं उनके साथ भी बातें करता हूं। मां कब आती हैं? श्रीमंत ने पूछा। उनका आगमन तय नहीं होता, जब उनकी इच्छा होती है तब आ जाती हैं, रामकृष्ण सहज भाव से बोले। श्रीमंत बोला, स्वामी जी मेरा एक काम करना, इस बार जब मां आएं तो कहना कि मेरे पास भी पधारें। आप तो जानते ही हैं कि मैं बहुत व्यस्त रहता हूं, इसलिए यहां बैठ कर प्रतीक्षा नहीं कर सकूंगा। रामकृष्ण बोले, ठीक है, अगली बार मां जब भी मुझे मिलेंगी तो अवश्य कहूंगा, मगर वह तुम्हें मिलने के लिए कहां आएंगी? उस श्रीमंत ने रामकृष्ण को अपना विजिटिंग कार्ड बढ़ाया। रामकृष्ण बोले, नहीं, नहीं, मुझे तुम्हारी कोठी का नहीं, तुम्हारा एड्रेस चाहिए, बस वह दे दो। श्रीमंत उलझन में फंस गया, बोला, 'मेरा पता' का मतलब? हां, तुम्हारा पता, तुम कौन हो? मां को तो तुम्हारा पता देना पड़ेगा, तभी तो वह जा पाएंगी। रामकृष्ण ने विजिटिंग कार्ड वापस लौटा दिया और कहा, ये एड्रेस तो आपकी कोठी, ऑफिस और फैक्ट्री के हैं।

मां वहां थोड़े ही जाएंगी। वे तो तुम्हारे पास जाएंगी, इसलिए अपना पता बताओ। श्रीमंत को फिर भी समझ में नहीं आया, मेरा पता का मतलब? तब रामकृष्ण ने समझाया, तुम्हारे पते का मतलब है, तुम्हारे देह के भीतर जो आत्मा बैठी है, उसका पता। जिस दिन तुमको उसका पता मिल जाएगा, उस दिन मां बिना बुलाए तुम्हारे पास आ जाएंगी। अचानक श्रीमंत को सब कुछ समझ में आ गया। वह रामकृष्ण के चरणों पर गिर कर रोने लगा, उसका सारा अहंकार पिघल गया। उस दिन से वह अपना सही ठिकाना ढूंढने के लिए एक साधक की तरह जीवन बिताने लगा।

मानवता के हित में धरा को बचाना जरूरी!

लेखक - डॉ. भरत मिश्र प्राची / ईएमएस)

आज हमारी धरा दिन पर दिन हमारी लापरवाही, ढीठपन, हठधर्मिता एवं मनमानी हरकतों का शिकार होकर संकट में घिरी जा रही है। कब इस धरा पर हमारी इन आदतों के चलते महाप्रलय आ जाय एपं संपूर्ण धरा अस्तित्वविहीन हो जाय कुछ कहा नहीं जा सकता। पृथ्वी दिवस के अवसर पर आज सभी के लिये यह विचारणीय है , आने वाले संकठ से अपनी धरा को कैसे बचाया जाय। जब कि हम सभी जानते है कि यदि धरा सुरक्षित है तो हम सभी सुरक्षित है। आज संकट के बीच चारों ओर घिरी धरा पर विनाश की प्रक्रिया शुरू हो गई है। इस विनाश के क्रम में कोरोना काल को देखा जा सकता है जहां इसके दूसरे चरण में आक्सीजन की कमी से अनगिनत मौत हो गई। जहां अपने जन को अंतिम संस्कार के लिये अपनों के हीं कंधे दुर्लभ रहे। ओजोन की समस्या तापमान बढ़ने का कारण बनती जा रही है जहां आने वाले समय में बढ़ती गर्मी से आने वाली महामारी को किसी भी कीमत पर रोका नहीं जा सकता। रूस यूक्रेन युद्ध सामने है, जहां युद्ध थमने का नाम नहीं ले रहा। यह युद्ध कब विश्व युद्ध का रूप धारण कर ले कुछ कहा नहीं जा सकता। आज लम्बें समय से जारी युद्ध में उपयोग में आने वाले आधुनिक आयुध से धरा का वातावरण प्रदूषित होता जा रहा और इस गंभीर स्थिति के प्रति हर दिशा में लापरवाही बरती जा रही है। इस लापरवाही का भुगतान सभी को गंभीर परिणाम के रूप में चुकाना होगा। युद्ध से प्रदूषित वायुमंडल से आक्सीजन की कमी, तेज गर्मी, अतिवृष्टि के बीच उभरी कोरोन से भी खतरनाक बीमारी महाप्रलय का रूप धारण कर सकती है। इस तरह की विकट स्थिति से विश्व का को भी संसाधन बचा नहीं पायेगा। हम पहले से ही जंगल , पेड़ पौधे उजाड़कर नये नये नगर बसा लिये है जहां आक्सीजन की कमी पहले से ही कम हो गई है। नदियों के किनारे बसे महानगर से जल पहले ही प्रदूषित हो गया है। पशुधन की कमी एवं उसके प्रति लापरवाही पशु से मिलने वाले शुद्ध आहार में पहले से ही कमी कर रखी है, उपर से धरा के साथ बरती जा रही लापरवाही एवं मनमानी संपूर्ण मानवता के लिये घोर संकट का कारण बनती जा रही है।

जीवन में पर्यावरण का विशेष महत्व है। यह शरीर भी जिन पांच तत्व हवा, पानी, मिट्टी, अग्नि और आकाश से बना हुआ है, ये पांच तत्व भी पर्यावरण के प्रमुख भाग है। जब से पर्यावरण के इन पांच तत्वों में प्रदूषण के चलते गिरावट आने लगी, शरीर की बनावट प्रक्रिया से लेकर जीवन्त प्रक्रिया तक का समय घोर संकट के बीच समा गया। अनेक मानव विकृतियां पैदा होने लगी। मनुष्य अनेक महामारी एवं प्राकृतिक प्रकोप के बीच घिर गया। जीवन धारा बदल गई। अर्थ दवा में समा गया। अल्प आयु का पलड़ा भारी हो गया। कौन कब काल का ग्रास बन जाय कह पाना अब मुश्किल है। इसका साक्षात दृश्य वर्तमान में कोरोना के रूप में उभर कर सामने आया है जहां प्रदूषित पर्यावरण के चलते कमजोर इम्यूनिटी वाला व्यक्ति विश्व स्तर पर सर्वाधिक रूप से शिकार हुआ है। हवा में आक्सीजन की कमी के चलते कितनी जान असमय ही चली गई। प्रदूषित पर्यावरण के चलते हर आदमी शक्ति क्षीण तो हुआ ही बाढ़, भूकम्प, अकाल, वर्फ एवं चट्टान विघटन जैसे प्राकृतिक प्रकोप के साथ - साथ भयंकर संक्रामक महामारी का शिकार हुआ एवं असमय काल के गाल में चला गया। समय रहते यदि हम नहीं चेते एवं वातावरण को प्रदूषित करने वाले युद्ध, प्रदूषण को बढ़ावा देते रहे, वह समय दूर नहीं जहां फिर से गंभीर संकट का शिकार न हो जाय। हमारी गलतियों ने हमारे मुंह को इस तरह जॉब दिये, शुद्ध सांस लेना मुश्किल हो रहा है। आज कई देश भूखमरी, पलायन का शिकार हो रहे है। इस तरह की उभरी परिस्थितियों से सभी को सबक लेना चाहिए। धरा को बचाने का हर संभव प्रयास किया जाना चाहिए, मानवता के हित में धरा को बचाना आज बहुत जरूरी है।

DELHI CRIME 22 apr 2022:Layout 1 4/21/2022 6:19 AM Page 3

खिलाड़ियों के लिए प्रदेश में पहली बार 540 करोड़ रुपये के बजट का प्रावधान : संदीप सिंह

खेल मंत्री ने प्रथम हरियाणा स्टेट सब जूनियर बॉक्सिंग चैंपियनशिप प्रतियोगिता का करवाया शुभारंभ

बॉक्सिंग रिंग में खिलाडियों से परिचय प्राप्त करते हुए दिलाई खेल की शपथ

फतेहाबाद, (हि.स.)। हरियाणा खेल एवं युवा मामले के राज्य मंत्री संदीप सिंह ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी तैयार करने के लिए प्रदेश के इतिहास में पहली बार 540 करोड़ रुपये के बजट का प्रावधान किया गया है। इस बजट से प्रदेश में खेलों का इंफ्रास्ट्रक्चर मजबूत करने के साथ-साथ ग्रामीण अंचल में छिपी खेल प्रतिभाओं को निखारने के लिए सुविधाएं उपलब्ध करवाई जाएंगी। खेल मंत्री गुरुवार को स्थानीय अनाज मंडी में प्रथम हरियाणा स्टेट सब जूनियर ब्वॉयज व गर्ल्स बॉक्सिंग चैम्पियनशिप में बतौर मुख्यातिथि कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। प्रतियोगिता के शुरू होने से पहले उन्होंने खिलाडियों को खेल की शपथ भी दिलवाई। खेल मंत्री संदीप सिंह ने विभिन्न आयु वर्ग के खिलाडियों से परिचय प्राप्त किया और बॉक्सिंग प्रतियोगिता का शुभारंभ करवाया। इस अवसर पर खेलमंत्री ने फतेहाबाद के भोडियाखेड़ा खेल स्टेडियम में बॉक्सिंग रिंग बनाने की भी घोषणा की। इस मौके पर हरियाणा बॉक्सिंग एसोसिएशन के प्रधान मेजर सतपाल संधू, अर्जुन अवार्डी जयभगवान ने खेल मंत्री का स्वागत किया और फतेहाबाद में करवाई जा रही बॉक्सिंग प्रतियोगिता के बारे में जानकारी देते हुए बताया कि यह प्रतियोगिता 25 अप्रैल तक करवाई जाएगी। इस प्रतियोगिता में प्रदेश भर के सभी जिलों से 500 से अधिक खिलाड़ी भाग ले रहे हैं। खिलाडियों को संबोधित करते हुए हरियाणा के खेल एवं युवा मामले राज्य मंत्री सरदार संदीप सिंह ने कहा कि खेल-खिलाडियों के लिए 540 करोड़ रुपये के बजट का प्रावधान किया गया है। इस मौके पर पत्रकारों से रूबरू होते हुए खेल मंत्री संदीप सिंह ने बताया कि देश के सभी राज्यों में से हरियाणा प्रदेश में खिलाडियों के लिए सबसे ज्यादा बजट दिए जाने का प्रावधान किया है। बजट में कई गुणा बढ़ोतरी करके खिलाडियों के लिए 540 करोड़ रुपये का प्रबंध किया गया है। खेल मंत्री ने कहा कि सरकार द्वारा खेल स्टेडियमों के रखरखाव, प्रबंधन और विकास के लिए प्रतिष्ठित खिलाडियों की एक समिति गठित की जा रही है। इस समिति की सिफारिश पर ही खेलों को बढ़ावा दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि इस साल होने वाले एशियाई और राष्ट्रमंडल खेलों के पात्र खिलाडियों को भाग लेने के लिए दी जाने वाली पुरस्कार राशि का एक तिहाई हिस्सा पहले ही जारी किया जाएगा, ताकि खिलाड़ी अपनी तैयारी अच्छे तरीके से कर सकें। खेल मंत्री संदीप सिंह ने कहा कि प्रदेशभर में 500 सरकारी और 600 निजी संस्थानों में खोली जाएंगी। इस मौके पर हरियाणा बॉक्सिंग एसोसिएशन के प्रधान मेजर सतपाल संधू, भाजपा नैत्री राखी मक्कड़, अर्जुन अवार्डी जयभगवान, नरेश सरदाना, महेंद्र सिंह वधवा, रविंद्र, शशि, रणवीर सिंह, अनूप सिंह, एसएचओ ओपी चुघ, सतपाल, जिला खेल अधिकारी सतविंद्र गिल, नेहा मित्तल सहित बड़ी संख्या में प्रदेशभर के जिलों से खिलाड़ी मौजूद रहे।

पेज 1 का शेष भाग

मेवानी की गिरफ्तारी पर राहुल गांधी ने ...

कार्यकर्ता हर दमन के खिलाफ आवाज बुलंद करेगा। उल्लेखनीय है कि असम पुलिस ने ट्वीट के सिलसिले में गुजरात के विधायक मेवानी को राज्य के पालनपुर शहर से बुधवार देर रात गिरफ्तार किया। अधिकारियों ने बृहस्पतिवार को इसकी जानकारी दी। उन्होंने बताया कि मेवानी को बृहस्पतिवार तड़के हवाई मार्ग से असम ले जाया गया। मेवानी के सहयोगी सुरेश जाट ने बताया कि गुजरात के प्रमुख दलित नेता मेवानी को भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) की धारा-153ए के तहत प्राथमिकी दर्ज होने के तुरंत बाद गिरफ्तार किया गया। यह प्राथमिकी असम के कोकराझार थाने में दर्ज कराई गई थी।

किसी अजनबी को वाईफाई हॉटस्पॉट देने ...

समिति को नैदानिक जानकारी, पोस्टमार्टम रिपोर्ट या कोई अन्य दस्तावेज नहीं मिल सका। पुलिस ने एक ट्वीट में कहा, "सभी इंटरनेट यूजर्स से अनुरोध है कि वे अजनबियों, अराजक तत्वों, अपराधियों को वाईफाई या हॉटस्पॉट प्रदान न करें। हॉटस्पॉट या वाईफाई को मजबूत पासवर्ड के साथ रखें। यदि इस तरह के वाईफाई या हॉटस्पॉट का इस्तेमाल अपराधियों, आतंकवादी और उनके सहयोगी द्वारा किया जाता है, तो इंटरनेट प्रदान करने वालों पर कानूनी कार्रवाई की जाएगी। लगभग हर स्मार्टफोन में हॉटस्पॉट वाईफाई की सुविधा होती है। इससे एक मोबाइल एक साथ कई अन्य मोबाइल लैपटॉप आदि के लिए इंटरनेट की सुविधा उपलब्ध करा सकता है। ऐसे में पुलिस ने आपके हॉटस्पॉट के गलत इस्तेमाल को लेकर आगाह किया है क्योंकि आतंकी और उनके सहयोगी इस तरह से इंटरनेट का इस्तेमाल कर आपको मुसीबत में फंसा सकते हैं। इससे पहले सोमवार को दक्षिण कश्मीर के पुलवामा जिले के काकापोरा इलाके में आतंकवादी हमले में रेलवे सुरक्षा बल के एक जवान की मौत हो गई और एक अन्य घायल हो गया। पिछले कुछ दिनों में आतंकी हमले की कई घटनाएं सामने आ चुकी हैं। मुठभेड़ में कई आतंकी भी ढेर किए जा चुके हैं।

कांग्रेस को मरने नहीं दिया जा सकता यह केवल ...

में सत्ता में है, जबकि वह तीन और राज्यों में गठबंधन सरकारों का हिस्सा है। यह 13 राज्यों में मुख्य विपक्षी दल है। उन्होंने कांग्रेस को बताया कि 1984 के बाद से उसका वोट प्रतिशत घट रहा है। ऐसे में ठोस रणनीति की जरूरत है। कांग्रेस के रणनीतिकारों का कहना है कि संगठन में बदलाव प्रशांत किशोर की चुनावी रणनीति को ध्यान में रखते हुए किए जाएंगे। पार्टी सीडब्लूसी की बैठक भी बुलाने की तैयारी कर रही है, ताकि प्रशांत किशोर की रणनीति पर चर्चा की जा सके। इस बीच, राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने चुनाव रणनीतिकार के तौर पर प्रशांत किशोर की तारीफ की है। प्रशांत को देश का ब्रांड बताते हुए गहलोत ने कहा कि उनका अनुभव विपक्ष को एकजुट करने में काम आ सकता है।

जहांगीरपुरी में अतिक्रमण हटाने पर सुप्रीम रोक ...

कि उन्हें इस नुकसान की एवज में नगर निगम से उचित मुआवजा मिले। उल्लेखनीय है कि 20 अप्रैल को सुप्रीम कोर्ट ने जहांगीरपुरी में अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई पर रोक लगा दिया था। चीफ जस्टिस एनवी रमना की अध्यक्षता वाली बेंच ने ये आदेश दिया था। 20 अप्रैल को वरिष्ठ वकील दुष्यंत दवे ने चीफ जस्टिस की अध्यक्षता वाली बेंच के समक्ष इस मामले को मेंशन करते हुए अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई पर रोक लगाने की मांग की थी। उन्होंने कहा था कि जहांगीरपुरी में अतिक्रमण हटाने की प्रक्रिया असंवैधानिक है। उन्होंने कहा था कि अतिक्रमण हटाने की प्रक्रिया दो बजे दिन में शुरू होने वाली थी लेकिन ये सुबह नौ बजे ही शुरू हो गई। उन्होंने कहा था कि इसके लिए औपचारिक याचिका दायर कर दी गई है। उसके बाद कोर्ट ने अतिक्रमण की कार्रवाई पर रोक लगाने और याचिका पर 21 अप्रैल को सुनवाई करने का आदेश दिया था। उल्लेखनीय है कि 16 अप्रैल को जहांगीरपुरी में शोभायात्रा के दौरान हिंसा हुई थी। इस मामले में अब तक 20 से अधिक गिरफ्तारियां हो चुकी हैं। उधर, नगर निगम ने अवैध निर्माण पर बुलडोजर चलाकर अतिक्रमण की कार्रवाई का आदेश जारी किया था।

समझौता लागू न करने पर आंगनबाड़ी वर्कर्स ने फिर दी आंदोलन की चेतावनी

-बर्खास्त आंगनबाड़ी वर्कर्स एवं हेल्पर्स को बहाल करते हुए तुरंत ड्यूटी ज्वाइन करवाई जाए: सुनीता

फतेहाबाद, (हि.स.)। आंगनबाड़ी वर्कर्स एवं हेल्पर्स यूनियन संबंधित सीआईटीयू एवं सहयोग सर्व कर्मचारी संघ हरियाणा जिला फतेहाबाद कमेटी की बैठक जिला प्रधान सुनीता रानी एवं माया पुनिया की संयुक्त अध्यक्षता में संपन्न हुई। बैठक में जिलाभर से आई सेंकड़ों आंगनबाड़ी वर्कर्स एवं हेल्पर्स ने भाग लिया। सभा का संचालन सीटू नेता बेगराज ने किया। बैठक को संबोधित करते हुए सुनीता रानी, माया पूनिया व बेगराज ने सरकार से मांग की कि विभाग द्वारा 12 मार्च व 4 अप्रैल को हुई समझौता वार्ता के अनुसार बर्खास्त वर्कर्स एवं हेल्पर्स ने आंगनबाड़ी केंद्र खोलकर अपना कार्य शुरू कर दिया है। समझौते के अनुसार अभी तक हरियाणा सरकार ने बर्खास्त वर्करों को ज्वाइन नहीं करवाया है और ना ही 4 माह का वेतन उनके खातों में डाला गया है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री द्वारा की गई घोषणा और मुख्यमंत्री द्वारा किए गए वायदे को पूरा नहीं किया गया है।

समझौता वार्ता के 15 दिन गुजर जाने के बाद भी लागू न करना हरियाणा सरकार की हठधर्मिता दिखाता है। उन्होंने कहा कि अगर जल्द ही समझौते को लागू नहीं किया गया और बर्खास्त वर्करों की ड्यूटी ज्वाइन नहीं करवाई गई तो दोबारा आंदोलन का बिगुल बजा दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि 1 मई को जिला भर्ती आंगनबाड़ी वर्कर्स एवं हेल्पर्स शहर में मार्च करेंगी और ब्लॉक व जिलास्तर पर सम्मेलन करते हुए देखे आंदोलन की तैयारी की जाएगी, जिसकी पूर्ण रूप से जिम्मेवारी हरियाणा सरकार की होगी। आज की बैठक में दमयंती फतेहाबाद, पम्मी रतिया, अनीता जाखल, सुलोचना टोहाना समेत जिला भर से सैकड़ों वर्करों ने भाग लिया।

अशोक खेमका के खिलाफ एफआईआर की सिफारिश

-वेयरहाउसिंग एमडी रहते हुए गलत नियुक्तियां करने का आरोप

-मौजूदा एमडी ने चार्जशीट के लिए मुख्य सचिव को लिखा पत्र

चंडीगढ़, (हि.स.)। हरियाणा की सभी सरकारों में भ्रष्टाचार के खिलाफ आवाज उठाने वाले आईएएस अशोक खेमका खुद ही भ्रष्टाचार के आरोपों में घिर गए हैं। खेमका के खिलाफ पद का दुरुपयोग करते हुए पैसे लेकर नियुक्तियां करने का आरोप है। यह पहला मौका है जब अशोक खेमका इस तरह से विवादों में घिरे हैं। इससे पहले खेमका खुद कई सरकारों और अधिकारियों को कटघरे में खड़ा कर चुके हैं। हरियाणा वेयर हाउसिंग कारपोरेशन के एमडी और करनाल के मंडलायुक्त संजीव वर्मा ने यह कार्रवाई की है। अशोक खेमका की छवि भ्रष्टाचार का विरोध करने वाले अधिकारी की है, लेकिन संजीव वर्मा की इस कार्रवाई से उनकी छवि पर सवाल खड़े हो गए हैं। संजीव वर्मा ने उन दोनों अधिकारियों को भी निलंबित करने की सिफारिश कर दी है, जिन्हें अशोक खेमका ने भर्ती किया था। अशोक खेमका के खिलाफ भ्रष्टाचार के आरोपों में पंचकूला के सेक्टर पांच थाने में एफआईआर दर्ज करने की सिफारिश की गई है। खेमका पर आरोप है कि वर्ष 2010 में हरियाणा वेयर हाउसिंग कारपोरेशन के एमडी पद पर रहते हुए प्रथम श्रेणी के दो अधिकारियों की गलत ढंग से पैसे लेकर नियुक्तियां की गईं। यह दोनों अधिकारी मैनेजर रैंक के हैं। संजीव वर्मा द्वारा एफआईआर की सिफारिश किए जाने के बाद पंचकूला पुलिस असमंजस में है। संजीव ने इस पूरी कार्रवाई की रिपोर्ट मुख्य संजीव कौशल और कृषि विभाग की अतिरिक्त मुख्य सचिव सुमिता मिश्रा को भेजकर अशोक खेमका के खिलाफ चार्जशीट करने की सिफारिश भी की है। अशोक खेमका के विरुद्ध संजीव वर्मा की इस कार्रवाई से अफसरशाही में हड़कंप मचा हुआ है।

1700 कि.मी. की पदयात्रा पर निकली वास्तुकार गीता बालकृष्णन का स्वागत

फरीदाबाद, (हि.स.)। कोलकाता से दिल्ली की 1700 किलोमीटर लंबी पदयात्रा पर निकली प्रसिद्ध वास्तुकार गीता बालकृष्णन का गुरुवार को सेक्टर 21ए स्थित पुलिस आयुक्त कार्यालय में पुलिस आयुक्त विकास कुमार अरोड़ा ने भव्य स्वागत किया। पुलिस आयुक्त ने उनके स्वागत के लिए एक समारोह का आयोजन करवाया, जिसमें कार्यालय के सभी अधिकारी और कर्मचारी शामिल हुए। प्रसिद्ध वास्तुकार गीता बालकृष्णन ने पश्चिम बंगाल के कोलकाता से लेकर दिल्ली तक पदयात्रा 13 फरवरी 2022 से शुरू की थी। 1700 किलोमीटर लंबी इस यात्रा में वह आज 1630 किलोमीटर पूरी कर चुकी हैं और अपनी मंजिल से महज 70 किलोमीटर दूर है जिसे वह जल्द ही पूरा कर लेंगी। श्रीमती बालकृष्णन ने पुलिस आयुक्त कार्यालय में आयोजित इस कार्यक्रम में जानकारी देते हुए बताया कि वास्तुकला का हमारे जीवन में बहुत अधिक और विशेष महत्व है। भवन निर्माण करते समय वास्तु कला एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। उन्होंने बताया कि हमे भवन निर्माण के समय किस किस प्रकार की सावधानियों बरतनी चाहिए। भवन की दिशा, दशा और स्थिति का ज्ञान होना अति आवश्यक है। भवनों पर प्रकृति का सीधा प्रभाव पड़ता है, इसलिए आवश्यक है कि वास्तुकला की सहायता से प्रकृति के भवनों पर पडऩे वाले दुष्प्रभाव से बचाकर उसे इस प्रकार से तैयार करना चाहिए की मकान पर उसका अच्छा प्रभाव पड़े। इस प्रकार भवन निर्माण की कुछ मूलभूत इकाइयों के बारे में पुलिस कर्मचारियों को जागरूक करते हुए बालकृष्णन अपनी मंजिल की तरफ अग्रसर हुई। गौरतलब है कि गीता भवन निर्माण कला विशेषज्ञ हैं। इन्होंने स्कूल आफ प्लैनिंग एंड आर्किटेक्चर, नई दिल्ली से अपनी स्नातक की शिक्षा पूरी की थी। उसके पश्चात अमेरिका के पिट्सबर्ग में स्थित कानेर्जी मेल्लों यूनिवर्सिटी में सेंट्रल बिल्डिंग परफॉर्मेंस एंड डायग्नोस्टिक्स में अपना व्यवहारिक प्रशिक्षण पूरा किया। वर्ष 1991 से 2001 के बीच में बेंगलूर स्थित आवाज एनजीओ के सदस्य के रूप में कार्य किया जो स्लम बस्ती एरिया में स्वास्थ्य और मूलभूत सुविधाएं प्रदान करता है। वह उस एरिया में गरीबों के लिए बनाए जाने वाले मकानों के आर्किटेक्चर संबंधी मामलों में मदद करती रही और अब वह पिछले 5 वर्षों से इस एनजीओ की ट्रस्टी हैं। इन्होंने इथॉस नाम की एक संस्था स्थापित की जो छात्रों को डिजाइन से संबंधित शिक्षा प्रदान करती हैं।

मकान के फर्जी दस्तावेज दिखा बैंक से लिया 50 लाख लोन

-पुलिस ने तीन आरोपियों को किया गिरफ्तार

फरीदाबाद, (हि.स.)। मकान के फर्जी दस्तावेज प्रस्तुत कर बैंक से 50 लाख का लोन लेने और उसे गबन कर धोखाधड़ी करने के आरोप में सीआईए एनआईटी पुलिस तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस प्रवक्ता सूबे सिंह ने जानकारी देते हुए बताया कि गिरफ्तार किए गए आरोपियों में शिव, राकेश तथा कुलदीप का नाम शामिल है। आरोपी शिव फरीदाबाद के गांव अहमदपुर, राकेश एनआईटी के नंगला एनक्लेव तथा कुलदीप फरीदाबाद की जवाहर कॉलोनी का निवासी है। आरोपियों ने वर्ष 2017 में सेक्टर 23 स्थित इंडियन बैंक से फर्जी दस्तावेज के आधार पर 50 लाख रुपए का लोन लिया था। पुलिस को दी शिकायत में बैंक मैनेजर ने बताया कि आरोपियों द्वारा वर्ष 2017 में जमा कराए गए दस्तावेज के अनुसार आरोपी शिव ने एसजीएम नगर में एक 250 गज का प्लॉट श्रीमती कमलजीत कौर से खरीदा है जिसके सेल डीड इन्होंने बैंक में जमा करवा दी। दस्तावेज जमा होने के पश्चात बैंक ने 50 लाख रुपए का डिमांड ड्राफ्ट आरोपियों द्वारा बताए गए श्रीमती कमलजीत कौर के फर्जी बैंक अकाउंट के नाम पर काट दिया।

लोन की 50 लाख रुपए की राशि कमलजीत कौर के खाते में न जाकर आरोपियों द्वारा दिए गए फर्जी अकाउंट में चली गई। लोन की राशि प्राप्त होने के कुछ महीनों तक आरोपियों ने किस्त जमा की परंतु बाद में जब किस्त आनी बंद हो गई तो दिसंबर 2020 में बैंक मैनेजर ने जाकर जब उक्त प्लॉट का दौरा किया तो पता चला कि यह प्लॉट कमलजीत कौर ने वर्ष 2018 में किसी रश्मि रानी को बेचा था। इसके पश्चात बैंक अपने तौर पर मामले की जांच करता रहा और जनवरी 2022 में बैंक की शिकायत के आधार पर आरोपियों के खिलाफ षड्यंत्र तथा नकली दस्तावेज तैयार करके धोखाधड़ी करने की धाराओं के तहत पुलिस थाना मुजेसर में मुकदमा दर्ज करवाया गया। इस मामले में कार्रवाई करते हुए फरीदाबाद पुलिस की आर्थिक अपराध शाखा ने जब कमलजीत कौर से पूछताछ की तो उन्होंने बताया कि जो दस्तावेज आरोपियों द्वारा बैंक में जमा करवाए गए हैं वह फर्जी है। उन्होंने वर्ष 2017 में यह प्लॉट किसी को नहीं बेचा बल्कि वर्ष 2018 में उन्होंने यह प्लॉट रश्मि रानी को बेच दिया था। इसके पश्चात आर्थिक अपराध शाखा की टीम ने मामले में पर्याप्त सबूतों के आधार पर तीनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि बैंक में लोन के लिए दी गई एप्लीकेशन शिव कुमार के नाम पर थी तथा फर्जी दस्तावेज बनाने में आरोपी राकेश तथा कुलदीप भी शामिल थे। इस मामले में शामिल अन्य आरोपियों के बारे में पूछताछ की जा रही है और यदि इसमें किसी अन्य का संलिप्त होना पाया गया तो उसे भी जल्द गिरफ्तार किया जाएगा।

गेहूं खरीद के बाद 23 हजार किसानों को दिए 374 करोड़

फतेहाबाद, (हि.स.)। जिला में गेहूं खरीद के बाद 23208 किसानों को उनके बैंक खाते में 374 करोड़ 32 लाख रुपये की राशि वितरित की जा चुकी है। उपायुक्त प्रदीप कुमार ने कहा कि किसानों को घबराने की जरूरत नहीं है, उनकी गेहूं फसल का एक-एक दाना सरकार द्वारा निर्धारित एमएसपी 2015 रुपये प्रति क्विंटल के हिसाब से खरीदा जाएगा। उन्होंने बताया कि फूड सप्लाई ने 5865 किसानों को 90 करोड़ 87 लाख रुपये, हैफेड ने 12128 किसानों को 186 करोड़ 77 लाख रुपये, एचडब्ल्यूसी ने 3189 किसानों को 61 करोड़ 99 लाख रुपये तथा एफसीआई ने 2026 किसानों को 34 करोड़ 69 लाख रुपये वितरित की है। उपायुक्त ने बताया कि जिला में अब तक 375625 मीट्रिक टन गेहूं की खरीद हुई है, जिसमें से फूड सप्लाई द्वारा 95837 मीट्रिक टन, हैफेड ने 193781 मीट्रिक टन, एचडब्ल्यूसी ने 57635 मीट्रिक टन व एफसीआई ने 28372 मीट्रिक टन गेहूं की खरीद की है। इसके साथ ही जिला में अब तक 211863 मीट्रिक टन गेहूं की फसल का उठान किया जा चुका है, जोकि आवक का 56.40 प्रतिशत है। फूड सप्लाई द्वारा 53035 मीट्रिक टन, हैफेड ने 105882 मीट्रिक टन, एचडब्ल्यूसी ने 35203 मीट्रिक टन तथा एफसीआई ने 17743 मीट्रिक टन गेहूं की फसल का उठान किया है। उपायुक्त ने जिला के किसानों से अपील की है कि वे अपनी फसल को सूखाकर अनाज मंडी व खरीद केंद्रों में लाए, ताकि फसल बेचने में किसी प्रकार की कोई परेशानी न हो।

राजस्थान में सताने लगा पानी का संकट

जयपुर, (हि.स.)। राजस्थान जल संकट से जूझ रहा है। प्रदेश के कई जिले चन्द पानी की बूंदों के लिए तरसने लगे हैं। आसमान से बरस रही ळाय के बीच बेहाल कर देने वाली गर्मी से प्रदेश के कई शहरों में पानी को संकट मंडराने लगा है। झुलसा देने वाली इस गर्मी के बीच शहर-गांवों और कस्बों में हलक तर करने के लिए एक मटकी पानी की इंतजाम करने में आमजन के पसीने निकल रहे हैं। तापमान में हो रही वृद्धि के चलते प्रदेश के कई शहर सूखे की चपेट में आ रहे हैं। तपते राजस्थान के 95 कस्बों में जल सकंट का आकलन हो गया है। कई स्थानों पर तो पांच दिन में सिर्फ एक बार पानी की सप्लाई हो रही है। आम जनता पानी की चंद बूंदों के लिए तरसने को मजबूर हैं। राजस्थान में गर्मी का मौसम शुरू होने के साथ ही पानी और बिजली के संकट का डर सता रहा है। एक तरफ जहां प्रदेश में भूमिगत जल स्तर गिरता जा रहा है, तो दूसरी तरफ बिजली उत्पादन की क्षमता भी गिर रही है। ऐसा होने से लोगों को अभी से मई, जून और जुलाई की चिंता सताने लगी है, जब प्रदेश में प्रचंड गर्मी होगी। हाल ही में जारी हुई जलशक्ति मंत्रालय की रिपोर्ट काफी डरावनी है। इस रिपोर्ट के मुताबिक प्रदेश के कुओं में जल स्तर लगातार नीचे गिर रहा है। उधर बिजली उत्पादन करने वाली कई यूनिटें बंद होने से बिजली का संकट भी गहरा गया है। केन्द्रीय भूजल बोर्ड की ओर से पिछले दिनों राजस्थान के सभी 33 जिलों में रेंडमली 916 कुओं के जल स्तर की जांच की गई। इस रिपोर्ट में 24 जिलों के कुओं के जल स्तर में गिरावट दर्ज की गई। नौ जिले तो ऐसे हैं जहां 70 फीसदी तक की गिरावट दर्ज की गई है। इनमें अजमेर, अलवर, बाड़मेर, बूंदी, दौसा, धोलपुर, झुंझुनूं, सीकर और सिरोही शामिल है। प्रदेश के सात जिले ऐसे हैं जहां जल स्तर में बढ़ोतरी दर्ज की गई है।

प्रशासनिक जटिलताओं को दूर कर जनकल्याण को सुगम बनाने का कार्य करें लोकसेवक : राज्यपाल

जयपुर, (हि.स.)। राज्यपाल कलराज मिश्र ने कहा है कि लोकसेवक लोकतंत्र के सशक्त प्रहरी होते हैं। उन्होंने लोकसेवकों से प्रशासनिक जटिलताओं को दूर करते हुए जनकल्याण कार्यों की प्रक्रिया को सुगम और आसान बनाने का आह्वान किया है। राज्यपाल मिश्र गुरुवार को यहां हरिश्चन्द्र माथुर राजस्थान लोक प्रशासन संस्थान में लोक सेवा दिवस के अवसर पर भारतीय प्रशासनिक सेवा, भारतीय पुलिस सेवा, भारतीय वन सेवा, भारतीय राजस्व सेवा और राजस्थान प्रशासनिक सेवा के अधिकारियों को सम्बोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि लोकसेवकों के लिए राजधर्म ही सर्वोपरि होता है और लोकतंत्र में संविधान का पालन सुनिश्चित करना ही राजधर्म है। उन्होंने कहा कि हमारा संविधान हमारे लिए धर्मग्रंथों की तरह पवित्र है, यह हमें अधिकार देता है तो कर्तव्यों की सीख भी देता है। राज्यपाल ने कहा कि लोक सेवक शासन तंत्र में जनता के सर्वाधिक करीब रह कर कार्य करते हैं। व्यापक अनुभव के कारण उनमें निष्पक्षता के साथ जनता के मनोभावों को समझ कर परिस्थिति का सटीक विश्लेषण करने की विशेष योग्यता होती है। उन्होंने कहा कि लोक सेवक ही सरकारी योजनाओं, कार्यक्रमों का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित करते हैं। राज्यपाल मिश्र ने कहा कि लोकसेवक जिस भी दायित्व पर रहकर कार्य करें, उसमें यथास्थिति और व्यवस्था बनाए रखने को ही अपनी जिम्मेदारी नहीं समझें बल्कि विकास को प्रभावी रूप में अमलीजामा पहनाने के लिए गंभीर होकर कार्य करें। उन्होंने लोकसेवकों से जनता से जुड़ी योजनाओं और कार्यक्रमों को तकनीकी दक्षता के साथ लागू करने के लिए लक्ष्य बनाकर कार्य करने का आह्वान किया ताकि विकास कार्यक्रमों से जनता अधिकाधिक लाभान्वित हो सके। राज्यपाल ने कहा कि लोकसेवकों को नियमों में रहकर ही कार्य करना चाहिए, परन्तु यह भी ध्यान रखना चाहिए कि नियमों के चलते लोक कल्याण का कार्य जटिल न बन जाए। उन्होंने कहा कि हरेक मसले पर संवैधानिक प्रावधानों में संशोधन की बात पर जोर देने के बजाय जड़ और अव्यावहारिक हो चुके नियमों को परिस्थितियों के अनुसार बदलने के लिए भी प्रयास किया जाना चाहिए। उन्होंने चूरू जिला कलेक्टर सिद्धार्थ सिहाग को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा लोक सेवा दिवस पर नई दिल्ली में सम्मानित किए जाने पर बधाई दी। मुख्य सचिव उषा शर्मा ने कहा कि संवेदनशील, पारदर्शी और जवाबदेह सुशासन सुनिश्चित करने में प्रशासनिक, पुलिस अधिकारियों सहित लोकसेवकों की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। उन्होंने कहा कि लोक प्रशासन में उत्कृष्टता के माध्यम से देश और प्रदेश की उन्नति में योगदान देने वाले लोकसेवकों को समर्पित लोकसेवा दिवस वर्ष 2006 से प्रति वर्ष 21 अप्रैल को मनाया जा रहा है।

राजस्थान महिला आयोग के लोगो का विमोचन

जयपुर, (हि.स.)। राजस्थान महिला एवं बाल विकास मंत्री ममता भूपेश व राजस्थान महिला आयोग अध्यक्ष रेहाना रियाज ने गुरुवार को राजस्थान महिला आयोग के लोगो (प्रतीक चिन्ह) का विमोचन किया। मंत्री ममता भूपेश ने आयोग की पहल को सराहा, और कहा कि रेहाना रियाज की मौजूदगी आयोग की प्रतिष्ठा बढ़ा रही है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार की बजट घोषणा में 1करोड़ 33 लाख महिलाओं को फ्री मोबाइल देकर मोबाइल की नई दुनिया में प्रवेश करवा रहे है। राजस्थान सरकार की सभी महत्वपूर्ण योजनाएं चिरंजीवी योजना 10 लाख तक का बीमा, मुफ्त इलाज और मुफ्त दवा जैसी योजनाएं प्रदेश की जनता के वरदान साबित हुई है। प्रदेश की महिलाओं को एक सुरक्षित वातावरण मिल सके इसके लिए सरकार हमेशा प्रयासरत है। रेहाना रियाज ने कहा कि महिला आयोग अध्यक्ष पद पर हमारी जिम्मेदारी बनती है कि महिलाओं का आर्थिक व सामाजिक रूप से सशक्तिकरण करें और महिलाओं में विश्वास बढ़ाए की आपके साथ गलत होता है तो आपको डरने की जरूरत नही है, आपके आत्मविश्वास खोने की जरूरत नहीं आपके हौसलों को उड़ान भरे और आपके सपनों को साकार करने के लिए महिला आयोग और राजस्थान सरकार खड़ी है। महिला उत्पीड़न उनके मामलों को लगातार हम जनसुनवाई के माध्यम से सुन रहे हैं आवेदिका और आवेदक के बीच मे किसी तरह सुलह हो, सुख शांति से पारिवारिक जीवन जि सके हमारा यही उद्देश्य रहता है। उनके मामलों को तुरंत निपटाने का प्रयास रहता है। लगातार केसों में गिरावट दर्ज की जा रही है। महिलाओं को शक्तिशाली बनाने के साथ समाज में उनके वास्तविक अधिकार को प्राप्त करने के लिए उन्हें सक्षम बनाना महिला हमारा कदम है।

DELHI CRIME 22 apr 2022:Layout 1 4/21/2022 6:19 AM Page 4

मारियुपोल में अभी भी फंसे हैं कई नागरिक

कीव, (हि.स.)। रूसी राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने कहा कि मारियुपोल के स्टील प्लांट में अभी भी 1,000 नागरिक फंसे हुए हैं, जहां यूक्रेनी सेना अपना अंत तक मोर्चा संभाले हुए है। वहीं रूस द्वारा बुधवार तक आत्मसमर्पण करने की समय सीमा जल्द खत्म होने वाली है। जेलेंस्की ने कहा कि मारियुपोल करीब आठ सप्ताह के लंबे युद्ध की सबसे खराब हालात से जूझ रहा है। जानकारी के अनुसार यहां से कुछ नागरिक बुधवार को एक छोटे बस काफिले में शहर छोड़ने में कामयाब रहे। संयुक्त राष्ट्र ने कहा कि 24 फरवरी को रूस के आक्रमण के बाद से यूक्रेन से पलायन करने वाले शरणार्थियों की कुल संख्या अब 50 लाख से ऊपर हो गई है, जिनमें आधे से ज्यादा बच्चे हैं। यूक्रेन ने कहा कि डोनबास में भयंकर लड़ाई जारी है, जहां उसने हजारों रूसी सैनिकों को रोक दिया है। अलगाववादियों की ओर से मास्को के दो पूर्वी प्रांतों को जब्त करने का एक नया अभियान है। उधर रूस के रक्षा मंत्रालय ने जारी बुलेटिन में कहा कि उसके बलों ने पूर्वी यूक्रेन में दर्जनों सैन्य सुविधाओं पर हमले किए थे और कोरोविय यार गांव के पास एक यूक्रेनी एमआई -8 हेलीकॉप्टर को मार गिराया था।

कुछ नागरिकों को निकाला गया - मारियुपोल शहर के अधिकारियों ने बुधवार को कहा था कि उन्हें रूस के साथ प्रारंभिक समझौते के तहत एक सुरक्षित गलियारा स्थापित करने पर पहली बार लगभग 6,000 लोगों को निकालने की उम्मीद है। लेकिन मारियुपोल में अजोव रेजिमेंट के डिप्टी कमांडर शिवतोस्लाव कलामार ने बाद में यूक्रेनी टीवी को बताया कि नागरिक बहुत भयभीत थे क्योंकि अजोवस्टल पर लगातार बमबारी जारी थी। कलामार ने कहा कि संयंत्र के तहत कई बंकरों में अभी भी लगभग 80-100 नागरिक हैं। राष्ट्रपति जेलेंस्की ने कहा कि वह फंसे हुए नागरिकों और यूक्रेनी सैनिकों के लिए सुरक्षित मार्ग के बदले रूसी कैदियों की अदला-बदली करने के लिए तैयार हैं।

रूस ने एक दिन में दागे एक हजार गोले - मारियुपोल के स्टील फैक्टरी में घिरे ढाई हजार यूक्रेनी सैनिकों के हथियार डालने से इनकार करने के बाद रूसी सेना ने इन सैनिकों और लड़ाकों को आत्मसमर्पण करने के लिए एक हजार से अधिक बमों की बारिश की। 24 घंटों में रूसी सेना ने 1,053 गोले दागे, जबकि 73 हवाई हमले किए, लेकिन मुख्य निशाना पूर्वी यूक्रेन का डोनेस्क और लुहांस्क इलाका ही रहा।

अमेरिका, ब्रिटेन व फ्रांस देंगे अतिरिक्त हथियार - पूर्वी यूक्रेन में तेज हुए रूसी हमलों से मुकाबले के लिए अमेरिका, ब्रिटेन, फ्रांस और कनाडा ने यूक्रेन को हथियारों की अतिरिक्त मदद का भरोसा दिया है। अमेरिकी सरकार ने चंद रोज में नई सैन्य सहायता का ऐलान करने का संकेत दिया है। रूसी टैंकों और तोपों ने एक दिन में एक हजार से ज्यादा गोले दागे हैं।

शहबाज सरकार में नवाज शरीफ के लोगों की अनदेखी पर घमासान, बिलावल के बाद भतीजी मरियम भी नाराज

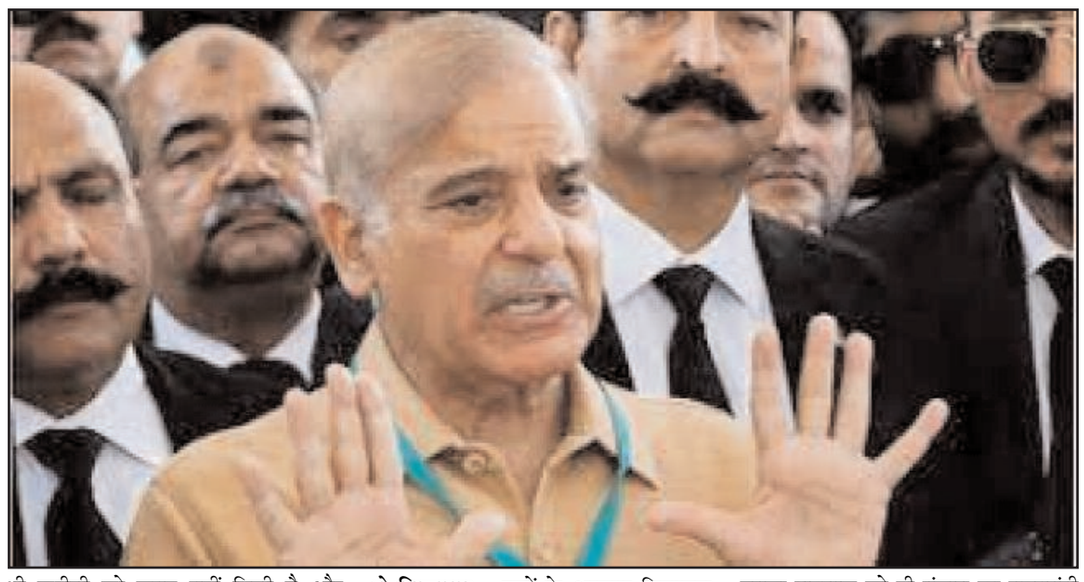

इस्लामाबाद, (हि.स.)। पाकिस्तान में इमरान सरकार को गिराने के लिए एकजुट हुए विपक्ष में सरकार बनाने के कुछ दिनों बाद ही आपसी कलह दिखाई देने लगी है। एक तरफ जहां शहबाज शरीफ सरकार में पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी के नेता बिलावल भुट्टो जरदारी कैबिनेट का हिस्सा नहीं बने, वहीं पाकिस्तान मुस्लिम लीग-नवाज में ही अंदरूनी कलह उभर गया है। रिपोर्ट के मुताबिक शहबाज शरीफ ने जिन 33 नेताओं को मंत्री बनाया है, उनमें से नवाज शरीफ का सिर्फ एक करीबी है, बाकी करीबी नेताओं को दरकिनार कर दिया गया है। जिसके कारण नवाज शरीफ की बेटी मरियम अपने चाचा शहबाज शरीफ से नाराज हो गईं हैं। माना जा रहा है कि शहबाज ने नवाज के करीबी नेताओं को तवज्जो न देकर अपने वफादारों को सत्ता में भागीदार बनाया है। नवाज शरीफ फिलहाल ब्रिटेन में रह रहे हैं। जानकारी के अनुसार शहबाज शरीफ की कैबिनेट में नवाज के करीबी नेता जावेद एल. लतीफ को जगह दी गई है। उन्होंने भी मंगलवार को शपथ नहीं ली थी। मरियम नवाज गुट के लोगों का कहना है कि शहबाज शरीफ ने सरकार गठन में सही व्यक्ति को सही काम देने की बात कही थी, लेकिन ऐसा नहीं है। उनका कहना है कि नवाज शरीफ के किसी भी करीबी को जगह नहीं मिली है और शहबाज ने चुन-चुनकर अपने वफादारों को कैबिनेट में भर लिया है। नवाज शरीफ के करीबी कहे जाने वाले नेताओं इरफान सिद्दीकी, परवेज राशिद, मुहम्मद जुबैर आदि को बाहर रखा गया है।

बिलावल भुट्टो जरदारी लंदन में करेंगे नवाज से शिकायत - सूत्रों के अनुसार बिलावल भुट्टो जरदारी लंदन गए हैं और वहां नवाज शरीफ से सरकार में सही स्थान न मिलने पर अपनी बात रखेंगे।

फिलहाल बिलावल की पार्टी की नजर राष्ट्रपति और पंजाब के गवर्नर पद पर है। बता दें कि शहबाज शरीफ ने अपने बेटे हमजा शहबाज को ही पंजाब का मुख्यमंत्री भी बना दिया है, जो सियासी लिहाज से पाकिस्तान का सबसे अहम सूबा है। इसके अलावा नवाज शरीफ की बेटी मरियम नवाज को कोई अहम जिम्मेदारी नहीं मिली है। ऐसे में पार्टी के संस्थापक नवाज शरीफ का ही परिवार साइडलाइन महसूस कर रहा है।

अमेरिका ने रूस पर लगाए नए प्रतिबंध

वाशिंगटन, (हि.स.)। अमेरिका ने बुधवार को रूस पर नए प्रतिबंध लगाते हुए वहां कई सारे लोगों और संस्थाओं को इसके दायरे में लाया है। नए प्रतिबंध के अंतर्गत एक रूसी वाणिज्यिक बैंक और क्रिप्टो करेंसी कंपनी शामिल है। अमेरिकी ट्रेजरी विभाग ने एक बयान में कहा कि उसने रूसी वाणिज्यिक बैंक ट्रांस कैपिटल बैंक पर प्रतिबंध लगाए, जिनके प्रतिनिधियों ने कहा कि यह चीन और मध्य पूर्व सहित एशिया में कई बैंकों की सेवा करता है। इसके साथ ही उसे अंतरराष्ट्रीय प्रतिबंधों से बचने के विकल्प सुझाए हैं। वाशिंगटन ने 40 से अधिक लोगों और संस्थाओं के एक वैश्विक नेटवर्क को भी लक्षित किया, जिसका नेतृत्व यूएस नामित रूसी कुलीन कोंस्टेंटिन मालोफेयेव करते हैं। ट्रेजरी विभाग ने रूस के क्रिप्टो करेंसी में काम करने वाली कंपनियों पर भी प्रतिबंध लगाया, जो कथित तौर पर दुनिया में तीसरी सबसे बड़ी है। इसने बिटकॉइन माइनर बिटरिवर की होल्डिंग कंपनी और इसकी 10 रूस-आधारित सहायक कंपनियों को लक्षित किया है। इसके साथ यह भी चेतावनी दी है कि अमेरिका यह सुनिश्चित करेगा कि कोई भी संपत्ति रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन को सहायता पहुंचाएगी तो उसे प्रतिबंधित किया जाएगा। ट्रेजरी विभाग के आतंकवाद और वित्तीय खुफिया विभाग के अंडर सेक्रेटरी ब्रायन नेल्सन ने अपने बयान में कहा कि ट्रेजरी उन लोगों को निशाना बना सकता है जो अमेरिकी प्रतिबंधों से बचने का प्रयास करते हैं, या रूस की सहायता करते हैं, क्योंकि वे पुतिन के क्रूर युद्ध का समर्थन करने में मदद कर रहे हैं।

पुलिस ने विमान से संभावित खतरे का हवाला देते अमेरिकी संसद भवन खाली कराया

वॉशिंगटन (ईएमएस)। अमेरिकी संसद भवन (द यूएस कैपिटल) में उससमय अपरातफरी मच गई जब पुलिस ने एक विमान से संभावित खतरे का हवाला देते हुए परिसर को खाली करने का आदेश दिया था। यूएस कैपिटल पुलिस ने कहा कि वह एक ऐसे विमान पर नजर रख रहे हैं जो संभावित खतरा पैदा कर सकता है। घटना स्थानीय समयानुसार शाम करीब 6:30 बजे की है। हालांकि, कुछ ही देर बाद यह कहते हुए एक अपडेट जारी किया गया कि विमान से कोई खतरा नहीं है। यूएस कैपिटल पुलिस के एक अपडेट में कहा, विमान अब कैपिटल कॉम्प्लेक्स के लिए खतरा नहीं है और यूएससीपी पुनः प्रवेश के लिए भवन को तैयार कर रहा है।

पुलिस ने कहा कि यूएस कैपिटल कॉम्प्लेक्स को बहुत सावधानी के साथ खाली कराया गया था। विशेष रूप से, जब कॉम्प्लेक्स को खाली करने का आदेश जारी किया गया था, तब सदन और सीनेट सत्र में नहीं थे। कुछ रिपोर्ट्स के अनुसार, मिलिट्री एप्रिसिएशन नाइट के दौरान द यूएस कैपिटल कॉम्प्लेक्स के पास स्थित एक स्पोर्ट्स स्टेडियम में पैराशूट का प्रदर्शन हो रहा था। वरिष्ठ पत्रकार गैरेट हाके ने एक ट्वीट में कहा, यूएस कैपिटल खाली करने के आदेश के बीच भवन के पास कुछ लोगों को पैराशूट से उतरते करते देखा। यह पता लगाने की कोशिश की जा रही है कि वे कहां उतरे।

पाकिस्तान पूर्व पीएम नवाज शरीफ ईद के बाद वतन लौटेंगे

-करेंगे कानूनी कार्यवाही का सामना

इस्लामाबाद (ईएमएस)। पाकिस्तान में ताजा बदले राजनीतिक परिदृश्य के बीच खबर है कि पूर्व पीएम और पीएमएल-एन पार्टी के मुखिया नवाज शरीफ के ईद-उल-फितर के बाद लंदन से स्वदेश लौटने की संभावना है। पार्टी के एक वरिष्ठ नेता ने यह जानकारी दी। उन्होंने कहा कि नवाज शरीफ अपने खिलाफ लंबित मामलों का कानून और संविधान के अनुसार सामना करेंगे। तीन बार पाकिस्तान के प्रधानमंत्री रह चुके शरीफ भ्रष्टाचार के कई आरोपों का सामना कर रहे हैं। वह नवंबर 2019 से लंदन में हैं, जब लाहौर हाईकोर्ट ने उन्हें इलाज के लिए चार सप्ताह के लिए विदेश जाने की अनुमति दी थी। पीएमएल-एन के नेता मियां जावेद लतीफ ने एक बयान में कहा, 'नवाज शरीफ ईद के बाद पाकिस्तान में नजर आएंगे।' लतीफ ने मंगलवार को प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ के मंत्रिमंडल के सदस्य के रूप में शपथ ली। खबर के अनुसार लतीफ ने दावा किया कि 72 वर्षीय नवाज कानून और संविधान के अनुसार मामलों का सामना करेंगे। उन्होंने जोर दिया कि उनकी पार्टी पीएमएल-एन अदालत में भरोसा करती है और उसका फैसला स्वीकार करेगी। बता दें कि राजनीतिक अस्थिरता के बीच पाकिस्तान में अविश्वास मत के जरिए पीएम पद से हटाए गए इमरान खान के बाद बने नए प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ के मंत्रिमंडल को कार्यवाहक राष्ट्रपति सादिक संजरानी ने मंगलवार को शपथ दिला दी है। 34 सदस्यीय मंत्रिमंडल में 31 कैबिनेट मंत्री और तीन राज्य मंत्री शामिल हैं। नए प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ की सरकार ने पूर्व प्रधानमंत्री नवाज शरीफ के लिए तत्काल राजनयिक पासपोर्ट जारी करने का आदेश दिया है। माना जा रहा है कि कानून मंत्रालय नवाज की वापसी और उन पर चल रहे केसों के मामले में जल्द ही सुप्रीम कोर्ट में पिटीशन दायर कर सकता है। इसमें नवाज को खराब सेहत के आधार पर जेल जाने से राहत मांगी जाएगी। बता दें कि पूर्व पीएम नवाज शरीफ के खिलाफ 2017 में सुप्रीम कोर्ट ने पनामा पेपर्स मामले में पद से हटाए जाने के बाद भ्रष्टाचार के कई मामले शुरू किए गए थे। यह भ्रष्टाचार के मामले पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान के नेतृत्व वाली सरकार ने लगाए थे। वहीं साल 2019 के नवंबर में लाहौर हाईकोर्ट से इलाज के लिए विदेश जाने की इजाजत मिलने पर वह लंदन रवाना हो गए थे।

फ्रांस राष्ट्रपति चुनाव : टीवी बहस के दौरान होगी मैक्रॉन और ली पेन के बीच में जोरदार टक्कर

पेरिस, (हि.स.)। फ्रांस के राष्ट्रपति चुनाव में वर्तमान राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रॉन और उनको चुनौती देने वाले मरीन ली पेन के बीच जोरदार टक्कर देखने को मिल रही है। रविवार को होने वाले चुनाव के लिए दोनों उम्मीदवार बुधवार शाम बहस के लिए आमने-सामने होंगे। मतदाता सर्वेक्षणों में मैक्रॉन से पीछे चल रहे ली पेन के लिए यह मतदाताओं को मनाने का एक मौका है कि उनके पास राष्ट्रपति बनने का कद है और उन्हें सत्ता में दूर रहने के कारण डरना नहीं चाहिए। मैक्रॉन के लिए, संभवतः जनमत सर्वेक्षणों में अपनी बढ़ती बढ़त को बनाए रखने के लिए सबसे बड़ी चुनौती को हल्के में नहीं लेना चाहिए। बहस के लिए टीवी मुख्यालय पहुंचने पर ली पेन ने कहा कि वह रिलेक्स हैं, जबकि मैक्रोन ने कहा कि वह बहस के लिए स्वयं को केंद्रित कर रहे हैं। इस बहस में दोनों नेताओं को फ्रांस के लिए अपने विचारों को समझाने की अनुमति होगी। इन दोनों नेताओं का मतदाताओं के लिए चुनाव करना दो विरोधी दृष्टिकोण में से एक का चुनाव करने जैसा है। मैक्रॉन एक यूरोपीय समर्थक, उदार मंच की वकालत करते हैं वहीं ली पेन का घोषणापत्र राष्ट्रवादी और गहरे यूरोसेप्टिसिज्म पर आधारित है। जानकारी के मुताबिक 14 फीसदी मतदाता यह तय करने के लिए बहस का इंतजार कर रहे हैं कि किसे वोट देना है, जबकि 12 फीसदी का कहना है कि यह निर्णायक होगा कि क्या वे वोट देंगे। मतदाता जोसेफ लोम्बार्ड ने पेरिस में कहा कि मैं यह देखने के लिए उत्सुक हूं कि क्या होता है। दोनों पक्षों के सूत्रों ने कहा कि वे एक शांत बहस चाहते हैं। मैक्रॉन के करीबी सूत्र जो बहस की तैयारियों से अवगत थे, ने कहा कि यह "उबाऊ" हो सकता है। सूत्र ने कहा कि राष्ट्रपति को दिखाना चाहिए कि वो दमदार हैं और अभिमानी नहीं हैं। ली पेन के एक करीबी सूत्र ने कहा कि वह एक शांत डिबेट चाहती हैं जो प्रोजेक्ट बनाम प्रोजेक्ट हो।

ताइवान पर हमला करने से पहले नफा-नुकसान का आकलन कर रहा ड्रैगन

बीजिंग (ईएमएस)। यूक्रेन पर रूसी आक्रमण के बाद से ताइवान को लेकर चीन की योजनाओं पर चिंताएं बढ़ गई हैं। चीन ने लगातार ताइवान पर आक्रमण की धमकी दे रहा है। इसके बाद कुछ लोगों का मानना है, कि आक्रमण की आशंका बढ़ी है। दूसरी ओर एक और तर्क दिया जा रहा है कि यूक्रेन को लेकर चीनी सैन्य विफलताओं को देखकर चीन सावधानी बरत सकता है। यूक्रेन पर रूसी आक्रमण के बाद मॉस्को पर कई तरह के प्रतिबंध लगे हैं। इसके बाद चीन अगर ताइवान के खिलाफ सैन्य आक्रमण करता है, तब चीन पर भी कड़े प्रतिबंध लग सकते हैं। जानकारों का मानना है, कि बीजिंग को यह बेहतर तरीके से पता है कि ताइवान के खिलाफ सैन्य बल का इस्तेमाल करने के लिए चीन को आर्थिक नुकसान रूस से भी अधिक हो सकती है। हालांकि चीन का आर्थिक और वित्तीय भार रूस से काफी अधिक है, लेकिन उसके बावजूद चीन को प्रतिबंध भारी पड़ सकता है। पिछले कुछ सालों से दुनिया के कई देशों को ताइवान से सपोर्ट मिल रहा है। इसके साथ ही ताइवानी लोगों के बीच भी जागरूकता पहले के मुकाबले बढ़ी है। यह चीन के लिए चिंता का कारण है। मौजूदा वक्त में अमेरिका ताइवान पर उतना फोकस नहीं कर पा रहा है, लेकिन यूक्रेन संघर्ष के बाद अमेरिका वापस से ताइवान पर अपना ध्यान केंद्रित कर सकता है। हालांकि चीन मानता है,कि ताइवान यूक्रेन नहीं है और अमेरिका ताइवान की रक्षा के लिए बल का इस्तेमाल करने के लिए अधिक इच्छुक है। रिपोर्ट्स हैं कि ताइवान के लोग यह भी देख रहे हैं कि अमेरिका ने कैसे यूक्रेन को 'धोखा' दिया है। इसके बाद ताइवान के लोग अमेरिकी 'मोहरा' नहीं बनना चाहते हैं। ताइवान पर नजर रखने वाले एक्सपर्ट्स का मानना है कि ताइवान को जंग से बचना चाहिए और बीजिंग से बातचीत कर मसले को सुलझाएं। युद्ध के हालात में दोनों ही पक्ष भारी कीमत चुकाएंगे इसकारण ताइवान लड़ाई नहीं चाहेगा। जानकार बताते हैं कि यूक्रेन के प्रतिरोध को देखकर पीपल्स लिबरेशन आर्मी को भी अपने आकलन पर विचार-विमर्श करने की जरूरत है। हालांकि चीनी सैन्य नेताओं का मानना है, कि चीन की सैन्य क्षमता ताइवान से कई गुना बेहतर है, इसके बाद चीन ताइवान पर तेजी से जीत हासिल कर सकती है। लेकिन ताइवान भी यूक्रेन और नजर रखे हुए हैं, कि क्या चीन ताइवान पर सैन्य बल के जरिए नियंत्रण कर सकता है। क्या रूसी सेना का खराब प्रदर्शन चीनी सेना के लिए और भी अधिक जोखिम भरा हो सकता है जिसने आखिरी बार 1979 में युद्ध लड़ा था?

आज का इतिहास 22 अप्रैल

1529 स्पेन और पुर्तगाल ने प्रशांत में अपने हितों को रक्षा के लिए एक समझौता किया.
1724 जर्मन दार्शनिक इमैनुएल कांट का जन्म हुआ.
1796 फ्रांस के नेपोलियन बोनापार्ट ने पाइमो सेना को पराजित किया.
1919 प्रथम विश्व युद्ध में जर्मन सेना ने पश्चिमी मोर्चे पर पहली बार जहरीली गैस का प्रयोग किया.
1921 नेताजी सुभाषचंद्र बोस ने आईसीएस से इस्तीफा दिया.
1926 फ्रांस, तुर्की और अफगानिस्तान में आपसी सुरक्षा संधि हुई.
1931 मिस्त्र और इराक में मैत्री संधि हुई.
1946 चीन ने अपने अधीन तिब्बत को क्षेत्रीय स्वायत्तता देने के लिए दलाई लामा की अध्यक्षता में समिति गठित की.
1958 नौ सेना के प्रथम भारतीय प्रमुख आर. डी. कटारी ने पदभार संभाला.
1969 ब्रिटेन के राबिन नाक्स जान्सन ने समुद्री मार्ग से दुनिया की यात्रा अकेले पूरी की.
1986 लंदन की एक अदालत ने एक अरब को इजरायली विमान को बम से उड़ाने की कोशिश के लिए दोषी करार दिया.
1996 असम के मुख्यमंत्री हितेश्वर सैकिया का निधन.

बेहद खतरनाक है मछली जैसा दिखने वाला जहरीला 'ब्लू ड्रैगन'

वाशिंगटन (ईएमएस)। सोचिए आप एक टापू पर घूमने गए हैं। नीला समंदर और ठंडी-ठंडी रेत के मजे ले रहे हैं, तभी आपको अपनी छोटी उंगली के बराबर एक सुंदर सी मछली दिखाई देती है। क्या होगा अगर आपको पता चले कि वह सुंदर सी दिखने वाली मछली आपकी जान भी ले सकती है। अमेरिका में टेक्सस के सैन एंटोनियो के रहने वाले एरिक यांता अपने पत्नी के साथ मुस्तांग टापू पर घूमने गए थे। समुद्र के किनारे घूमने के दौरान यांता और उनकी पत्नी ने नीले रंग का एक छोटा सा खूबसूरत जीव देखा जो करीब एक इंच का था। नीले रंग का यह जीव पत्थर से चिपका था। एरिक ने उसे उठा लिया और वापस पानी में डाल दिया। पानी में डालने से पहले उन्होंने बेहद करीब से उसका वीडियो भी बनाया। लेकिन उन्हें नहीं पता था कि वह क्यूट सा दिखने वाला जीव कुछ और नहीं बल्कि एक जहरीला ब्लू ड्रैगन है। एरिक को इसके बारे में कुछ नहीं पता था, जिसके बाद उन्होंने इसका वीडियो रेडिट पर डाला और लोगों से इसके बारे में पूछा।

एडिनबर्ग में टेक्सास विश्वविद्यालय में पर्यावरण और समुद्री विज्ञान स्कूल के प्रोफेसर और निदेशक डेविड हिक्स ने कहा कि ब्लू ड्रैगन समुद्र के किनारे रहते हैं। वह अपने नीले शरीर के जरिए समुद्र में छुपे रहते हैं, ताकि शिकारी जीव उन्हें न देख सकें। ग्लौकस अटलांटिकस या ब्लू ड्रैगन दिखने में जितने छोटे हैं वे उतने ही खतरनाक होते हैं। डेविड हिक्स ने बताया कि यह जेली फिश की फैमिली से आने वाले 'पोर्तगीस मैन-ऑफ-वॉर' जैसे जीवों को खाता है। पोर्तगीस मैन-ऑफ-वॉर में जहरीले कांटे होते हैं, उन्हीं कोशिकाओं को यह अपने शरीर में संरक्षित करता रहता है, जिन्हें सिनिडोसाइट्स कहा जाता है। बाद में ब्लू ड्रैगन शिकारियों से अपनी रक्षा के लिए इनका इस्तेमाल करते हैं। उन्होंने बताया कि इसका दर्द 'पोर्तगीस मैन-ऑफ-वॉर' के दर्द जैसा ही होता है, कभी-कभी यह जानलेवा हो सकता है। इसके प्रभाव से उल्टी शुरू हो जाती है। अगर कभी इसके कांटों से सामना हो जाए तो आपको तुरंत अस्पताल जाना चाहिए।

जर्जर अर्थव्यवस्था से जूझ रहे श्रीलंका की आपातकालीन मानवीय सहायता करेगा चीन

बीजिंग (ईएमएस)। आर्थिक रूप से बेहाल श्रीलंका द्वारा चीन से मदद की गुहार लगाई लंबी प्रतीक्षा के बाद अंततः वह मान गया है। चीन ने अब कहा है कि वह कोलंबो को आपातकालीन मानवीय सहायता मुहैया कराएगा। हालांकि, श्रीलंका के कर्ज के पुनर्निर्धारण के आग्रह पर चीन ने चुप्पी साध रखी है। श्रीलंका में चीनी निवेश और चीन से मिले बड़े कर्ज के आधार पर कर्ज कूटनीति के आरोप लगाये जा रहे हैं। हाल ही में श्रीलंका ने अपने सभी बाहरी कर्ज से डिफॉल्ट करने की घोषणा की थी। श्रीलंका पर 51 अरब डॉलर का भारी भरकम कर्ज है। जिसमें करीब 36 फीसदी की हिस्सेदारी चीन की है। श्रीलंका ने इतना कर्ज चुकाने से हाथ खड़े कर दिए थे। चाइना इंटरनेशनल डेवलपमेंट कोऑपरेशन एजेंसी के प्रवक्ता शू वेई ने कहा कि चीन की सरकार ने श्रीलंका को मौजूदा संकट से निपटने में मदद के लिए आपतकालीन मानवीय सहयोग मुहैया कराने का फैसला किया है। बुधवार को चीनी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता वांग वेनबिन ने भी मीडिया से बातचीत में कहा कि चीन ने श्रीलंका को आपात मानवीय सहयोग देने का ऐलान किया है। जहां चीन ने टालमटोल की वहीं भारत ने पिछले तीन महीनों में श्रीलंका को लगभग 2.5 अरब अमरीकी डालर की सहायता प्रदान की है, जिसमें ईंधन और भोजन के लिए ऋण सुविधाएं शामिल है। इसके अलावा भारत कथित तौर पर संकटग्रस्त द्वीप राष्ट्र को अरब अमेरिकी डालर की और सहायता देने पर विचार कर रहा है। दूसरी ओर चीनी प्रवक्ता शू और वांग ने चीन की मानवीय सहायता के बारे में कोई विवरण नहीं दिया है। इससे पहले की रिपोर्टों में कहा गया था कि चीन ने वर्ष 1952 में हस्ताक्षरित रबर-चावल समझौते का हवाला देते हुए श्रीलंका को चावल भेजने की पेशकश की थी, जिसके तहत कोलंबो से चीन रबर का आयात करता।

टेक्सास में आग भड़कने के बाद लोग डोर्म इमारत के बाहर अपने करीबियों का इंतजार करते हुए। (फोटो-ईएमएस)

DELHI CRIME 22 apr 2022:Layout 1 4/21/2022 6:19 AM Page 5

बर्कशायर हैथवे इंक के एक शेयर की कीमत 4 करोड़ रुपये

दुनिया का सबसे मंहगा शेयर

मुंबई (ईएमएस)। शेयर बाजार में निवेश कर लंबी अवधि में मोटा पैसा बनाया जा सकता है। भारत में भी तेजी से शेयर बाजार में निवेश का रुझान बढ़ा है, खासकर रिटेल निवेशकों की संख्या पिछले दो वर्षों में तेजी से बढ़ी है। दरअसल, हमेशा निवेशकों को सलाह दी जाती है, कि छोटी रकम से निवेश की शरूआत करना चाहिए। लोग बेहतर रिटर्न के लिए बड़ी-बड़ी कंपनियों में निवेश करते हैं। सभी स्टॉक्स की अलग-अलग कीमत रहती है। ज्यादातर रिटेल निवेशकों का सस्ते शेयरों पर फोकस होता है। वहीं दुनिया में एक से बढ़कर एक महंगे शेयर हैं। कुछ शेयरों की कीमतें सुनकर ही होश उड़ जाते हैं, उसमें निवेश की कल्पना भी नहीं कर सकते। हम आपको बताते हैं, दुनिया में सबसे महंगे शेयर कौन से हैं? उस कंपनी का मालिक कौन है? दरअसल, दुनिया के सबसे महंगे शेयर की कीमत करोड़ों में है। दुनिया में सबसे महंगे स्टॉक बर्कशायर हैथवे इंक का है। इस कंपनी के एक शेयर की कीमत 4 करोड़ रुपये से ज्यादा है। 20 अप्रैल के हिसाब से बर्कशायर हैथवे इंक के एक शेयर की कीमत 523550 डॉलर (4,00,19,376 रुपये) रुपये है। इस कंपनी में हर निवेशक पैसा लगाना चाहता है, लेकिन जब कम से कम 4 करोड़ रुपये होगा, तभी वहां एक शेयर खरीद सकता हैं, इसके बाद अधिकतर लोगों के लिए बर्कशायर हैथवे इंक में निवेश एक सपना बनकर रह जाता है। बर्कशायर हैथवे इंक कंपनी के प्रमुख वॉरेन बफेट आज की तारीख में किसी पहचान के मोहताज नहीं है। दुनिया के सबसे महंगे शेयर वाली कंपनी बर्कशायर हैथवे इंक के प्रमुख वॉरेन बफेट ही हैं। दिग्गज निवेशक वॉरेन बफेट को दुनियाभर में लोग फॉलो करते हैं। कहा जाता है कि जिस कंपनी में वॉरेन बफेट निवेश करते हैं, उसके दिन बदल जाते हैं। फोर्ब्स के मुताबिक बर्कशायर हैथवे में वॉरेन बफेट की 16 फीसदी हिस्सेदारी है। कंपनी का सबसे ज्यादा कारोबार अमेरिका में है।कंपनी में करीब 3,72,000 कर्मचारी काम करते हैं। बर्कशायर हैथवे इंक अमेरिका के अलावा चीन में विस्तार की योजना बना रही है। वॉरेन बफेट ने जब 1965 में इस टेक्सटाइन कंपनी का कमान संभाली थी, तब इसके एक शेयर की कीमत 20 डॉलर से भी कम थी।

टेम्पर्ड ग्लास क्षेत्र में भारत को 20,300 करोड़ का निर्यात हासिल करने का अवसर: आईसीईए

नई दिल्ली (ईएमएस)। भारत सही मानकों और गुणवत्ता वाले विनिर्माण के जरिये टेम्पर्ड ग्लास स्क्रीन प्रोटेक्टर्स (टीजी-एसपी) के मामले में 20,300 करोड़ रुपये के निर्यात के अवसर को प्राप्त कर सकता है। भारत को टीजी-एसपी की 95.1 करोड़ इकाइयों के निर्यात का मौका मिल सकता है। इंडिया सेल्युलर एंड इलेक्ट्रॉनिक्स एसोसिएशन (आईसीईए) की एक रिपोर्ट में यह दावा किया गया है। आईसीईए ने अपने एक अध्ययन के हवाले से रिपोर्ट में कहा कि भारत को वर्तमान में टीजी-एसपी उद्योग के लिए एक संगठित विनिर्माण पारिस्थितिकी तंत्र स्थापित करने की जरूरत है। आईसीईए के अनुसार टीजी-एसपी का घरेलू कारोबार वर्ष 2025 तक 25,000 करोड़ रुपए या 55 करोड़ इकाइयों तक पहुंच सकता है। इतनी बड़ी मात्रा में मांग होने के बावजूद भारत ने इस क्षेत्र में कोई ठोस व्यवस्था तैयार नहीं की है और 90 प्रतिशत कारोबार असंगठित तरीके से चल रहा है। रिपोर्ट में कहा गया है कि टेम्पर्ड ग्लास को अनिवार्य पंजीकरण के अंतर्गत आने वाले उत्पाद (सीआरओ) में शामिल करना चाहिए, ताकि इसका सही मानकों के आधार पर उत्पादन किया जा सके। इस कदम से यह क्षेत्र मोबाइल चार्जर, बैटरी और ईयरफोन्स जैसे संगठित क्षेत्रों की तरह आगे बढ़ेगा। रिपोर्ट में कहा गया कि भारत अच्छी गुणवत्ता वाले टीजी-एसपी के उत्पादन के साथ वर्ष 2025 तक 20,300 करोड़ रुपए का निर्यात या वर्ष 2022 से 2025 के बीच कुल 40,000 करोड़ रुपए का कारोबार कर सकता है।

कृषि और ग्रामीण श्रमिकों के लिए खुदरा मुद्रास्फीति बढ़ी

नई दिल्ली (ईएमएस)। कृषि और ग्रामीण श्रमिकों के लिए खुदरा मुद्रास्फीति मार्च में बढ़कर क्रमशः 6.09 प्रतिशत और 6.33 प्रतिशत पर पहुंच गई। कुछ खाद्य पदार्थों और कपड़ों के दाम बढ़ने से इसमें इजाफा हुआ है। श्रम ब्यूरो ने कहा कि उपभोक्ता मूल्य सूचकांक-कृषि श्रमिक (सीपीआई-एएल) और उपभोक्ता मूल्य सूचकांक ग्रामीण श्रमिक (सीपीआई-आरएल) मार्च, 2022 में क्रमशः 6.09 प्रतिशत और 6.33 प्रतिशत रहा। फरवरी, 2022 में यह क्रमशः 5.59 प्रतिशत और 5.94 प्रतिशत पर था। वहीं एक साल पहले समान अवधि में यह क्रमशः 2.78 प्रतिशत और 2.96 प्रतिशत था। बयान में कहा गया है कि मार्च, 2022 में खाद्य मुद्रास्फीति क्रमशः 4.91 प्रतिशत और 4.88 प्रतिशत रही, जो फरवरी, 2022 में क्रमशः 4.48 प्रतिशत और 4.45 प्रतिशत तथा एक साल पहले समान महीने में क्रमशः 1.66 प्रतिशत और 1.86 प्रतिशत रही थी। मार्च, 2022 में कृषि और ग्रामीण श्रमिकों के लिए अखिल भारतीय उपभोक्ता मूल्य सूचकांक तीन-तीन अंक बढ़कर क्रमशः 1,098 और 1,109 अंक हो गया। फरवरी, 2022 में सीपीआई-एएल और सीपीआई-आरएल क्रमशः 1,095 अंक और 1,106 अंक था।

पेट्रोल और डीजल की कीमतें 15वें दिन भी स्थिर

नई दिल्ली (ईएमएस)। देश में तेल विपणन कंपनियों ने गुरुवार को 15वें दिन भी पेट्रोल और डीजल की कीमतों में कोई बदलाव नहीं किया है। इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन की मूल्य अधिसूचना के अनुसार दिल्ली में पेट्रोल 105.41 रुपए प्रति लीटर और डीजल 96.67 रुपए प्रति लीटर बिक रहा है। मुंबई में पेट्रोल की कीमत 120.51 रुपए प्रति लीटर और डीजल की कीमत 104.77 रुपए प्रति लीटर पर स्थिर है। चेन्नई में पेट्रोल की कीमत 110.85 रुपए और डीजल की कीमत 100.94 रुपए पर बरकरार है। कोलकाता में पेट्रोल और डीजल की कीमत क्रमशः 115.12 रुपए प्रति लीटर और 99.83 रुपए प्रति लीटर है। यूक्रेन में चल रहे रूस के सैन्य अभियान के बीच अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में उतार-चढ़ाव जारी है। लंदन ब्रेंट क्रूड 0.92 प्रतिशत की बढ़ोतरी के साथ 107.77 डालर प्रति बैरल पर और अमेरिकी क्रूड 0.81 प्रतिशत की बढ़ोतरी के साथ 103.02 डालर प्रति बैरल पर कारोबार कर रहा है। कंपनियों ने पिछले 28 दिन में 14 बार पेट्रोल और डीजल के दामों में वृद्धि की।

इस दौरान इनके दामों में करीब 10 रुपए प्रति लीटर की तेजी आई है। उल्लेखनीय है कि गुरुवार लगातार 15वां दिन है, जब कीमतें अपरिवर्तित रही हैं। इससे पहले एक अप्रैल को कीमतों में कोई बदलाव नहीं किया गया था।

ड्रोन विनिर्माण के लिए 14 कंपनियों का चयन

नई दिल्ली (ईएमएस)। देश में ड्रोन विनिर्माण को बढ़ावा देने लिए उत्पादन से जुड़ी प्रोत्साहन योजना (पीएलआई) के तहत 14 कंपनियों का चयन किया गया है। नागर विमानन मंत्रालय के अनुसार चुनी गई 14 ड्रोन कंपनियों में इजरायल की कंपनी एल्बिट के साथ अडाणी का संयुक्त उद्यम और आइडियाफोर्ज टेक्नोलॉजी शामिल हैं। पीएलआई योजना को पिछले वर्ष पेश किया गया था। इसके जरिये ड्रोन और ड्रोन कलपुर्जा कंपनियों को अगले तीन वर्षों के लिए मूल्यवर्धन का 20 प्रतिशत प्रोत्साहन दिया जाएगा। मंत्रालय ने दक्ष अनमैंड सिस्टम्स, आइडियाफोर्ज टेक्नोलॉजी, आईओटेकवर्ल्ड एविएशन, ओम्निप्रेजेंड रोबोट टेक्नोलॉजीज और राफे मफाइबर जैसी ड्रोन बनाने वाली पांच कंपनियों को लाभार्थियों के रूप में चुना है। इसके अलावा एब्सॉल्यूट कंपोजिट्स, अडाणी-एल्बिट एडवांस्ड सिस्टम्स इंडिया, एड्रायटेक इन्फॉर्मेशन सिस्टम्स, अल्फा डिजाइन टेक्नोलॉजीज, इन्वेंटग्रिड इंडिया, पारस एयरोस्पेस, एसएएसएमओएस एचईटी टेक्नोलॉजीज, जेडमोशन ऑटोनॉमस सिस्टम्स और जुप्पा जियो नेविगेशन टेक्नोलॉजीज जैसी नौ ड्रोन कलपुर्जा कंपनियों को भी योजना के लिए चुना गया है। नागर विमानन मंत्रालय ने 10 मार्च को पीएलआई योजना के लिए ड्रोन उद्योग से आवेदन आमंत्रित किए थे।

कई कंपनियां इलेक्ट्रिक टू-व्हीलर्स व कार कर सकती है लॉन्च

-जल्द आने वाली है शाओमी की इलेक्ट्रिक कार

नई दिल्ली (ईएमएस)। भारत में जल्द ही शाओमी, वनप्लस, एप्पल, वीवो, ओप्पो और सोनी समेत अन्य कंपनियां इलेक्ट्रिक टू-व्हीलर्स या इलेक्ट्रिक कार लॉन्च कर सकती है। शाओमी ने भारत में शाओमी ईवी नाम की नई इलेक्ट्रिक कार कंपनी के लिए रजिस्ट्रेशन कराया है। दरअसल, लंबे समय से सुनने को मिल रहा है कि शाओमी चीन के साथ ही भारत समेत अन्य देशों में इलेक्ट्रिक कार लॉन्च करेगी, जो लुक और फीचर्स के मामले में शानदार होगी। शाओमी की एक खास बात ये भी है कि यह कम दाम में अच्छे फीचर्स वाले प्रोडक्ट पेश कर देती है, ऐसे में कंपनी आने वाले समय में ऑटोमोबाइल सेक्टर में भी तहलका मचाने की कोशिश में है और उसके लिए भारत एक बहुत बड़ा बाजार है, जहां समय के साथ इलेक्ट्रिक कारों की डिमांड बढ़ रही है। भारत में नंबर 1 स्मार्टफोन कंपनी शाओमी ने अगले 10 वर्षों में इलेक्ट्रिक वीइकल ऑपरेशंस की प्लानिंग, मैन्यूफैक्चरिंग और डिलेवपमेंट पर 10 बिलियन डॉलर से ज्यादा की राशि खर्च करने की योजना बनाई है। माना जा रहा है कि शाओमी की पहली इलेक्ट्रिक कार सेडान या एसयूवी सेगमेंट की होगी। हाल ही में शाओमी के सीईओ और सह-संस्थापक ली जून ने कुछ समय पहले घोषणा की थी कि उनकी कंपनी ने शाओमी ईवी नाम की नई सब्सिडियरी कंपनी के लिए रजिस्ट्रेशन करा लिया है। ऐसे में उम्मीद की जा रही है कि शाओमी की पहली इलेक्ट्रिक कार जल्द ही सड़कों पर दिखने लगेगी और लोगों के सामने सस्ते विकल्प आएंगे। आपको बता दें कि भारत समेत दुनियाभर में आने वाला समय इलेक्ट्रिक मोबिलिटी का ही है। जल्द ही टेस्ला की इलेक्ट्रिक कार भारत में लॉन्च होने वाली हैं। इसके साथ ही और भी देसी-विदेशी कंपनियां भारतीय बाजार में अपनी इलेक्ट्रिक कारें पेश करेंगी। महिंद्रा और टाटा जैसी देसी कंपनी तो काफी आक्रामक होकर इलेक्ट्रिक कार सेगमेंट में अपनी स्थिति मजबूत करने की कोशिश में है। भारत जैसे देश में जहां पेट्रोल और डीजल के साथ ही सीएनजी की कीमतें काफी तेजी से बढ़ी हैं, ऐसे में काफी संख्या में लोग इलेक्ट्रिक कारों की तरफ शिफ्ट कर रहे हैं। ऐसे में आने वाले 5 से 10 वर्षों के दौरान भारतीय सड़कों पर लाखों इलेक्ट्रिक कारें दिख सकती हैं। इस कोशिश में सरकार के साथ ही ऑटोमोबाइल कंपनियां भी लगी हुई है। मालूम हो कि भारत में इलेक्ट्रिक कारों की खूब बिक्री हो रही है और आने वाले समय में इलेक्ट्रिक कारों की बाढ़ सी आने वाली है। दरअसल, टेसला के साथ ही दुनियाभर की टेक्नॉलजी कंपनी में इलेक्ट्रिक वीइकल सेगमेंट में एंट्री की कोशिश में है।

होंडा ने भारतीय बाजार में उतरी 32 लाख रुपये की होंडा गोल्डविंग टूर बाइक

मुंबई (ईएमएस)। कारों में एयरबैग का होना सामान्य बात है, लेकिन क्या आपने कभी बाइक में एयरबैग देखा है? होंडा मोटरसाइकिल एंड स्कूटर इंडिया ने भारत में एक ऐसी बाइक लांच की है, जिसमें एयरबैग दिया गया है। होंडा की ये नई बाइक है होंडा गोल्डविंग टूर, जिसकी कीमत भी आपको हैरान कर देगी। जितने में आप इस बाइक को खरीदते हैं, उससे कम में ही एक फॉर्च्यूनर खरीदी जा सकती है। होंडा गोल्डविंग टूर की एक्स-शोरूम कीमत गुरुग्राम में 39.20 लाख रुपये है। वहीं फॉर्च्यूनर की एक्स-शोरूम कीमत करीब 32 लाख रुपये से शुरू होती है। कंपनी ने गुरुग्राम के अलावा मुंबई, बेंगलुरू, इंदौर, कोच्चि, हैदराबाद, चेन्नई और कोलकाता में स्थित एक्सक्लूसिव बिगविंग टॉपलाइन डीलरशिप पर इस लक्जरी बाइक की बुकिंग लेने लगी है। चेन्नई, कोच्चि और बेंगलुरू में इस बाइक की एक्स-शोरूम कीमत 40 लाख रुपये के पार है। कंपनी ने बाइक में 1,833 सीसी का इंजन दिया है, जो 170 एनएम टॉर्क जेनरेट करने में सक्षम है। होंडा गोल्डविंग टूर में एयरबैग के अलावा भी कई जबरदस्त फीचर दिए गए हैं।इसमें एक्सटेंडेड इलेक्ट्रिक स्क्रीन दिया गया है, जिसे बाएं हैंडलबार से ऑपरेट किया जा सकता है। कंपनी ने इसमें 7 इंच का टीएफटी लिक्विड क्रिस्टल डिस्प्ले स्क्रीन दिया है। होंडा की इस बाइक में जाइरोस्कोप भी है, जो टनल में भी राइडर को नेविगेशन की सुविधा देता है। इसमें एप्पल कारप्ले और एंड्रॉयड ऑटो है। इनके अलावा बाइक में ब्लूटूथ कनेक्टिविटी और यूएसबी टाइप-सी सॉकेट जैसे फीचर्स भी हैं।गोल्ड विंग बाइक के अन्य फीचर्स में क्रूज कंट्रोल भी शामिल है। इसमें कारों की तरह ऑटोमैटिक ट्रांसमिशन का फीचर भी है। बाइक में चार ऑटोमैटिक राइड मोड हैं। बाइक को मैनुअल मोड में भी चलाया जा सकता है। बाइक में होंडा सेलेक्टेबल टॉर्क कंट्रोल फीचर भी है, जो रियर व्हील का ट्रैक्शन बनाए रखता है। बाइक के सस्पेंशन को भी एडजस्ट किया जा सकता है। इसके टैंक की कैपेसिटी 21 लीटर है।

आईसीआईसीआई सिक्योरिटीज का मुनाफा बढ़कर 340 करोड़ पहुंचा

नई दिल्ली (ईएमएस)। आईसीआईसीआई सिक्योरिटीज का मुनाफा मार्च 2022 को समाप्त बीते वित्त वर्ष की चौथी तिमाही में तीन प्रतिशत बढ़कर 340 करोड़ रुपए पर पहुंच गया। इससे पिछले वित्त वर्ष की समान अवधि में कंपनी ने 329.47 करोड़ रुपए का मुनाफा कमाया था। कंपनी ने बयान में कहा कि तिमाही के दौरान उसकी आमदनी 21 प्रतिशत बढ़कर 892 करोड़ रुपए पर पहुंच गई, जो इससे पिछले साल की समान तिमाही में 739.34 करोड़ रुपए थी। आईसीआईसीआई सिक्योरिटीज के ग्राहकों की संख्या 76 लाख है। कंपनी ने समीक्षाधीन तिमाही में 6.2 लाख नए ग्राहक जोड़े। कंपनी के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि हमारे सभी कारोबारी खंडों ने वृद्धि दर्ज की है, जो हमारी क्रियान्वयन की क्षमता को दर्शाता है।

टोयोटा इनोवा क्रिस्टा बनी 1 एमपीवी

-कई कंपनियों के बीच तेज हो गई है जंग

नई दिल्ली (ईएमएस)। सात सीटर कारों को लेकर मारुति सुजुकी, किआ कारेन्स, टोयोटा, किआ मोटर्स और महिंद्रा के साथ ही रेनो जैसी कंपनियों के बीच जंग तेज हो गई है। इसकी वजह है भारत में 7 सीटर कारों की डिमांड का बढना। देश की नंबर 1 एमपीवी की पोजिशन पर रही मारुति सुजुकी अर्टिगा को पिछले महीने, यानी मार्च में टोयोटा इनोवा क्रिस्टा ने रिप्लेस कर दिया और अब यह प्रीमियम और महंगी एमपीवी देश में सबसे ज्यादा बिकने वाली एमपीवी बन गई है। वहीं, किआ मोटर्स की नई 7 सीटर कार कारेन्स ने लॉन्च होते ही धमाल मचा दिया है। तो चलिए, आज आपको भारत की टॉप सेलिंग एमपीवी के बारे में बताते हैं। भारत में सबसे ज्यादा बिकने वाली एमपीवी की बात करें तो पिछले महीने टोयोटा इनोवा क्रिस्टा की सबसे ज्यादा 7,917 यूनिट बिकी। फरवरी 2022 में इनोवा की महज 4,318 यूनिट बिकी थी और मार्च में इसकी मंथली सेल में 83 फीसदी की तेजी देखने को मिली। वहीं, दूसरे बेस्ट सेलिंग एमपीवी मारुति अर्टिगा रही, जिसकी कुल 7,888 यूनिट मार्च में बिकी है। फरवरी में अर्टिगा की कुल 11,649 यूनिट बिकी थी, जो कि मार्च में 32 फीसदी से ज्यादा घट गई। मार्च 2022 में बेस्ट सेलिंग एमपीवी की लिस्ट में किआ कारेन्स तीसरे नंबर पर रही, जिसकी कुल 7,008 यूनिट बिकी। तो ये थी टॉप 3 बेस्ट सेलिंग एमपीवी। आप आपको भारत में बिकने वाली बाकी पॉपुलर एमपीवी के बारे में बताते हैं। पिछले महीने मारुति एक्सएल6 की कुल 2,000 यूनिट बिकी। यह एमपीवी मारुति अर्टिगा जैसी ही दिखती है, लेकिन प्रीमियम सेगमेंट का होने की वजह से इसकी कीमत ज्यादा है। हाल ही में लॉन्च किआ कारेन्स की जबरदस्त बिक्री होती है। हालांकि, इस महीने किआ कारेन्स के बेस मॉडल की कीमत में 60 हजार रुपये की बढ़ोतरी की गई है।टॉप सेलिंग एमपीवी की लिस्ट में पांचवें नंबर पर किआ कार्निवल है, जिसकी 328 यूनिट पिछले महीने बिकी है। इसके बाद महिंद्रा मराजो की कुल 279 यूनिट बिकी है। इसके बाद रेनो ट्राइबर और डैटसन गो प्लस जैसी सस्ती एमपीवी भी हैं, जो लोगों को पसंद तो आती हैं, लेकिन इनकी ज्यादा बिक्री नहीं होती है।

सैमसंग गैलेक्सी एम53 5जी की लॉन्चिंग 22 को

-फोन अमेजन इंडिया के जरिए बिक्री के लिए होगा उपलब्ध

नई दिल्ली (ईएमएस)। साउथ कोरियन कंपनी सैमसंग गैलेक्सी एम53 5जी भारत में 22 अप्रैल को लॉन्च करेगी। कंपनी ने फोन का ऑफिशियल पेज भारत में लाइव कर दिया है। डिवाइस 22 अप्रैल को दोपहर 12 बजे लॉन्च किया जाएगा। कंपनी का कहना है कि फोन अमेजन इंडिया के जरिए बिक्री के लिए उपलब्ध कराया जाएगा। सैमसंग गैलेक्सी एम53 5जी का हाल ही में ग्लोबली लेवल पर पेश किया गया था और इसमें भारत में भी ये वही फीचर्स के साथ आएगा। जबकि भारत में गैलेक्सी एम53 5जी के लिए कोई ऑफिशियल प्राइज टैग नहीं है, जो कि 25,000 रुपये से कम के सेगमेंट में आएगा। गैलेक्सी एम53 5जी में 120एचज़ेड रिफ्रेश रेट के साथ 6.4-इंच एफएचडी+ अमोलेड डिस्प्ले है। सैमसंग गैलेक्सी एम53 5जी में ईएक्सवायएनओएस 1280 एसओसी मिलेगा, और ये 6जीबी या 8जीबी रैम के साथ पेश किया जाएगा। फोन 128जीबी एक्सपेंडेबल स्टोरेज के साथ भी आता है।

ये फोन टॉप पर सैमसंग के वन यूआई स्किन के साथ एंड्रॉयड 12 काम करता है। फोन ब्लू, ग्रीन और ब्राउन कलर में उपलब्ध है। पावर के लिए फोन में 25डब्ल्यू फास्ट-चार्जिंग सपोर्ट के साथ 5,000एमएएच की बैटरी दी गई है। कनेक्टिविटी ऑप्शन के तौर पर फोन में 4जी एलटीई, 5जी, वाई-फाई, ब्लूटूथ और कई सारे फीचर्स शामिल हैं। कैमरे के तौर पर सैमसंग गैलेक्सी एम53 5जी में क्वाड रियर कैमरा सेटअप मिलता है, जो कि 108 मेगापिक्सल का प्राइमेरी सेंसर मिलता है। इसमें 8 मेगापिक्सल का अल्ट्रा-वाइड शूटर, 2 मेगापिक्सल का डेप्थ सेंसर और 2 मेगापिक्सल का मैक्रो यूनिट सेंसर मिलता है। गैलेक्सी ए73 से कैमरा सिस्टम में डाउनग्रेड आया है, जिसमें मेन कैमरे पर ओआईएस के साथ-साथ हाई रेजोलूशन वाले अल्ट्रावाइड, मैक्रो और डेप्थ सेंसर हैं। सेल्फी के लिए सैमसंग गैलेक्सी एम53 5जी में 32 मेगापिक्सल फ्रंट कैमरा।

दैनिक पंचांग

22 अप्रैल 2022 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

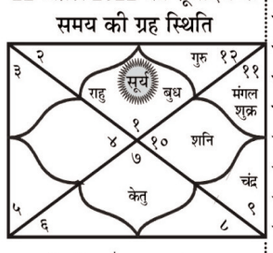

शुक्रवार 2022 वर्ष का 112 वां दिन **दिशाशूल** पश्चिम **ऋतु** बसंत। **विक्रम संवत्** 2079 **शक संवत्** 1944 **मास** वैशाख (दक्षिण भारत में चैत्र) **पक्ष** कृष्ण **तिथि** षष्ठी 08.43 बजे को समाप्त। **नक्षत्र** पूर्वाषाढ़ा 20.14 बजे को समाप्त। **योग** शिव 07.11 बजे तदनन्तर सिद्ध 04.13 बजे रात्र को समाप्त। **करण** वणिज 08.43 बजे तदनन्तर विष्टि 19.33 बजे को समाप्त। **चन्द्रायु** 20.7 घण्टे **रवि क्रान्ति** उत्तर 12° 07' **सूर्य** उत्तरायन **कलि अहर्गण** 1871226 **जूलियन दिन** 2459691.5 **कलियुग संवत्** 5123 **कल्पारंभ संवत्** 1972949123 **सृष्टि ग्रहारंभ संवत्** 1955885123 **वीरनिर्वाण संवत्** 2548 **हिजरी सन्** 1443 **महीना** रमजान **तारीख** 20 **विशेष** पृथ्वी दिवस।

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	मेष में	वृष	06.53 बजे से
चंद्र	धनु में	मिथुन	08.51 बजे से
मंगल	कुंभ में	कर्क	11.05 बजे से
बुध	मेष में	सिंह	13.21 बजे से
गुरु	मीन में	कन्या	15.33 बजे से
शुक्र	कुंभ में	तुला	17.44 बजे से
शनि	मकर में	वृश्चिक	19.58 ब.से
राहु	मेष में	धनु	22.14 बजे से
केतु	तुला में	मकर	00.19 बजे से
राहुकाल		कुंभ	02.06 बजे से
10.30 से		मीन	03.39 बजे से
12.00 बजे तक		मेष	05.09 बजे से

दिन का चौघड़िया				रात का चौघड़िया			
चर	05.55	से	07.23 बजे तक	रोग	05.38	से	07.1 बजे तक
लाभ	07.23	से	08.51 बजे तक	काल	07.11	से	08.43 बजे तक
अमृत	08.51	से	10.19 बजे तक	लाभ	08.43	से	10.15 बजे तक
काल	10.19	से	11.47 बजे तक	उद्वेग	10.15	से	11.47 बजे तक
शुभ	11.47	से	01.15 बजे तक	शुभ	11.47	से	01.19 बजे तक
रोग	01.15	से	02.43 बजे तक	अमृत	01.19	से	02.51 बजे तक
उद्वेग	02.43	से	04.10 बजे तक	चर	02.51	से	04.23 बजे तक
चर	04.10	से	05.38 बजे तक	रोग	04.23	से	05.55 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अतः आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। ■ Jagrutidaur.com, Bangalore

आज का राशिफल

शुभ संवत 2078, शाके 1943, सौम्य गोष्ठ, वैशाख कृष्ण पक्ष, बसंत ऋतु, गुरु उदय पूर्वे तथा शुक्रोदय पूर्वे तिथि षष्ठी, शुक्रवासरे, पू.षा.नक्षत्रे, शिवयोगे, वणिक करणे, धनु की चंद्रमा, भद्रा दो.12/21 तक जातकर्म, नामाकरण, अन्नप्रासन, धान्य छेदन, मुर्हूत, रवियोग सूती स्नान, मुर्हूत तथापि पूर्व दिशा की यात्रा शुभ उत्तम फलकारक होगी।

आज जन्म लिए बालक का फल.....

आज जन्म लिया बालक दार्शनिक, सुंदर, सुशील, कोमल हृदय, दयावान, उत्तम वृत्ति वाला, कुशल नौकरी-पैसे वाला, धनी-मानी, शिक्षक-शिक्षाविद् तथा दूध-दही तथा सोने-चांदी का व्यापारी, योगी-भोगी होगा।

मेष राशि :- मित्र से पीड़ा, यात्रा, विवाद, मातृ-कष्ट, व्यर्थ का विरोध, पड़ोसियों से विरोध बनेगा।

वृष राशि :- धन व्यय, व्यापार में प्रगति, शुभ कार्य होगा, परिवार में अनुकूलता बनी रहेगी।

मिथुन राशि :- पितृ-कष्ट, यात्रा योग, व्यय लाभ, अस्थिर व अशांति का वातावरण रहेगा।

कर्क राशि :- यात्रा सुख, भूमि लाभ, हर्ष, सिद्धी, खेती व गृह कार्य की व्यवस्था उत्तम बनेगी।

सिंह राशि :- शरीर कष्ट, अपव्यय, कार्य में सफलता, आर्थिक सुधारादि कार्य होंगे।

कन्या राशि :- खर्च, विवाद, स्त्री-कष्ट, विद्या-लाभ, धीरे-धीरे सुधार के साथ लाभ अवश्य ही होगा।

तुला राशि :- यात्रा से हानि, राजलाभ, शरीर कष्ट, खर्च अधिक होगा, ध्यान रखें।

वृश्चिक राशि :- वृत्ति से लाभ, यात्रा, सम्पत्ति लाभ, व्यापार में सुधार होगा, खर्च होते ही रहेंगे।

धनु राशि :- अल्प लाभ, चोटाग्नि भय, शरीर भय, मानसिक परेशानी, अपवाद या उलझन का सामना करेंगे।

मकर राशि :- शत्रु से हानि, अपव्यय, शरीरादि सुख होगा, कभी-कभी कुछ कमी की व्यवस्था बनेगी।

कुंभ राशि :- शुभ व्यय, संतान सुख, कार्य-सफलता, उत्साह में वृद्धि होगी, रुके कार्य बन जायेंगे।

मीन राशि :- पदोन्नति, राजभय, लाभ-हानि तथा अधिकारियों से मनमुटाव होगा, ध्यान दें।

DELHI CRIME 22 apr 2022:Layout 1 4/21/2022 6:19 AM Page 6

एंडी मरे ने क्ले कोर्ट सीजन को छोड़ने के अपने फैसले को बदला, मैड्रिड ओपन में लेंगे हिस्सा

मैड्रिड, (हि.स.)। पूर्व विश्व नं एक एंडी मरे ने मैड्रिड ओपन के लिए वाइल्डकार्ड प्रविष्टि की पुष्टि के बाद पूरे क्ले-कोर्ट सीजन को छोड़ने के अपने फैसले को बदल दिया है। इस साल का मैड्रिड ओपन मंगलवार से शुरू हो रहा है और इसका समापन 8 मई को होगा। मरे 2 मई से शुरू होने वाले इटैलियन ओपन में भी भाग ले सकते हैं। दो बार के विंबलडन चैंपियन ने पहले संकेत दिया था कि ग्रास कोर्ट की तैयारियों पर ध्यान केन्द्रित करने के लिए क्ले कोर्ट सीजन में हिस्सा नहीं लेंगे। हालांकि, उन्होंने अब अपनी योजनाओं को बदल दिया है और अगले सप्ताह मैड्रिड ओपन में हिस्सा लेंगे। 2017 में बोर्ना कोरिक के हाथों तीसरे दौर से बाहर होने के बाद मैड्रिड ओपन में मरे की यह पहली उपस्थिति होगी।

34 वर्षीय मरे को अपने पिछले छह टूर्नामेंटों में से दूसरे दौर में हार का सामना करना पडा है, जिसमें पिछले महीने के अंत में मियामी ओपन में दुनिया के दूसरे नंबर के खिलाड़ी डेनियल मेदवेदेव के हाथों मिली हार भी शामिल है। बता दें कि पूर्व विश्व नं. एक मरे ने 2008 के चैंपियनशिप मैच में गिल्स साइमन को हराकर अपना पहला मैड्रिड खिताब जीता था।

दिल्ली से मिली हार पर मयंक ने जताई निराशा, कहा-हमें इस हार को भूलकर आगे बढ़ना होगा

मुंबई, (हि.स.)। दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ करारी हार का सामना करने के बाद, पंजाब किंग्स के कप्तान मयंक अग्रवाल ने निराशा व्यक्त की और कहा कि वह चाहते हैं कि उनकी टीम इस हार को भूलकर आगे बढ़े। पंजाब के खिलाफ मैच में दिल्ली के गेंदबाजों ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए पंजाब किंग्स को 115 रनों पर समेट दिया और फिर वार्नर (नाबाद 60) और पृथ्वी शॉ (41) के बेहतरीन बल्लेबाजी की बदौलत दिल्ली ने 1 विकेट के नुकसान पर 10.3 ओवरों में टीम को जीत दिला दी। मैच के बाद मयंक ने कहा, "यह एक कठिन दिन है, आगे बढ़ने के लिए सबसे अच्छा है कि हम इसे भूल जाएं और आगे की ओर देखें। हमने अच्छी बल्लेबाजी और गेंदबाजी नहीं की, हमें बस आज से आगे बढ़ने की जरूरत है। हम बहुत जल्दी जल्दी विकेट को रहे हैं, यह एक चिंता का विषय है।" उन्होंने आगे कहा, "मैं बहुत ज्यादा नहीं सोचना चाहता, अगर हम ऐसा करते हैं, तो बहुत सारी नकारात्मक बातें सामने आएंगी। कुल 180 के आसपास का स्कोर प्रतिस्पर्धी हो सकता था। अंत में, मैं स्पिनरों को कुछ ओवर जल्दी दे सकता था, लेकिन मैंने ऐसा नहीं किया।" पंजाब किंग्स का 115 रन इंडियन प्रीमियर लीग 2022 में किसी भी टीम द्वारा अब तक का सबसे कम स्कोर है। इस मुकाबले में पहले बल्लेबाजी करते हुए पंजाब की टीम निर्धारित 20 ओवरों में 115 रनों पर सिमट गई। पंजाब की तरफ से जितेश शर्मा ने सर्वाधिक 32 रन बनाए। जितेश के अलावा कप्तान मयंक अग्रवाल ने 24 रनों की पारी खेली। दिल्ली की तरफ से कुलदीप यादव, खलील अहमद,ललित यादव और अक्षर पटेल ने दो-दो व मुस्तफिजुर रहमान ने 1 विकेट लिया। जवाब में दिल्ली ने वार्नर (नाबाद 60) और पृथ्वी शॉ (41) के बेहतरीन पारियों की बदौलत 10.3 ओवरों में 1 विकेट के नुकसान पर 119 रन बनाकर मैच जीत लिया। इन दोनों के अलावा सरफराज खान ने नाबाद 12 रन बनाए। पंजाब की तरफ से एकमात्र विकेट राहुल चाहर ने लिया।

सचिन और गेल ने पोलार्ड को उनके भविष्य के लिए दी शुभकामनाएं

मुंबई, (हि.स.)। भारत के पूर्व बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर और विस्फोटक बल्लेबाज क्रिस गेल ने वेस्टइंडीज के ऑलराउंडर कीरोन पोलार्ड को उनके भविष्य के लिए शुभकामनाएं दी। पोलार्ड ने बुधवार को अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास ले लिया था। पोलार्ड, वेस्टइंडीज की सीमित ओवरों की टीमों के कप्तान थे। उन्होंने कैरेबियाई टीम के लिए कुल 123 वनडे और 101 टी20 मैच खेले हैं। सचिन ने अपने ट्विटर पर कैरेबियाई ऑलराउंडर के साथ एक तस्वीर पोस्ट की और लिखा, " , "मैदान पर शानदार तेवर वाला एक फाइटर और चैलेंजर! बधाई पोली !!" सचिन और पोलार्ड 2010 से एक-दूसरे के साथ जुड़े हुए हैं, दोनों इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) फ्रेंचाइजी, मुंबई इंडियंस का हिस्सा हैं। इस बीच वेस्टइंडीज के बल्लेबाज क्रिस गेल ने अपने साथी खिलाड़ी पोलार्ड को अनोखे अंदाज में बधाई दी। गेल ने ट्वीट किया, "विश्वास नहीं हो रहा है कि आप मुझसे पहले संन्यास ले चुके हैं। आपके अंतरराष्ट्रीय करियर के लिए बधाई... आपके साथ खेलना बहुत अच्छा रहा। हैप्पी रिटायरमेंट... आपके अगले अध्याय के लिए शुभकामनाएं।" पोलार्ड वेस्ट इंडीज टीम का हिस्सा थे जिसने 2012 आईसीसी टी-20 विश्व कप जीता था। हालांकि चोट के कारण 2016 में वह अपने दूसरे टी-20 विश्व कप खिताब से चूक गए थे। उन्होंने अप्रैल 2007 में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ अपना एकदिवसीय पदार्पण किया और अगले वर्ष ब्रिजटाउन में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ अपने टी20 कैरियर की शुरूआत की। हालांकि उन्होंने वेस्टइंडीज के लिए कभी टेस्ट मैच नहीं खेला।

किसी एक टीम के खिलाफ 1000 रन बनाने वाले दूसरे बल्लेबाज बने वार्नर

मुंबई, (हि.स.)। दिल्ली कैपिटल्स के ऑस्ट्रेलियाई सलामी बल्लेबाज डेविड वार्नर ने बुधवार को इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में एक ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल कर ली है। वार्नर आईपीएल में किसी एक टीम के खिलाफ 1000 से अधिक रन बनाने वाले दूसरे बल्लेबाज बन गए हैं। उनसे पहले रोहित शर्मा ने यह उपलब्धि हासिल की है। बाएं हाथ के बल्लेबाज वार्नर ने पंजाब किंग्स के खिलाफ 1,000 रनों के आंकड़े को पार कर लिया है और आईपीएल इतिहास में किसी एक टीम के खिलाफ ऐसा करने वाले वह केवल दूसरे खिलाड़ी बन गए हैं। वार्नर से पहले भारतीय बल्लेबाज रोहित शर्मा ने यह कारनामा किया है। रोहित ने कोलकाता नाइट राइडर्स के खिलाफ 1018 रन बनाए हैं। दिल्ली और पंजाब के मैच की बात करें तो इस मुकाबले में पहले बल्लेबाजी करते हुए पंजाब की टीम निर्धारित 20 ओवरों में 115 रनों पर सिमट गई। पंजाब की तरफ से जितेश शर्मा ने सर्वाधिक 32 रन बनाए। जितेश के अलावा कप्तान मयंक अग्रवाल ने 24 रनों की पारी खेली। दिल्ली की तरफ से कुलदीप यादव, खलील अहमद,ललित यादव और अक्षर पटेल ने दो-दो व मुस्तफिजुर रहमान ने 1 विकेट लिया। जवाब में दिल्ली ने वार्नर (नाबाद 60) और पृथ्वी शॉ (41) के बेहतरीन पारियों की बदौलत 10.3 ओवरों में 1 विकेट के नुकसान पर 119 रन बनाकर मैच जीत लिया। इन दोनों के अलावा सरफराज खान ने नाबाद 12 रन बनाए। पंजाब की तरफ से एकमात्र विकेट राहुल चाहर ने लिया।

विजडन के साल के सर्वश्रेष्ठ पांच क्रिकेटरों में नामित हुए रोहित शर्मा और बुमराह

नई दिल्ली, (हि.स.)। भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान रोहित शर्मा और स्टार तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह को विजडन के साल के सर्वश्रेष्ठ पांच क्रिकेटरों में नामित किया गया है। दोनों ने पिछले साल इंग्लैंड दौरे पर बल्लेबाजी और गेंदबाजी औसत में शीर्ष स्थान हासिल किया था। पांच मैचों की इस श्रृंखला में भारतीय टीम 2-1 से आगे है, श्रृंखला का पांचवां और आखिरी टेस्ट कोविड के कारण रद्द कर दिया गया था, जो इस वर्ष जुलाई में खेला जाएगा। रोहित-बुमराह के अलावा, ओली रॉबिन्सन, डेवोन कॉनवे और डेन वान नीकेर को भी विजडन के वर्ष के पांच क्रिकेटरों के रूप में नामित किया गया है। दक्षिण अफ्रीका की लिजेल ली दुनिया की नई अग्रणी महिला क्रिकेटर हैं। इंग्लैंड के पूर्व कप्तान जो रूट को 2022 के लिए विजडन के विश्व में अग्रणी क्रिकेटर के रूप में नामित किया गया है। रूट के नाम बतौर टेस्ट कप्तान इंग्लैंड को सबसे अधिक मैचों में जीत दिलाने का रिकॉर्ड है। उनकी कप्तानी में इंग्लैंड ने 27 मैचों में जीत दर्ज की है। उनके बाद माइकल वॉन (26), सर एलेस्टेयर कुक और सर एंड्रयू स्ट्रॉस (प्रत्येक 24) हैं। 2017 में कुक के इस्तीफे के बाद रूट को कप्तान के रूप में नियुक्त किया गया था। उन्होंने कई प्रसिद्ध श्रृंखला जीत में इंग्लिश टीम का नेतृत्व किया है, जिसमें 2018 में भारत पर 4-1 से घरेलू श्रृंखला जीत और 2020 में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ 3-1 की जीत शामिल है।

पाकिस्तान -नीदरलैंड के बीच पहली द्विपक्षीय एकदिवसीय श्रृंखला अगस्त में

लाहौर, (हि.स.)। पाकिस्तान और नीदरलैंड अगस्त में अपनी पहली द्विपक्षीय एकदिवसीय श्रृंखला खेलेंगे। वहीं, रॉटरडैम तीन आईसीसी पुरुष क्रिकेट विश्व कप सुपर लीग मैचों की मेजबानी करेगा। श्रृंखला के तीनों मैच 16, 18 और 21 अगस्त को खेले जाएंगे। तीन सुपर लीग एकदिवसीय मैचों की योजना पहले जुलाई 2020 में बनाई गई थी, लेकिन कोविड-19 के प्रकोप के बाद इसे स्थगित करना पड़ा। मेजबान नीदरलैंड ने अपने 10 आईसीसी पुरुष क्रिकेट विश्व कप सुपर लीग मैचों में से दो जीते हैं, जबकि पाकिस्तान के पास 12 मैचों में 50 प्रतिशत का रिकॉर्ड है। पीसीबी निदेशक जाकिर खान ने एक बयान में कहा, "हमें खुशी है कि रॉयल डच क्रिकेट एसोसिएशन के समर्थन से, हम श्रृंखला को पुनर्निर्धारित करने में सक्षम हैं, जो नीदरलैंड में क्रिकेट के विकास के साथ-साथ 2023 विश्व कप के लिए दोनों टीमों की प्रगति की संभावनाओं के लिए महत्वपूर्ण है।"

उन्होंने आगे कहा, "हमारी पुरुष राष्ट्रीय क्रिकेट टीम का 2021-22 सीजन शानदार रहा और मुझे विश्वास है कि वे अच्छे क्रिकेट के साथ प्रवासी पाकिस्तानियों और डच दर्शकों का मनोरंजन करेंगे। यह श्रृंखला खेल के प्रति नए और युवा दर्शकों को आकर्षित करने में भी मदद करेगी।" डच टीम ने 2017 में आईसीसी विश्व क्रिकेट लीग चैम्पियनशिप जीतकर व 12 पूर्ण सदस्यों में शामिल होकर 13वें टीम के रूप में अपनी जगह पक्की की थी।

कुलदीप ने अक्षर पटेल के साथ साझा किया अपना 'प्लेयर ऑफ द मैच' पुरस्कार

मुंबई, (हि.स.)। दिल्ली कैपिटल्स के स्पिनर कुलदीप यादव ने अक्षर पटेल के साथ अपना 'प्लेयर ऑफ द मैच' पुरस्कार साझा किया। मुंबई के ब्रेबोर्न स्टेडियम में बुधवार को खेले गए आईपीएल 2022 के 32वें मुकाबले में कुलदीप ने पंजाब किंग्स के खिलाफ 24 रन देकर दो विकेट लिया, जिसके लिए उन्हें मैन ऑफ द मैच का पुरस्कार मिला। कुलदीप के अलावा अक्षर ने भी सिर्फ 10 रन देकर दो विकेट हासिल किए। पंजाब के खिलाफ मैच में दिल्ली के गेंदबाजों ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए पंजाब किंग्स को 115 रनों पर समेट दिया और फिर वार्नर (नाबाद 60) और पृथ्वी शॉ (41) के बेहतरीन बल्लेबाजी की बदौलत दिल्ली ने 1 विकेट के नुकसान पर 10.3 ओवरों में टीम को जीत दिला दी। मैच के बाद कुलदीप ने कहा, "मैं इस पुरस्कार को अक्षर के साथ साझा करना चाहता हूं। उसने अच्छी गेंदबाजी की और बीच में महत्वपूर्ण विकेट लिए।" अपने द्वारा लिए गए विकेटों के बारे में कुलदीप ने कहा, "मैंने रबाडा के खिलाफ बहुत खेला है और मुझे पता है कि वह अपने पैर ज्यादा नहीं हिलाता है, मेरी योजना एक चाइनामैन और फिर गुगली को गेंदबाजी करने की थी। दूसरा विकेट मुझे ऋषभ की वजह से मिला, जो मुझे राउंड द विकेट से गेंदबाजी करने के लिए कह रहे थे।" उन्होंने कहा, "ईमानदारी से कहूं तो मुझे इस सीजन में काफी आत्मविश्वास मिला है और मैं अपनी भूमिका को लेकर मानसिक रूप से भी स्पष्ट हूं। मैं सिर्फ अपनी लाइन और लेंथ पर ध्यान देता हूं न कि इस बात पर कि बल्लेबाज क्या करने जा रहा है। मैं अब वीडियो नहीं देखता हूं। जब आप बहुत भ्रमित होते हैं तो आप वीडियो देखते हैं कि एक बल्लेबाज क्या कर सकता है। मैं लंबे समय के बाद अपनी गेंदबाजी का आनंद ले रहा हूं और मेरा समर्थन करने का श्रेय ऋषभ को जाता है।" मैच की बात करें तो इस मुकाबले में पहले बल्लेबाजी करते हुए पंजाब की टीम निर्धारित 20 ओवरों में 115 रनों पर सिमट गई। पंजाब की तरफ से जितेश शर्मा ने सर्वाधिक 32 रन बनाए। जितेश के अलावा कप्तान मयंक अग्रवाल ने 24 रनों की पारी खेली। दिल्ली की तरफ से कुलदीप यादव, खलील अहमद, ललित यादव और अक्षर पटेल ने दो-दो व मुस्तफिजुर रहमान ने 1 विकेट लिया। जवाब में दिल्ली ने वार्नर (नाबाद 60) और पृथ्वी शॉ (41) के बेहतरीन पारियों की बदौलत 10.3 ओवरों में 1 विकेट के नुकसान पर 119 रन बनाकर मैच जीत लिया। इन दोनों के अलावा सरफराज खान ने नाबाद 12 रन बनाए। पंजाब की तरफ से एकमात्र विकेट राहुल चाहर ने लिया।

टिम सेफर्ट के कोरोना संक्रमित निकलने के बाद टीम में भ्रम और घबराहट का माहौल था : पंत

मुंबई, (हि.स.)। दिल्ली कैपिटल्स के कप्तान ऋषभ पंत ने कहा कि पंजाब किंग्स के खिलाफ मैच से पहले जब विकेटकीपर टिम सेफर्ट का कोविड-19 टेस्ट सकारात्मक आया तो टीम में बहुत भ्रम और घबराहट का माहौल था। बुधवार के आरटी-पीसीआर परीक्षण में सेफर्ट की रिपोर्ट सकारात्मक आई। यह दिल्ली की टीम में छठा कोविड मामला है। इससे पहले, ऑलराउंडर मिशेल मार्श ने भी सकारात्मक परीक्षण किया और उन्हें एक अस्पताल में भर्ती कराया गया। पंजाब के खिलाफ मैच के बाद पंत ने कहा, "जाहिर तौर पर हमारे शिविर में भ्रम था क्योंकि सुबह हमें पता चला कि टिम सेफर्ट भी कोरोना संक्रमण की चपेट में आ गए हैं। कुछ भ्रम, घबराहट थी, लेकिन हमने टीम की बैठक में बात की और इशारा किया कि हम किस पर ध्यान केंद्रित कर सकते हैं, बाहर से इतना शोर था कि हमने सोचा कि हम मैच पर ध्यान केंद्रित करेंगे।" पंजाब के खिलाफ मैच में दिल्ली के गेंदबाजों ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए पंजाब किंग्स को 115 रनों पर समेट दिया और फिर वार्नर (नाबाद 60) और पृथ्वी शॉ (41) के बेहतरीन बल्लेबाजी की बदौलत दिल्ली ने 1 विकेट के नुकसान पर 10.3 ओवरों में टीम को जीत दिला दी। पंत ने कहा, "ज्यादातर मैं शॉ और वार्नर को पूरी छूट देना पसंद करता हूं क्योंकि हर कोई टीम में अपनी भूमिका जानता है। हम हर मैच में सुधार करना चाहेंगे और केवल यही एक चीज है जिसे हम नियंत्रित कर सकते हैं, परिणाम हमारे नियंत्रण में नहीं हैं लेकिन हम हमारी गलतियों से सीख सकते हैं। इस तरह के विकेट पर मुझे लगा कि गेंद थोड़ी रुक रही है और इसलिए मैंने स्पिनरों का ज्यादा इस्तेमाल किया।" बता दें कि पंजाब का 115 रन इंडियन प्रीमियर लीग 2022 में किसी भी टीम द्वारा बनाया गया अब तक का सबसे कम स्कोर है।

वैंबेले स्टेडियम में मुक्केबाज टायसन फरी और डिल्लन व्हाइट एक पत्रकार वार्ता में आमने-सामने नजर आये। (फोटो-ईएमएस)

केरल की लगातार दूसरी जीत, हैदराबाद ने भी चखा जीत का स्वाद

गोवा, (हि.स.)। केरला ब्लास्टर्स एफसी ने कप्तान आयुष अधिकारी के गोल की बदौलत यहां जारी रिलायंस फाउंडेशन डेवलपमेंट लीग (आरएफडीएल) में बुधवार को लगातार दूसरी जीत दर्ज की। इसी तरह हैदराबाद एफसी ने भी पहली बार हो रहे इस टूर्नामेंट में जीत का स्वाद चखा। अपने पहले मैच में हैदराबाद को हराने वाली केरला ने दूसरे मैच में मुम्बई सिटी एफसी को एक गोल के अंतर से हराया जबकि हैदराबाद की टीम ने अपने दूसरे मैच में रिलायंस फाउंडेशन यंग चैंप्स (आरएफवाईसी) को 2-1 से शिकस्त दी। नागोवा मैदान पर अधिकारी ने अपनी टीम के लिए पांचवें मिनट में गोल किया जबकि दिन के दूसरे मैच में हैदराबाद ने आरएफवाईसी के डिफेंडर शिवाल्डो सिंह द्वारा 62वें किए गए आत्मघाती गोल और बिश्नू बोरडोलोई द्वारा 64वें मिनट में किए गए गोल की मदद से जीत हासिल की। आरएफवाईसी के लिए राजीबुल मिस्त्री ने 32वें मिनट में पेनाल्टी पर गोल किया था।

गेंदबाजों ने बल्लेबाजों का काम आसान कर दिया : डेविड वार्नर

मुंबई, (हि.स.)। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2022 में बुधवार को तीसरी जीत दर्ज करने के बाद, दिल्ली कैपिटल्स के सलामी बल्लेबाज डेविड वार्नर ने कहा कि गेंदबाजों ने पंजाब किंग्स को 115 रनों पर समेट कर बल्लेबाजों का काम आसान कर दिया। पंजाब किंग्स के खिलाफ मैच में, डेविड वार्नर ने 60 रनों की नाबाद अर्धशतकीय पारी खेली, जिसकी बदौलत दिल्ली ने पंजाब को आसानी से नौ विकेट से हरा दिया। अपना नाबाद अर्धशतकीय पारी के साथ ही वार्नर ने अपना लगातार तीसरा अर्धशतक और टूर्नामेंट में अपना 53 वां अर्धशतक दर्ज किया। उन्होंने 30 गेंदों की अपनी पारी में 10 चौके और एक छक्का लगाया। इसके अलावा वार्नर ने पंजाब किंग्स के खिलाफ 1,000 रनों के आंकड़े को भी पार किया और आईपीएल इतिहास में किसी एक टीम के खिलाफ रोहित शर्मा के बाद ऐसा करने वाला केवल दूसरे बल्लेबाज बने।

वार्नर ने मैच के बाद कहा, "मुझे लगता है कि गेंदबाजों ने शानदार काम किया और हमारे लिए इसे आसान बना दिया। हमें पीछा करने के दौरान पावरप्ले में कड़ी मेहनत करनी पड़ी। पिछली रात की तुलना में यह एक अलग सतह थी, लेकिन हमारे गेंदबाजों को श्रेय जाता है। आयोजकों का आभारी हूं कि हम अपने कमरों से बाहर निकलने और आज रात खेलने में सक्षम थे।" उन्होंने कहा, "मैं सिर्फ सकारात्मक होने की कोशिश कर रहा था और शॉ के साथ खेलने के लिए खुश हूं.. मेरे लिए पिच पर टिकना और अपना सर्वश्रेष्ठ देना यह मूल बातें है। मेरे बच्चे बस यह जानना चाहते हैं कि मैं जोस बटलर की तरह शतक क्यों नहीं बना सकता। यह बहुत अच्छा है कि दुनिया भर के छोटे बच्चे इस खेल को देखते हैं।" मैच की बात करें तो इस मैच में दिल्ली के गेंदबाजों ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए पंजाब किंग्स को 115 रनों पर समेट दिया और फिर बल्लेबाजों ने 10.3 ओवरों में टीम को जीत दिला दी। पंजाब का 115 रन इंडियन प्रीमियर लीग 2022 में किसी भी टीम द्वारा बनाया गया अब तक का सबसे कम स्कोर है।

DELHI CRIME 22 apr 2022:Layout 1 4/21/2022 6:19 AM Page 7

व्यापार शिखर सम्मेलन में 3.82 लाख करोड़ के निवेश के प्रस्ताव मिले: ममता बनर्जी

कोलकाता,(हि.स.)। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने गुरुवार को कहा है कि राज्य सरकार के दो दिवसीय विश्व बांग्ला व्यापार शिखर सम्मेलन के दौरान केवल 48 घंटे में तीन लाख 42 हजार करोड़ रुपये के निवेश के प्रस्ताव मिले हैं। उन्होंने बताया कि सम्मेलन में 137 एमओयू पर हस्ताक्षर हुए हैं। गुरुवार को मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने कहा कि इस बार का विश्व बंगला शिखर सम्मेलन अब तक का सबसे सफल वाणिज्यिक सम्मेलन रहा है। उन्होंने बताया कि 48 घंटे में तीन लाख 42 हजार करोड़ रुपये के निवेश के प्रस्ताव मिले हैं। इतनी बड़ी मात्रा में निवेश के प्रस्ताव का क्रियान्वयन होने पर 40 लाख लोगों को प्रत्यक्ष तौर पर रोजगार मिलेगा। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार अब तक छह विश्व बांग्ला व्यापार शिखर सम्मेलन का आयोजन कर चुकी है, जिसमें करीब 12 लाख करोड़ रुपये के निवेश के प्रस्ताव मिले हैं। इनमें से कई परियोजनाओं पर काम पूरा हो गया है। ममता ने दावा किया कि बानतला में चमड़े के कारोबार के स्थापित होने के बाद यहां सीधे तौर पर 10 लाख लोगों को रोजगार मिला है। राज्य में सूक्ष्म, मध्यम और लघु उद्योग के क्षेत्र में एक करोड़ 36 लाख रोजगार सृजित हुआ है। माइक्रोसॉफ्ट, फ्लिपकार्ट जैसी बड़ी कंपनियां यहां निवेश करना चाह रही हैं। मुख्यमंत्री ने बंगाल में निवेश के लिए दिलचस्पी दिखाने वाले उद्योगपतियों के प्रति आभार जताया। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार यहां निवेश और उद्योग को बढ़ावा देने के लिए जमीन उपलब्ध कराने के साथ-साथ सिंगल विंडो क्लीयरेंस प्रणाली विकसित कर चुकी है। ममता ने दावा किया कि पहले कई लोगों ने उन्हें सलाह दी थी कि कोरोना है, इसलिए फिलहाल व्यापार शिखर सम्मेलन न करें, ऐसे में कोई निवेश नहीं करना चाहेगा लेकिन मैंने कहा था कि लोगों में आत्मविश्वास बढ़ाने के लिए यह जरूरी है और इसका आयोजन हुआ।

व्यापारिक अनुष्ठान करने का समय आया-उद्योगपतियों को आश्वासन देते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि बंगाल में फिलहाल स्थिरता है और चिंता की कोई बात नहीं है। समस्याएं आ सकती हैं लेकिन उससे विकास बाधित नहीं होगा। जैसे महामारी आई वैसे ही दूसरी महामारी भी आ सकती है, लेकिन इससे हम रुकेंगे नहीं। हम लोग धार्मिक अनुष्ठान करते हैं, अब व्यापारिक अनुष्ठान करने का समय आ गया है।

अगले साल के शिखर सम्मेलन की तारीखें घोषित-ममता बनर्जी ने शिखर सम्मेलन के मंच से ही अगले साल होने वाले शिखर सम्मेलन की तारीखों की घोषणा भी कर दी। उन्होंने कहा कि अगले साल एक, दो और तीन फरवरी को तीन दिवसीय व्यापार शिखर सम्मेलन का आयोजन राज्य सरकार करेगी। ममता ने बताया कि इस बार महामारी की वजह से सबसे अधिक पर्यटन उद्योग प्रभावित हुआ है। इसलिए औद्योगिक शिखर सम्मेलन में सबसे ज्यादा जोर पर्यटन के क्षेत्र में निवेश पर दिया गया है। उन्होंने कहा कि पश्चिम बंगाल में उत्तर से दक्षिण तक माल एकत्रीकरण केंद्र विकसित किया जाएगा ताकि बंगाल में उत्पादित होने वाले सामानों को जल्द विदेश में आपूर्ति की जा सके।

जम्मू कश्मीर में आतंकवाद पर लगाम लगाने में एनआईए की महत्वपूर्ण भूमिका: गृहमंत्री

नई दिल्ली, (हि.स.)। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने गुरुवार को कहा कि राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने जम्मू कश्मीर में आतंकवाद पर लगाम लगाने में बेहतरीन काम किया है। इस केंद्र शासित राज्य में एनआईए द्वारा दर्ज किए गए आतंकवाद वित्त पोषण सं संबंधित मामलों से अब वहां आतंकी गतिविधियों के लिए धन उपलब्ध कराना मुश्किल हो गया है। उन्होंने कहा कि भारत सरकार आतंकवाद के विरुद्ध में शून्य सहिष्णुता की नीति बनाकर आगे बढ़ रही है।

एनआईए को भारत सरकार की ओर से कोई भी सहायता, किसी भी स्वरूप में अपेक्षित हो तो वो देने के लिए भारत सरकार प्रतिबद्ध है। शाह ने यहां अंबेडकर अंतरराष्ट्रीय केंद्र में 13वें एनआईए दिवस पर आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि उन्होंने कहा, एनआईए की जांच इस प्रकार के अपराधों में होती है जहां साक्ष्य मिलना मुश्किल होता है लेकिन इस-के बावजूद जांच एजेंसी ने उपलब्धि प्राप्त की है जो प्रेरणा है।

केंद्रीय गृह मंत्री ने आतंकवाद को मानवाधिकार का सबसे बड़ा उल्लंघन करार देते हुए कहा कि लोगों के अधिकारों की रक्षा करने के लिए इसे जड़ से मिटाना बहुत जरूरी है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की सरकार आतंकवाद के खिलाफ जीरो टॉलरेंस की नीति पर चल रही है और भारत इसको जड़ से खत्म करने की दिशा में काम कर रहा है। शाह ने कहा कि जम्मू कश्मीर में आतंकवादी संगठनों के मददगारों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करने और वहां आतंवाद से संबंधित सामग्री की आपूर्ति चेन को खत्म करने में एनआईए ने बेहतरीन प्रदर्शन किया है जो सराहनीय कार्य है।

महाराष्ट्र पुलिस में बड़ा फेरबदल

मुंबई (ईएमएस)। महाराष्ट्र सरकार ने बुधवार को बड़े फेरबदल के तहत नासिक के पुलिस आयुक्त दीपक पांडे सहित करीब 40 सीनियर पुलिस अधिकारियों को प्रमोट या ट्रांसफर कर दिया। पांडे ने कुछ दिन पहले आरोप लगाया था कि राजस्व विभाग के कुछ अधिकारियों की भू-माफियाओं से साठगांठ है। इस मुद्दे को सार्वजनिक करने के कारण उन्हें आलोचना का सामना करना पड़ा। कई आधिकारिक आदेशों में तबादलों और पदोन्नति की घोषणा की गई। जयंत नाइकनवारे, पुलिस उप महानिरीक्षक (वीआईपी सुरक्षा), पांडे की जगह अब नासिक पुलिस आयुक्त होंगे। मीडिया में आरोप लगाने पर राज्य के राजस्व मंत्री बालासाहेब थोराट ने पांडे की आलोचना की थी। पांडे को विशेष महानिरीक्षक (महिलाओं पर अत्याचार की रोकथाम विभाग) नियुक्त किया गया है। मुंबई क्राइम ब्रांच के ज्वाइंट कमीश्नर ऑफ पुलिस मिलिंद भारम्बे का तबादला राज्य के पुलिस महानिरीक्षक (आईजी) (कानून व्यवस्था) के तौर पर किया गया है। विशेष आईजी सुहास वारके का तबादला पुलिस अपराध शाखा मुंबई के संयुक्त आयुक्त पद पर हुआ है, जो पहले महाराष्ट्र में कानून-व्यवस्था का पद संभाल रहे थे। जालना के पुलिस अधीक्षक विनायक देशमुख को अतिरिक्त पुलिस आयुक्त के रूप में पदोन्नत किया गया और पश्चिम क्षेत्र मुंबई में तैनात किया गया है। पश्चिमी क्षेत्र के अतिरिक्त आयुक्त संदीप कार्णिक को संयुक्त पुलिस आयुक्त, पुणे भेजा गया है। अतिरिक्त पुलिस आयुक्त वीरेंद्र मिश्रा स्थानीय हथियार विभाग के प्रभारी थे, उन्हें अतिरिक्त पुलिस आयुक्त, उत्तर क्षेत्र में स्थानांतरित कर दिया गया है। प्रवीण कुमार पडवाल पहले उत्तर क्षेत्र में अतिरिक्त आयुक्त के रूप में तैनात थे, उन्हें संयुक्त आयुक्त आर्थिक अपराध विंग (ईओडब्ल्यू), मुंबई में तैनात किया गया है।

एसआईटी के सामने पेश होने पंजाब जरूर जाऊंगी : अलका लांबा

- केजरीवाल के खिलाफ भड़काऊ बयान मामले में पंजाब पुलिस ने लांबा को पूछताछ के लिए किया तलब

नई दिल्ली (ईएमएस)। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के खिलाफ भड़काऊ बयानों को लेकर दर्ज एक मामले के सिलसिले में पंजाब पुलिस ने आम आदमी पार्टी के पूर्व नेताओं कुमार विश्वास और अलका लांबा के घर पहुंचकर दोनों नेताओं को पूछताछ के लिए 26 अप्रैल को तलब किया गया है। अलका लांबा इन दिनों में कांग्रेस में हैं। उन्होंने कहा है कि वह पंजाब जरूर जाएंगी। उन्होंने यह भी कहा कि मैं डरने वाली नहीं हूं। पंजाब पुलिस से प्राप्त नोटिस ट्वीट करते हुए उन्होंने लिखा, पंजाब पुलिस द्वारा दिए गए कानूनी नोटिस के मुताबिक 26 अप्रैल मंगलवार सुबह 9 बजे एसआईटी के सामने पेश होने के लिए रूपनगर पंजाब जाऊंगी। जो कहा है उस पर सदा अडिग रहूंगी। डरने वालों में से नहीं हूं। ना ही आप की तरह नशा माफियाओं से लिखित में माफी मांग कर डर कर घर बैठ जाने वालों में से हूं। गौरतलब है कि पंजाब में रूपनगर के सदर थाने में 12 अप्रैल को मामला दर्ज किया गया है। कुमार विश्वास ने पंजाब विधानसभा चुनाव से पहले केजरीवाल पर अलगाव-वादियों का समर्थन करने का आरोप लगाया था। विश्वास ने पुलिस दल के उनके गाजियाबाद स्थित घर पहुंचने की जानकारी एक ट्वीट कर साझा की। उन्होंने चेतावनी दी कि आप संयोजक केजरीवाल एक दिन पंजाब के साथ धोखा करेंगे। कुमार विश्वास ने कहा था, सुबह-सुबह पंजाब पुलिस द्वार पर पधारी है। एक समय, मेरे द्वारा ही पार्टी में शामिल कराए गए भगवंत मान को आगाह कर रहा हूं कि तुम, दिल्ली में बैठे जिस आदमी को पंजाब के लोगों की दी हुई ताकत से खेलने दे रहे हो वो एक दिन तुम्हें व पंजाब को भी धोखा देगा। देश मेरी चेतावनी याद रखें। इससे पहले कांग्रेस नेता अलका लांबा ने कहा था कि पंजाब पुलिस ने उनके दिल्ली स्थित आवास के बाहर एक नोटिस चस्पा किया है और उन्हें विश्वास के खिलाफ दर्ज मामले में पूछताछ के लिए तलब किया है। उन पर विश्वास के बयानों का समर्थन करने का आरोप है। पंजाब पुलिस के इस कदम के बाद राज्य में विपक्ष ने भगवंत मान नीत सरकार पर आप नेता केजरीवाल की कठपुतली की तरह काम करने और आलोचकों को चुप करने के लिए बल का इस्तेमाल करने का आरोप लगाया। रूपनगर के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक संदीप गर्ग ने बताया कि हमने कुमार विश्वास के खिलाफ कानून के संबंधित प्रावधानों के तहत मामला दर्ज किया है। पुलिस ने बताया कि एक नोटिस में विश्वास को अपने आरोपों के समर्थन में सबूत पेश करने के लिए भी कहा गया है। पुलिस ने बयान में कहा कि जांच के तहत कुमार विश्वास को नोटिस भेजा गया है और उनके आरोपों के समर्थन में जो भी सबूत हैं, उन्हें पेश करने को कहा गया है।

दिल्ली सरकार ने सेवानिवृत्त राज्य चुनाव आयुक्त एसके श्रीवास्तव को जारी किया नोटिस

नई दिल्ली (ईएमएस)। दिल्ली सरकार के लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) ने बुधवार को राज्य चुनाव आयुक्त पैड से सेवानिवृत्त हुए आईएएस अधिकारी एसके श्रीवास्तव को बुधवार को अपना आधिकारिक आवास खाली करने को लेकर नोटिस जारी किया। खास बात की उन्हें 20 तारीख को मिले नोटिस में 20 अप्रैल तक मकान खाली करने को कहा है। अगर वो ऐसा नही करते है तो उन्हें हजार्ना देना होगा। एस के श्रीवास्तव को राज चुनाव आयुक्त रहते सरकारी आवास बंगला नंबर 2, सत्य सदन, मधु लिमये मार्ग, चाणक्य पुरी आवंटित किया गया था। बताते चले श्रीवास्तव तब सुर्खियों में आए जब उन्होंने मार्च में राज्य चुनाव आयोग में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान दिल्ली में तीन नगर निगमों के चुनाव की तारीखों की घोषणा को स्थगित कर दिया था। उन्होंने कहा था कि उन्हें केंद्र से एक पत्र मिला था और इसके आलोक में चुनाव की तारीखों की घोषणा को टाल दिया गया। अब श्रीवास्तव के सेवानिवृत्त होने के बाद दिल्ली सरकार पूर्व रिटायर्ड मुख्य सचिव विजय देव लेंगे। देव गुरुवार को दिल्ली के राज्य चुनाव आयुक्त के रूप में कार्यभार संभालेंगे।

हज कमेटी आफ इंडिया के अध्यक्ष और उपाध्यक्ष की चुनाव प्रक्रिया को रोकने की मांग

नई दिल्ली, (हि.स.)। हज कमेटी आफ इंडिया एक बार फिर विवादों में घिर गई है। कमेटी के अध्यक्ष और उपाध्यक्ष के चुनाव को लेकर लोकसभा सांसद दानिश अली ने केंद्रीय अल्पसंख्यक कार्य मंत्री मुख्तार अब्बास नकवी को पत्र लिखकर 22 अप्रैल को कमेटी के अध्यक्ष और उपाध्यक्ष पदों के लिए होने वाली चुनाव प्रक्रिया को रद्द करने की मांग की है। उनका कहना है कि 1 अप्रैल को 11 सदस्यीय हज कमेटी का ऐलान किया गया है, जो कि असंवैधानिक है। उनका कहना है कि कानून के मुताबिक 23 सदस्यीय हज कमेटी के गठन का ऐलान किया जाना चाहिए था लेकिन महज 11 सदस्यों की घोषणा की गई है। यह हज एक्ट 2002 का खुला उल्लंघन है। दानिश अली का कहना है कि हज कमेटी के सभी सदस्यों का जब तक चुनाव नहीं हो जाए, तब तक अध्यक्ष और उपाध्यक्ष के चुनाव की प्रक्रिया को रद्द कर देना चाहिए। केंद्रीय अल्पसंख्यक कार्य मंत्री मुख्तार अब्बास नकवी को लिखे पत्र में इस बात पर आपत्ति जताई गई है कि सदस्यों के चुनाव में हज कमेटी के एक्ट का सही तरीके से पालन नहीं किया जा रहा है। हज कमेटी ऑफ इंडिया में 23 सदस्य होते हैं। लेकिन 1 अप्रैल को सरकार के जरिए जारी की गई अधिसूचना में मात्र 11 सदस्यों की घोषणा की गई है। उनका कहना है कि कमेटी में 19 सदस्य गैर सरकारी होते हैं और 4 सदस्य सरकारी होते हैं, जिन्हें कमेटी के अध्यक्ष और उपाध्यक्ष के चुनाव में वोट डालने का अधिकार नहीं होता है। उन्होंने बताया कि हज कमेटी के 19 सदस्यों के जरिए ही हमेशा से अध्यक्ष और उपाध्यक्ष का चुनाव किया जाता रहा है और इसी परंपरा को आगे भी जारी रखा जाना चाहिए। सांसद दानिश अली ने नकवी से

अनुरोध किया है कि हज कमेटी के अध्यक्ष और उपाध्यक्ष का चुनाव हज अधिनियम 2002 के अनुसार ही किया जाना चाहिए। उन्होंने बताया कि 9 दिसंबर, 2021 को लोकसभा में उनके जरिए हज कमेटी के पुनर्गठन का मुद्दा उठाया गया था। गौरतलब है कि हज कमेटी ऑफ इंडिया के पूर्व सदस्य हाफिज नौशाद अली ने भी केंद्रीय मंत्री मुख्तार अब्बास नकवी से 22 अप्रैल को आयोजित होने वाली हज कमेटी ऑफ इंडिया की बैठक को रद्द करने की मांग की है। उन्होंने कहा है कि जब तक 23 सदस्यीय हज कमेटी का पुनर्गठन नहीं हो जाता है तब तक कमेटी के अध्यक्ष और उपाध्यक्ष के चुनाव की प्रक्रिया को डाल देना चाहिए। उनका कहना है कि अगर सरकार की तरफ से ऐसा नहीं किया जाता है तो यह हज एक्ट 2002 का उल्लंघन होगा।

जो भाजपा से मिलेगा, वह सपा में नहीं दिखेगा: अखिलेश यादव

- अखिलेश यादव शिवपाल पर हुए सख्त तो दूसरी तरफ आजम को मनाने की कर रहे कोशिश

लखनऊ (ईएमएस)। उत्तर प्रदेश की राजनीति में इन दिनों यह सबसे बड़ा सवाल बना हुआ है कि समाजवादी पार्टी (सपा) में चली बगावत की आंधी पार्टी को किस हद तक नुकसान पहुंचाएगी? एक तरफ शिवपाल यादव बगावत का बिगुल फूंक चुके हैं तो दूसरी तरफ आजम खान का परिवार भी नाराज है। इस बीच अखिलेश यादव ने एक तरफ शिवपाल यादव को इशारों में भाजपा का करीबी बताते हुए चले जाने को कह दिया तो दूसरी तरफ आजम खान को मनाने की कोशिश शुरू कर दी है। शिवपाल के भाजपा संग जाने की अटकलों के बीच अखिलेश यादव ने परोक्ष रूप से स्वीकार किया है कि चाचा अब विरोधी दल के संपर्क में हैं और साफ कर दिया कि ऐसे लोग सपा के साथ नहीं रहेंगे। हाल ही में आगरा में शिवपाल यादव को लेकर किए गए सवाल पर अखिलेश यादव ने दो टूक कहा कि जो भाजपा से मिलेगा, वह सपा में नहीं दिखेगा। माना जा रहा है कि शिवपाल यादव अपने अगले कदम का खुलासा कर सकते हैं। पिछले कुछ दिनों से आजम खान का खेमा भी अखिलेश यादव से खुलकर नाराजगी जाहिर कर रहा है। आजम के समर्थन में मुस्लिम नेताओं के ताबड़तोड़ इस्तीफों के बीच सपा गठबंधन के साथी और रालोद प्रमुख जयंत चौधरी आजम खान के घर पहुंचे।

अटकलें हैं कि जयंत अखिलेश के दूत के रूप में आजम के घर पहुंचे थे और मुस्लिम नेता को मनाने की कोशिश की जा रही है। हालांकि, अखिलेश ने इस बात से इनकार किया कि उन्होंने जयंत को भेजा है लेकिन पार्टी सूत्रों का कहना है जयंत अखिलेश की मर्जी के बिना आजम के घर नहीं गए। बताया जा रहा है कि इन दिनों जयंत के साथ दिखने वाले भीम आर्मी के अध्यक्ष चंद्रशेखर बुधवार को आजम खान से जेल में मुलाकात करने वाले थे, लेकिन तबीयत ठीक नहीं होने की वजह से उन्हें इसे टालना पड़ा। वह अगले सप्ताह आजम से मिलकर अखिलेश का संदेश उन तक पहुंचाएंगे। राजनीतिक जानकारों के मुताबिक, अखिलेश चाचा शिवपाल के अलगाव को मंजूर कर चुके हैं। वह चाचा को साथ रखने के लिए कोई भी कुबार्नी देने को तैयार नहीं है। इस बात को काफी हद तक उन्होंने चुनाव में उसी समय साफ कर दिया था जब शिवपाल को महज एक सीट दी थी और सपा के सिंबल पर ही लड़ने को मजबूर किया। दूसरी तरफ, अखिलेश इस बात को अच्छी तरह जानते हैं कि आजम खान के अलगाव से पार्टी को काफी नुकसान हो सकता है, इसलिए उन्हें मनाने की कोशिशें शुरू कर दी गई हैं। हालांकि, अखिलेश प्रत्यक्ष तौर पर इसे स्वीकार करने से बच रहे हैं।

हमारे सहयोगी संरक्षक एवम् ब्यूरो प्रमुख
प्रधान सम्पादक – नरेन्द्र कुमार

सहयोगी संरक्षक
अनिल सेठी
नरेश ए बाबू-कार्यकारी निदेशक
कला सहयोगी-मोहित शुक्ला, रजनीश

सदस्य एवं रिपोर्टर
•राजकुमार कश्यप (दिल्ली) •दीपक कुमार (पटियाला)
• वीरेन्द्र कुमार ठाकुर •वीरेंद्र सिंह बघेल (फरीदाबाद)
• अनीता सिंह •राम नाथ •मुकेश गुप्ता, मीनाक्षी निगम
•मोहम्मद शमशेर (दिल्ली) • मुकेश जोशी (उत्तराखण्ड)
• अशोक कुमार, काजल शर्मा (गुरूग्राम)
• अवध किशोर त्रिपाठी (अहमदाबाद)
•श्याम लाल (मेरठ) •रामनरेश सिंह (पडरौना, उत्तरप्रदेश)
•नवीन सुरेल, तालबहेट, ललितपुर, (झाँसी)
• ओम शुक्ला, मनीष शुक्ला, शिवम शुक्ला (कानपुर)
• ओमपाल वर्मा, इन्द्रमणी मंडल (रायपुर छत्तीसगढ़)
• फ्रूमू लामों सिलीगुड़ी, रोशन कुमार मिश्रा (पश्चिम बंगाल)
• सतीश कुमार जट्टपुरा (करनाल)

उपरोक्त सभी पद अवैतनिक हैं।

समाचार पत्र में प्रकाशित सामग्री, लेख, रचनाओं, एवम् विज्ञापनों में लेखकों और विज्ञापन दाताओं के अपने विचार हैं। इसके लिए दिल्ली क्राईम व भ्रष्टाचार विरोधी मोर्चा की किसी भी तरह की जिम्मेदारी नहीं है। किसी भी विवाद की स्थिति में न्याय क्षेत्र दिल्ली ही मान्य होगा।

विशेष :- किसी भी परिस्थिति में निर्णय लेने का अधिकार केवल संपादक को है।

S-529, स्कूल ब्लॉक, शकरपुर, दिल्ली - 110092
संपर्क – 011-35631400
Customer Care No.
83750 00628

ADVERTISMENT RATE
TARIFF PLAN

FULL PAGE | HALF PAGE | QUARTER PAGE

FULL FRONT PAGE	₹ 1,20,000/-
FULL INNER PAGE	₹ 60,000/-
FULL BACK PAGE	₹ 90,000/-
HALF FRONT PAGE	₹ 66,000/-
HALF PAGE INNER	₹ 36,000/-
HALF PAGE BACK	₹ 51,000/-
QTR. PAGE FRONT	₹ 36,000/-
QTR. PAGE INNER	₹ 21,000/-
QTR. PAGE BACK	₹ 30,000/-

Classifieds Ads. Per Column / 3 CM. Rs.2100/-
Visiting Card Size Advertisements:
Front Page Rs. 6000/- Back Page Rs. 4500/-
Inner Page Rs.3000/-

DELHI CRIME 22 apr 2022:Layout 1 4/21/2022 6:19 AM Page 8

अमिताभ बच्चन के नाती अगस्त्य नंदा फिल्म 'द आर्चीज' से कर रहे डेब्यू

मुंबई (ईएमएस)। सदी महानायक अमिताभ बच्चन के नाती अगस्त्य नंदा भी फिल्मी दुनिया में प्रवेश करने जा रहे है। बिग बी अपनी पर्सनल और प्रोफेशनल लाइफ से जुड़ी जानकारी शेयर करने, त्योहारों की शुभकामनाएं देने के लिए और अन्य कामों के लिए सोशल मीडिया का इस्तेमाल करते हैं। अब उन्होंने अपने नाती अगस्त्य नंदा के बॉलीवुड डेब्यू की खबर देने के लिए सोशल मीडिया का इस्तेमाल किया है। सोमवार को अमिताभ बच्चन ने अपने नाती अगस्त्य नंदा को उनकी पहली फिल्म के लिए आशीर्वाद देने के लिए एक पोस्ट लिखा। उन्होंने अपने पोस्ट में अगस्त्य नंदा पर गर्व होने की बात भी कही है। अमिताभ बच्चन ने अपने पोस्ट में कहा कि उन्हें बेहद गर्व है कि क्योंकि अगस्त्य ने नेटफ्लिक्स की लाइव-एक्शन, म्यूजिक फिल्म द आर्चीज के लिए शूटिंग शुरू कर दी है। अपने पोस्ट में अमिताभ बच्चन ने लिखा- अगस्त्य... आपके जीवन में एक नया अध्याय शुरू हो रहा है और हम सभी के बीच इससे बड़ी खुशी नहीं हो सकती.. मेरा आशीर्वाद मेरा प्यार और मेरी शुभकामनाएं तुम्हारे साथ हैं अच्छा करो.. और झंडा फहराते रहो। अगस्त्य जोया अख्तर के निर्देशन में बन रही द आर्चीज में प्रिय कॉमिक बुक चरित्र आर्ची एंड्रयूज के रूप में दिखाई देंगे। उन्होंने अपने पोस्ट में यह भी इशारा किया है कि इस फिल्म में अगस्त्य नंदा के साथ शाहरुख खान-गौरी खान की बेटी सुहाना खान और बोनी कपूर-श्रीदेवी की छोटी बेटी खुशी कपूर भी अपने फिल्मी करियर की शुरूआत कर रही हैं। अगस्त्य नंदा अमिताभ बच्चन के नाती और श्वेता बच्चन नंदा और बड़े कारोबारी निखिल नंदा के बेटे हैं।

ओटीटीपी पर कंगना रनौत का शो 'लॉकअप' सुर्खियों में, मुनव्वर के खुलासे ने किया भावुक

मुंबई (ईएमएस)। बड़े पर्दे की महारानी कहलाने वाली अदाकारा कंगना रनौत के ओटीटीपी पर होस्टेड शो लॉकअप को लेकर दर्शक और प्रशंसक भावुक है। शो के प्रतिभागी कभी आपसी झगड़ों तो कभी अपने हैरान कर देने वाले खुलासों के चलते चर्चा में रहते हैं। शो में कंटेस्टेंट्स अब तक खुद से जुड़े कई खुलासे कर चुके हैं और अब स्टैंड अप कॉमेडियन मुनव्वर फारूकी ने एक ऐसा खुलासा किया है, जिसने होस्ट कंगना रनौत, लॉकअप के कंटेस्टेंट्स और दर्शकों को भावुक कर दिया है। मुनव्वर ने बीते दिनों अपने शादीशुदा होने और एक बच्चे का अब्बा होने का खुलासा किया था और अब उन्होंने अपनी मां के सुसाइड के बारे में बताकर दर्शकों को हैरान कर दिया है। मुनव्वर ने बताया कि जब वह बहुत छोटे थे, उनकी अम्मी का निधन हो गया था। उनकी मां की मौत सुसाइड के चलते हुई थी। मुनव्वर ने बताया कि उनकी अम्मी कई वजहों से परेशान चल रही थीं, इन परेशानियों से छुटकारा पाने के लिए उन्होंने तेजाब पी लिया और अपनी जान दे दी। मुनव्वर ने वीकेंड एपिसोड में होस्ट कंगना रनौत के आगे यह खुलासा किया। मुनव्वर इस बारे में बात करते हुए कहते हैं- जनवरी 2007 को मेरी दादी एक सुबह मुझे उठाने आईं और कहा कि तेरी मां को कुछ हो गया है। जब हम उन्हें अस्पताल लेकर गए तो वह चिल्ला रही थीं। उन्हें इमरजेंसी रूम से बाहर लाया गया तो मैंने उनका हाथ पकड़ लिया। मेरे घर के सारे लोग वहीं थे, लेकिन मुझे कोई कुछ नहीं बता रहा था। किसी ने नहीं बताया कि मेरी मां को क्या हुआ है। मुनव्वर ने आगे कहा- थोड़ी देर बाद मेरी दादी मेरे पास आईं और कहा- तेरी मां ने जहर पी लिया है। अगर किसी को बताया तो हमे परेशानी हो जाएगी। मैंने तुरंत ये बात अपनी मौसी की बेटी को बताई, जो नर्स थी। इसके बाद उनका इलाज शुरू हो सका। शुक्रवार की दोपहर थी। एक समय आया जब डॉक्टर्स ने कहा अब हाथ छोड़ दो। मुझे पता चल गया कि मेरी मां नहीं रहीं। मैं आज भी उन्हें नहीं छोड़ पा रहा हूं।

दक्षिण भारतीय अभिनेता राम चरण के बाद जूनियर एनटीआर भी अध्यात्म की राह पर

- दीक्षा के नियमों के तहत 21 दिनों तक रहेंगे नंगे पैर और करेंगे सात्विक भोजन

चेन्नई (ईएमएस)। दक्षिण भारतीय फिल्मों के दिग्गज निदेशक एस एस राजामौली की आरआरआर की रिलीज के बाद से यहां के अभिनेता राम चरण और जूनियर एनटीआर चर्चा में बने हुए हैं। फिल्म ने रिलीज के बाद तो दुनियाभर के थिएटरों में तहलका ही मचा दिया। ये 1000 करोड़ के क्लब में भी शामिल हो चुकी है। इसके हिंदी वर्जन तक को दर्शकों से शानदार प्रतिसाद मिल रहा है। इसी बीच जूनियर एनटीआर एक बार फिर से सुर्खियों में आ गए हैं। इसकी वजह कोई फिल्म नहीं बल्कि अध्यात्म है। दरअसल, फिल्म आरआरआर की रिलीज के बाद एक्टर राम चरण ने सबरीमाला मंदिर में जाकर दीक्षा ली थी। अब जूनियर एनटीआर को लेकर खबर सामने आ रही है कि वो उन्होंने भी दीक्षा ले ही है मगर, एक्टर ने हनुमान दीक्षा ली है। ऐसे में बताया जा रहा है कि वो करीब 21 दिनों तक नंगे पैर रहने वाले हैं और इतना ही नहीं दीक्षा के नियमों का पालन करने के लिए वो सात्विक भोजन भी खाने वाले हैं। उनकी एक फोटो भी सोशल मीडिया पर वायरल हो रही है, जिसमें उन्हें भगवा रंग के कुर्ता पायजामा, गले माला और माथे पर तिलक लगाए हुए देखा जा सकता है। मीडिया रिपोर्ट्स की मानें तो एक्टर जूनियर एनटीआर को एक मंदिर में पूजा करते और दीक्षा लेते हुए देखा गया था। रिपोर्ट्स की मानें तो उन्होंने हनुमान जयंती पर पूजा की थी और इसी दौरान उन्हें भगवा कपड़ों में देखा गया था। अब ऐसे में उनका वायरल फोटो में लुक देखकर कहा जा रहा है कि वो धार्मिक रूप से पूरी तरह ली हुई दीक्षा का पालन कर रहे हैं। बताया ये भी जा रहा है कि वो नंगे पैर और सात्विक भोजन करीब 21 दिनों तक करेंगे। आपको बता दें कि जूनियर एनटीआर से पहले मेगास्टार राम चरण ने भी अयप्पा दीक्षा ली थी। वो 45 दिनों के नियमों का पालन कर रहे हैं। क्योंकि, इससे पहले राम चरण को आरआरआर की सक्सेस पार्टी में नंगे पैर देखा गया था। बहरहाल, अगर जूनियर एनटीआर के वर्कफ्रंट की बात की जाए तो वो इन दिनों आरआरआर की सफलता का आनंद ले रहे हैं। इसके अलावा उन्हें डायरेक्टर कोराताला शिवा की फिल्म में देखा जाएगा। इसके लिए एक्टर ने अपना वजन घटाया है।

काजल अग्रवाल और गौतम किचलू के घर गूंजी किलकारी

एक्ट्रेस काजल अग्रवाल मां बन गई हैं। रिपोर्ट्स के अनुसार काजल ने 19 अप्रैल को बेटे को जन्म दिया है। हालांकि अभी तक उन्होंने इस बात की ऑफिशियल अनाउंसमेंट नहीं की है। वहीं जब से इस खबर को उनके फैंस ने सुना है तब से वो काजल और उनके पति गौतम को बधाई दे रहे हैं और बच्चे की एक छलक पाने के लिए बेताब हो रहे हैं। काजल ने नए साल के मौके पर प्रेगनेंसी की खबर सबको बताई थी। काजल ने बेबी बम्प फ्लॉन्ट करते हुए कैप्शन में लिखा था, "मैंने पुराने अंत के लिए आंखें बंद कर ली हैं और नई शुरूआतों के लिए आंखें खोल ली हैं। हैप्पी न्यू ईयर। मैं 2021 के लिए बहुत शुक्रगुजार हूं और पूरी आशा, विनम्रता और अपने दिल में प्यार के साथ 2022 में बढ़ रही हूं।" काजल अग्रवाल ने अक्टूबर 2020 में गौतम किचलू से मुंबई के ताज महज पैलेस में शादी की थी। इस शादी में कपल के कुछ करीबी रिश्तेदार और दोस्त शामिल हुए थे।

तम्बाकू का विज्ञापन करने पर अक्षय कुमार को हुआ पछतावा, पोस्ट शेयर कर फैंस से मांगी माफी

फिल्म अभिनेता अक्षय कुमार ने हाल ही में पान मसाला का एक विज्ञापन किया था, जिसे लेकर वह ट्रोलर्स के निशाने पर आ गए थे। फैंस सोशल मीडिया के जरिये उनके इस विज्ञापन की आलोचना कर रहे थे। वहीं अब अक्षय कुमार ने फैंस की आलोचनाओं को देखते हुए इस विज्ञापन से अपने पैर पीछे खिंच लिए हैं। अक्षय कुमार ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट शेयर कर फैंस से माफी मांगी है। अपनी पोस्ट में अभिनेता ने लिखा-' मैं अपने सभी फैंस और शुभचिंतकों से माफी मांगना चाहता हूं। बीते कुछ दिनों में आप के रिस्पॉन्स ने मुझे झकझोर दिया। मैं तंबाकू का समर्थन नहीं करता। आप सभी ने जिस तरह विमल इलायची के साथ मेरे जुड़ाव पर अपनी भावनाएं जाहिर की मैं उनका सम्मान करता हूं मैं पूरी विनम्रता के साथ इससे पीछे हटता हूं। मैंने इस विज्ञापन से मिलने वाली सारी रकम को किसी नेक काम में लगाने का फैसला किया है। कानूनी वजहों से इस विज्ञापन को तय वक्त तक प्रसारित करने का कॉन्ट्रैक्ट है। हालांकि, मैं आगे से सावधान रहने का वादा करता हूं।मैं हमेशा आप लोगों का प्यार चाहता हूं।' अक्षय के इस पोस्ट पर उनके फैंस जमकर प्रतिक्रिया दे रहे हैं और अभिनेता की तारीफ कर रहे हैं। अक्षय कुमार इन दिनों बॉलीवुड के सबसे व्यस्ततम अभिनेताओं में से एक है। वर्कफ्रंट की बात करें तो अक्षय कुमार जल्द ही कई फिल्मों में नजर आने वाले हैं, जिसमें पृथ्वीराज, रामसेतु, रक्षाबंधन आदि शामिल हैं।

अजय देवगन ने उड़ाया कपिल का मजाक, बोले-तू ढंग के कपड़े नहीं पहनता

अजय देवगन हाल ही में द कपिल शर्मा शो के सेट पर अपनी अपकमिंग फिल्म 'रनवे 34' के प्रमोशन के लिए पहुंचे। अपकमिंग एपिसोड के प्रोमो में कपिल अजय की टांग खींचते हुए पूछते हैं, "मैंने सूट में देखा तो मुझे लगा सर ने बैंक तो जॉइन नहीं कर लिया।" जिस पर अजय ने जवाब देते हुए कहा, "तू तो ढंग के कपड़े पहनता नहीं हैं तो मैंने सोचा शो को थोड़ा उठाने के लिए मैं ही पहन लूं।" कपिल के शो पर अजय के साथ रकुल प्रीत सिंह, ऑगिरा धर और आकांक्षा सिंह भी पहुंची। अजय की यह फिल्म 29 अप्रैल को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। फिल्म में अमिताभ बच्चन भी लीड रोल में नजर आएंगे। फिल्म एक सच्ची घटना पर आधारित है। अजय ने फिल्म में एक्टिंग के साथ इसका डायरेक्शन भी किया है।

बड़े पर्दे पर धूम मचाने के बाद अब नेटफ्लिक्स पर स्ट्रीम होगी 'गंगूबाई काठियावाड़ी'

आलिया भट्ट की गजब की अदाकारी से सजी फिल्म गंगूबाई काठियावाड़ी सिल्वर स्क्रीन पर धूम मचाने के बाद अब ओटीटी प्लेटफॉर्म पर आने को तैयार है। सूत्रों की मानें तो यह फिल्म इसी महीने 26 तारीख को नेटफ्लिक्स पर स्ट्रीम होगी। गंगूबाई की कहानी अब आप नेटफ्लिक्स पर हिंदी और तेलुगु दोनों भाषा में देख सकेंगे। एस हुसैन जैद द्वारा लिखित पुस्तक- मुंबई के माफिया क्वींस पर आधारित, गंगूबाई काठियावाड़ी की कहानी गुजरात के एक छोटे से शहर काठियावाड़ की एक साधारण लड़की के इर्द-गिर्द घूमती है। संजय लीला भंसाली द्वारा लिखित और निर्देशित ये फिल्म शानदार अभिनय, संगीत और सिनेमेटोग्राफी की वजह से खूब चर्चा में रही थी। फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर 128 करोड़ के लगभग का कलेक्शन किया है। उल्लेखनीय है कि फिल्म गंगूबाई काठियावाड़ी हुसैन जैदी की किताब के एक चैप्टर माफिया क्वींस ऑफ मुंबई पर आधारित है। फिल्म में आलिया भट्ट मुख्य भूमिका में हैं, जो गंगूबाई काठियावाड़ी के रोल में नजर आएंगी। फिल्म में आलिया माफिया क्वीन बनी हैं। आलिया के अलावा फिल्म में अजय देवगन , विजय राज और शांतनु माहेश्वरी भी अहम भूमिका में हैं। संजय लीला भंसाली और जयंतीलाल गोयल द्वारा निर्मित यह फिल्म इसी साल 25 फरवरी को सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी।

मिस्टर परफेक्शनिस्ट ने बेटे के साथ खुलकर उठाया आम का लुत्फ, वायरल हुआ वीडियो

चुनिंदा फिल्मों में काम करने के लिए जाने वाले बॉलीवुड के मिस्टर परफेक्शनिस्ट यानी आमिर खान का एक वीडियो बुधवार को सोशल मीडिया पर तेजी के साथ वायरल हो रहा है। वीडियो में आमिर खान अपने सबसे छोटे बेटे आजाद के साथ आम का लुत्फ लेते दिखाई दे रहे हैं। वीडियो में आमिर अपने बेटे आजाद के साथ जमकर आम के मजे लेते नजर आ रहे हैं। वीडियो को सोशल मीडिया पर पोस्ट करते हुआ आमिर खान प्रोडक्शंस ने कैप्शन में लिखा है," क्या आपने और आपके परिवार ने कभी इस तरह से आम का लुत्फ उठाया है? आमिर के इस वीडियो को देखकर उनके फैंस जमकर प्रतिक्रिया दे रहे हैं। आमिर खान के वर्क फ्रंट की बात करें तो फिलहाल वह अपनी फिल्म लाल सिंह चड्ढा को लेकर काफी व्यस्त चल रहे हैं हैं। फिल्म में उनके ओपोजिट अभिनेत्री करीना कपूर खान हैं। उनके फैंस लंबे समय से इस फिल्म का इंतजार कर रहे हैं।

फ्लोरा सैनी ने मुस्कुराते हुए खिचवाई ऐसी तस्वीर, देखकर दंग रह गए लोग

वेब सीरीज 'गंदी बात 2' में हद से ज्यादा बोल्डनेस का तड़का लगाने के बाद अभिनेत्री फ्लोरा सैनी सोशल मीडिया पर कहर बरपा रही हैं। फ्लोरा सैनी अपने बोल्ड अंदाज से हमेशा सुर्खियां बटोरती रहती हैं। इन दिनों भी वह अपनी एक बेहद ही हॉट तस्वीर की वजह सुर्खियों में बनी हुई हैं। अभिनेत्री की यह तस्वीर सोशल मीडिया पर धड़ल्ले से वायरल हो रही हैं और इसे देखने वालों के पसीनें छूट गए हैं। अपनी इस बिना कपड़ो की तस्वीर के साथ उन्होंने अपने करियर के शुरूआती दिनों में अपने संघर्ष के बारे में भी पोस्ट लिखा। अपने इस पोस्ट में फ़्लोरा ने यह भी बताया कि वह पीसीओएस से पीड़ित थी जिसकी वजह से वह अपना वजन कम नहीं कर पा रही थी और बढे वजन की वजह से उन्हें कितनी बार सेट पर जलील होना पड़ा था।

इसके अलावा अभिनेत्री ने यह भी बताया कि इतने सालों के संघर्ष के बाद उन्होंने खुद से प्यार करना सीख लिया है। इसके अलावा अभिनेत्री की इस पोस्ट को पढ़ने के बाद लोग उनकी जमकर तारीफ कर रहे हैं। तेलुगु फिल्म प्रेमा कोसम से अपने एक्टिंग करियर की शुरूआत करने वाली फ्लोरा सैनी ने साल 2002 में फिल्म 'भारत भाग्य विधाता' से बॉलीवुड में कदम रखा था। अभिनेत्री ने कई बॉलीवुड फिल्मों जैसे- दबंग 2, स्त्री, फ्रॉड सैयां में कैमियो भूमिका निभाई है। इसके अलावा वह कई वेब सीरीज में भी नजर आयी हैं। उन्होंने गंदी बात के सीजन 2 और आर्या जैसी कई सुपरहट वेब सीरीज में काम किया है।

क्रिकेटर केएल राहुल संग जल्द ही सात फेरे लेंगी सुनील शेट्टी की बेटी अथिया शेट्टी

बॉलीवुड के अन्ना के नाम से फेमस सुनील शेट्टी की लाडली बेटी आथिया शेट्टी जल्द ही क्रिकेटर केएल राहुल संग शादी के बंधन में बंधने जा रही हैं। दोनों पिछले तीन साल से ज्यादा समय से एक- दूसरे को डेट कर रहे हैं। सूत्रों की मानें तो दोनों परिवार इस शादी को लेकर काफी उत्साहित हैं और इसी साल सर्दी के मौसम में राहुल और आथिया की शादी करने का मन बना चुके हैं। जानकारी के मुताबिक शेट्टी परिवार ने अपनी लाडली की शादी की तैयारियां भी शुरू कर दी हैं। उल्लेखनीय है कि सुनील शेट्टी का जन्म जहां मंगलोर के मुल्की में एक मंगलोरियन तुलु-भाषी परिवार में हुआ था, वहीं दूसरी तरफ के. एल राहुल भी मंगलोर से हैं जिसके चलते दोनों की शादी साउथ इंडियन रीति- रिवाज से होगी। हालांकि, दोनों परिवारों की तरफ से इस पर अभी कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया गया है।

सूडोकु नवताल- 6048

सरल

8	5			3		6	1	
6	7		9		4		2	
2					1			4
	3	9			7			
	6	2		8		4	7	
			6			9	3	
3			5					7
	4		1		6		8	3
	8	5		7			9	6

Jagrutidaur.com, Bangalore

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -6047 का हल

6	3	7	2	1	5	4	8	9
9	8	4	3	7	6	5	2	1
2	5	1	9	4	8	7	3	6
3	6	8	5	9	7	1	4	2
7	2	9	4	8	1	6	5	3
4	1	5	6	3	2	8	9	7
5	7	6	8	2	9	3	1	4
8	4	2	1	6	3	9	7	5
1	9	3	7	5	4	2	6	8

शब्दजाल - 6795

श	रा	ज	मी	दा	र	तू	ग	झ	क	कि
सू	ल	दा	ह	रिं	लै	ता	दि	शा	को	रा
बे	पु	वे	मु	दा	ल	सिं	बे	ला	ल	ये
दा	दा	दा	धा	हा	क	प	हा	दा	र	दा
र	श	र	ष	उ	व	री	ग	स	र	र
रं	रि	प	व	दा	त	रे	ती	प	न	ती
गा	ल	ख	अं	र	म	प	दा	ला	व	क
बा	जी	वा	री	क	छ	सौ	न	र	जू	क
स	थो	तें	व	द	ज	दा	ने	दा	र	द
र	ल	प	ति	रं	दा	ऐ	बें	न	रु	थो
कां	टे	दा	र	ग	कु	र	जा	एं	प	क

शब्द जाल में ऐसे 10 शब्द ढूंढिए जिनके पीछे दार शब्द लगा हो.नाम उपर से नीचे एवं तिरछे भी हैं.

जमीदार, सूबेदार, दावेदार, दानेदार, उदार, खरीददार, किरायेदार, कांटेदार, मुहावरेदार, ताबेदार

शब्दजाल - 6794 का हल

Jagrutidaur.com, Bangalore

अष्टयोग-5748

3	2	7			5	1
4	31		31	2	31	
	5		3	1	7	
6	31	3	29		38	6
	3			6		
7	31	5	36		35	5
		4		7	2	

प्रस्तुत खेल सुडोकू व जोड़ की पद्धति का मिश्रण है.खड़ी व आड़ी पंक्तियों में 1से 7 तक के अंक लिखने अनिवार्य हैं.गहरे काले वर्ग में लिखी संख्या चारों और के 8 वर्गों की संख्या का कुल योग होगी.सीधी अथवा आड़ी पंक्तियों में 1 से 7 तक के अंक होना अनिवार्य है.

अष्टयोग 5747 का हल

3	2	4	6	7	5	1
4	23	2	31	2	39	7
2	5	1	3	6	7	4
6	33	5	29	3	36	6
5	3	6	4	1	7	2
7	37	3	36	5	29	5
1	5	7	6	4	2	3

Jagrutidaur.com, Bangalore

स्वामी एवं संपादक इंद्रा द्वारा S-529, स्कूल ब्लॉक, शकरपुर, दिल्ली - 110092 से जारी
Customer Care No:- 8375000628, For News & Advertisement- 8588881461, Email-info@delhicrimepress.in, Website- Delhicrimepress.in